झरोखा

rhljh d{kk d fy, ikB;iLrd

ifjo'k vè;;u

vkeq[k

बच्चे हमारी परंपरा के वाहक हैं और भविष्य की आशा भी। उत्सुकता से चमकती आँखों और अपरिमित ऊर्जा वाले बच्चे सीखने की ललक लेकर विद्यालय आते हैं। प्रसिद्ध वैज्ञानिक, अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था– मुझमें कोई विशेष प्रतिभा नहीं है, लेकिन मुझमें सिर्फ़ जानने की प्रबल उत्सुकता है।

ये पंक्ति पठन–पाठन पद्धति के इस महत्त्वपूर्ण पक्ष को दर्शाती है कि बच्चों को सीखने के पूरे अवसर मिलें ताकि उनमें उत्सुकता बनी रहे। इसलिए हमें स्कूल और कक्षा का वातावरण, पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तकें, शिक्षण सामग्री, गुणवत्तापूर्ण सिखाने और सीखने के लिए समय, शिक्षक की भूमिका आदि पर और अधिक ध्यान केंद्रित करने की ज़रूरत है।

गुणवत्तापरक परिवर्तन को लक्ष्य बनाकर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा प्राप्त हो, इसके लिए विभाग द्वारा विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। इनके अंतर्गत राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005, शिक्षा का अधिकार 2009 तथा अध्यापक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2009 के मद्देनजर कक्षा 1 से 5 की पाठ्यपुस्तकों का निर्माण किया गया है।

इन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि सीखने–सिखाने की प्रक्रिया में बच्चों की सक्रिय भागीदारी हो। बच्चों के स्कूली जीवन को उनके परिवेश से जोड़ा जाए, जिससे स्कूल और घर के बीच की दूरी कम हो सके। इन पाठ्यपुस्तकों से बच्चों को छान–बीन करने, स्वयं करके देखने–समझने, समस्या का स्वयं समाधान ढूँढ़ने जैसे कौशलों के विकास के अनेक अवसर मिल सकें। बच्चे केवल पाठ्यपुस्तकों तक ही सीमित न रहें अपितु परिवेश में उपलब्ध साधनों की ओर भी उन्मुख हों।

सीखने की प्रक्रिया में बच्चों का अपना सामाजिक संदर्भ महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। उन्हें सामाजिक विविधता के साथ–साथ धर्म, जाति, लिंग के प्रति समानता, विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों एवं बड़े बुज़ुर्गों के प्रति संवेदनशीलता, आदर–भाव तथा हरियाणा की संस्कृति की छटा को समझने के समुचित अवसर मिल सके, नवनिर्मित पाठ्यपुस्तकों में इनका गंभीरता से प्रयास किया गया है।

इन पुस्तकों में बच्चों के आस–पास की सामाजिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों को आधार बनाकर प्रत्येक स्तरानुसार विषय–सामग्री और गतिविधियों को सम्मिलित किया है। इससे सभी बच्चे रोचक ढंग से स्तरानुसार व अपनी गति के अनुसार दक्षताओं और कौशलों का विकास कर पाएँगे। शिक्षक सतत एवं व्यापक मूल्यांकन द्वारा बच्चों का आकलन कर उनके स्तरानुसार दक्षताओं और कौशलों को विकसित करने में सहायक होंगे।

यह उल्लेख भी प्रासंगिक होगा कि इन पुस्तकों को आप के बीच से आए विद्यालयों के शिक्षक–शिक्षिकाओं के सहयोग से राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुड़गाँव द्वारा तैयार किया गया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अध्यापकगण इनके अंतर्निहित भावों को जानकर शिक्षण को रुचिकर बनाते हुए व विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपने कौशल से, सीखने के भरपूर अवसर प्रदान करेंगे।

केशनी आनन्द

vfrfjDr eq[; lfpo]

fo|ky; f'k{kk] gfj;k.kk] p.Mhx<

ikB;iLrd fuek.k lfefr

lj{kd e.My – केशनी आनन्द अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव, विद्यालय शिक्षा, हरियाणा।
रोहतास सिंह खरब, निदेशक, मौलिक शिक्षा, हरियाणा।
आलोक वर्मा, राज्य परियोजना निदेशक, हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद्।

ekxn’ku – स्नेहलता, निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

leUo; lfefr – सुशील बत्रा, संयुक्त निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
रवींद्र सिंह फौगाट, अध्यक्ष, पाठ्यपुस्तक विभाग, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

e[; lykgdkj % प्रो. मंजु जैन, सेवानिवृत अध्यक्ष, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली।

iujoykdu lfefr – डी.सी. ग्रोवर, सेवानिवृत्त वरिष्ठ विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
दीपावली बुधवार, वरिष्ठ प्राध्यापिका, डाइट गुड़गाँव।
डॉ. योगेश वासिष्ठ, हिन्दी प्राध्यापक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

leh{kk lfefr – डॉ. रोमिला सोनी, प्रोफेसर, प्रारम्भिक शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली।
घमंडीलाल अग्रवाल, वरिष्ठ बाल साहित्यकार।
कृष्णलता यादव, सेवानिवृत्त हिन्दी प्राध्यापिका।

lnL; – पुष्पा देशवाल, बी.आर.पी., खंड पिल्लुखेड़ा, जींद।
डॉ. पूजा नान्दल, प्राध्यापिका, रा.उ.वि. हाजीपुर, गुड़गाँव।
रूबी सेठी, गृह विज्ञान अध्यापिका, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
रेनू सिंह, विषय विशेषज्ञ, इतिहास, गुड़गाँव।
सत्यपाल सिंह, विज्ञान अध्यापक, रा.मा.वि. प्राणपुरा, गोपालपुरा, रेवाड़ी।
सीमा वधावन, भूगोल प्राध्यापिका, रा.उ.वि., कादरपुर, गुड़गाँव।
सुरेखा जैन, सेवानिवृत्त हिन्दी प्राध्यापिका।
सुभाष गर्ग, भौतिकी प्राध्यापक, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

lnL; ,o leUo;d – डॉ. दीप्ता शर्मा, इतिहास प्राध्यापिका, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।
पूनम यादव, जीव विज्ञान प्राध्यापिका, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुड़गाँव।

vkHkkj

मौलिक शिक्षा विभाग, हरियाणा इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण हेतु अपने राज्य की राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् की संपूर्ण पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति के प्रति आभार व्यक्त करता है।

यह विभाग एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली का विशेष आभारी है जिसने अपने अनुभवी विशेषज्ञों का समय व सहयोग तथा विभिन्न प्रकाशनों के ज़रिये इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में योगदान दिया। हम अन्य राज्यों की उन संस्थाओं के प्रति भी आभारी हैं, जिनकी पाठ्यपुस्तकों को पढ़कर लेखक समूह ने प्रेरणा ली तथा पाठों का ढाँचा, प्रश्नों के समूह व क्रियाकलापों के संयोजन हेतु मार्गदर्शन प्राप्त किया।

यह विभाग इस पुस्तक के पुनरवलोकन, समीक्षा व महत्त्वपर्ण सुझावों के लिए प्रो. के.के. वशिष्ठ (पूर्व अध्यक्ष, प्रा.शि.वि., एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली, प्रो. एम.सी. शर्मा, निदेशक, शिक्षा विभाग, आई.जी.एन.ओ.यू., मैदानगढ़ी, दिल्ली), प्रो. ममता पांडे (पूर्व प्रो. पर्यावरण शिक्षा केंद्र, अहमदाबाद, गुजरात) के प्रति विशेष आभार व्यक्त करता है।

हमारे प्रयासों के बावजूद यदि किसी रचनाकार अथवा संस्था का नाम छूट गया हो तो विभाग उनके प्रति भी आभार व्यक्त करता है। भविष्य में नाम की जानकारी होने पर आगामी संस्करणों में संशोधन कर लिया जाएगा।

विभाग उन व्यक्तियों के प्रति आभार प्रकट करता है, जिन्होंने पुस्तक में सम्मिलित किए जाने हेतु अपने फ़ोटोग्राफ लेने की अनुमति प्रदान की। विभाग उन सभी वेबसाइट्स, पुस्तकों के लेखकों, संस्थाओं व पत्रिकाओं के प्रति भी आभार व्यक्त करता है, जिनकी सामग्री का उपयोग पाठ्यपुस्तकों के निर्माण–कार्य के लिए किया गया है। हम उन सभी अध्यापकों व बच्चों के आभारी हैं, जिनसे वार्तालाप व क्षेत्र–परीक्षण के दौरान हमें पाठ्यपुस्तक के निर्माण में विशेष सहयोग व जानकारियाँ मिलीं।

पुस्तक के टंकण कार्य हेतु देवानन्द तथा चित्रांकन व साज–सज्जा के लिए फ़जरूद्दीन एवं कमल किशोर का भी यह विभाग आभार व्यक्त करता है।

jkgrkl flag [kjc
funs'kd] ekfyd f'k{kk]
gfj;k.kk] ipdyk

f'k{kdk ,oa vfHkHkkodk d fy,

परिवेश अध्ययन की पाठ्यपुस्तक 'झरोखा' एक नए रूप में आपके समक्ष प्रस्तुत है। पुस्तक में क्या है तथा इसे किस प्रकार बच्चों को करवाना है, यह जानने से पहले आइए बात करते हैं पुस्तक के शीर्षक 'झरोखा' के विषय में। बच्चा जीवन के आरंभिक वर्षों में अपने घर के दायरे से निकलकर बाहर की दुनिया में कदम रखता है तथा उसे अपने तरीके से जानने व समझने का प्रयास करता है। बच्चों को से बाहर की दुनिया में झाँकने, देखने व समझने के लिए यह पुस्तक 'झरोखा' उसे उसके प्राकृतिक व सामाजिक परिवेश के अंतर्सम्बंध की बेहतर समझ विकसित करने में सहायक होगी। पुस्तक लेखन के दौरान इस समझ को विकसित करने का हमारा निरंतर प्रयास रहा है।

iLrd d ckjs e%

परिवेश को समग्र रूप में लेते हुए विषय का विज्ञान व सामाजिक अध्ययन भागों में विभाजन नहीं किया गया है। बोलचाल की भाषा का प्रयोग किया गया है। पाठ्यक्रम की सात प्रकरण के माध्यम से बच्चों में उनके निकटतम परिवेश की समझ विकसित करने के अवसर दिए गए हैं। पुस्तक के पाठों में प्रकरणों को एकाकी रूप में न लेकर यथास्थान प्रकरण की विषय–वस्तु को अंतर्सम्बंधित किया गया है।

पुस्तक बाल–केंद्रित है तथा गतिविधिपरक है। पुस्तक में दी गई गतिविधियाँ तथा विषय–वस्तु एक दूसरे की पूरक हैं। बच्चों को स्वयं करके सीखने के पर्याप्त अवसर दिए गए हैं।

बच्चों की पहली पाठशाला उनका परिवार होता है। अतः विषय–क्रम में सबसे पहले प्रकरण : मेरा परिवार और मेरे मित्र पर आधारित पाठों को रखा गया है। इसके पश्चात् प्रकरण–भोजन, परिवेश में पौधे और जंतु, जल, आवास, यातायात एवं संचार तथा आस–पास निर्मित वस्तुएँ पर आधारित पाठों को क्रमबद्ध तरीके से रखा गया है।

रोचकता को ध्यान में रखते हुए विषय–वस्तु का प्रस्तुतीकरण विविध तरीकों से किया गया है। जैसे–कहानियाँ, संवाद, कविताएँ, पहेलियाँ, नाटक, पत्र–लेखन, क्रियाकलाप आदि। इन्हें बच्चों के अपने जीवन व अनुभवों से जोड़ने का प्रयास किया गया है। यह भी प्रयास किया गया है कि रटने की प्रवृत्ति कम हो। अतः परिभाषाएँ, वर्णन, अमूर्त प्रत्यय आदि को स्थान नहीं दिया गया।

'चित्र' इस आयु वर्ग के बच्चों की पुस्तक का महत्त्वपूर्ण अंग होते हैं। अतः इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि चित्रों की प्रकृति लिखित बातों को प्रतिबिंबित करे। पुस्तक में विषय–वस्तु को चित्रों के माध्यम से आगे बढ़ाने तथा मूर्त, रोचक व बोधगम्य बनाने का प्रयास रहा है। चित्रों के माध्यम से बच्चों में वर्गीकरण, तुलना व सूचीकरण आदि क्षमताओं के विकास के अवसर भी दिए गए हैं।

प्रत्येक पाठ के अंत में 'आओ ये भी करें' शीर्षक से कुछ क्रियाकलाप दिए गए हैं। इन्हें देने का उद्देश्य पाठों में अंतर्निहित मुख्य पाठ्य–बिंदुओं की पुनरावृत्ति तथा पाठ्येत्तर (Beyond the text) ज्ञान सृजन के लिए बच्चों को प्रोत्साहित करना है।

v/;kid dh Hkfedk %

बच्चों के लिए तैयार की गई इस पुस्तक में आपकी भूमिका सहयोगी व मार्गदर्शक की रहेगी। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक प्रकरण के पाठों से पहले दिए गए 'शिक्षक के लिए' तथा पाठों के नीचे दिए गए फुट नोट में 'अध्यापक के लिए संकेत' को ध्यान से पढ़ें।

पाठों में बच्चों के सोचने, चर्चा करने व अपने अनुभव बताने पर ज़ोर दिया गया है। इन्हें करने के मौके सभी बच्चों को दें। उत्तरों में विविधता स्वाभाविक है। उन्हें उसी रूप में लें। उनकी अभिव्यक्ति की प्रशंसा करें, तुलना नहीं। मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति में बच्चों की अपनी भाषा को सहज रूप में स्वीकारें ताकि उनके जीवंत अनुभव कक्षा में आ सकें।

प्रत्येक पाठ में कुछ प्रश्न व क्रियाकलाप दिए गए हैं, उन्हें उसी रूप में करवाएँ, घर से करके लाने को न कहें। इन्हें करने के लिए बच्चों को पूरा समय व अभिव्यक्ति के पूरे अवसर दें। पाठों में जहाँ कहीं भी बच्चों को छोटे–छोटे समूह में काम करने के अवसर दिए गए हैं, उन्हें उसी रूप में करवाएँ। इससे बच्चों में मिलकर काम करने तथा आपसी सहयोग व सामंजस्य के गुणों के विकास के अवसर मिलते हैं।

विविध सामाजिक सरोकारों जैसे–आयु, लिंग, वर्ग, संस्कृति, धर्म, भाषा, काम, भोजन, आर्थिक स्थिति व विभिन्न रूप से सक्षम लोगों के बारे में बातचीत करते समय ध्यान रखें कि बच्चों में विविधताओं के प्रति सम्मान, स्वीकृति व न्यायपरक समझ विकसित हो। इस बात का विशेष प्रयास करें कि विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों जैसे मूक बधिर, दृष्टि बाधित आदि की सक्रिय भागीदारी रहे।

पर्यावरण की समझ के विकास के लिए बच्चों को कक्षा की चारदीवारी तक सीमित न रखें। जहाँ कहीं आवश्यक हो, उन्हें बाग–बगीचे, तालाब के किनारे व सामाजिक कामों व संस्थाओं जैसे बैंक, डाकघर आदि के भ्रमण पर ले जाएँ। अमूर्त उदाहरणों की अपेक्षा प्रत्यक्ष व मूर्त उदाहरणों की सहायता लें।

बच्चों में रचनात्मक एवं कलात्मक अभिव्यक्तियों के प्रचुर अवसर प्रदान किए गए हैं। इन अभिव्यक्तियों के दौरान सराहना करते हुए बच्चों को प्रोत्साहित करें। चित्रों का प्रयोग मात्र अवलोकन तक सीमित न रखकर, उनके माध्यम से विश्लेषण, वर्गीकरण, तुलना आदि क्षमताओं के विकास के प्रयास करें।

चर्चा, प्रश्न व प्रयोगों के संदर्भ में बच्चों के विविध प्रश्नों, विचारों व निष्कर्षों को खुलकर सामने आने के मौके दें। परस्पर संवाद के माध्यम से नवीन ज्ञान–सृजन की प्रक्रिया में मार्गदर्शक की भूमिका निभाएँ।

अनेक स्थानों पर चर्चा व क्रियाकलापों को छोरमुक्त (Open ended) ताकि बच्चे अपने परिवेश व अनुभव के आधार पर मौखिक या लिखित अभिव्यक्ति कर सकें। छोड़ा गया है। ऐसी स्थिति में पाठ्यपुस्तक के अतिरिक्त अन्य स्रोतों से जानने व समझने में बच्चों की मदद करें।

पाठ योजना तैयार करते समय कक्षा में बच्चों के सीखने के तरीकों व क्षमताओं के विभिन्न स्तरों को ध्यान में रखें। सीखने– सिखाने की योग्यता की समय–समय पर समीक्षा करके अपने अनुभव लिखें, जिसमें बच्चों के सीखने के स्तर, तरीके, नवीन ज्ञान सृजन की स्थिति व स्वयं के अनुभवों में आए बदलावों को भी पर्याप्त स्थान दिया जा सके। पाठों के अंत में यथास्थान आओ परखें–क्या सीखा के नाम से अधिगम संकेतक आधारित कुछ प्रश्न दिए गए हैं। इन प्रश्नों के माध्यम से अध्यापक बच्चों के उपलब्धि स्तर को जाँचकर

अधिगम अंतर को पूरा करने में बच्चों की मदद करें।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन' पाठ कराने के पश्चात् नहीं अपितु पाठ कराने की प्रक्रिया में किया जाए। उदाहरणार्थ– बच्चा चित्र का अवलोकन करके वर्गीकरण व तुलना कर पा रहा है, अथवा नहीं। चित्रों को बनाने तथा कागज़ मोड़कर वस्तुएँ बनाने में कौशल व निपुणता से क्रियाकलाप करता है आदि। आप इसी प्रकार पाठों में दिए गए विविध क्रियाकलाप, चर्चा, प्रश्न आदि के माध्यम से बच्चों का अधिगम–स्तर जाँच कर उसी के अनुरूप उपचारात्मक शिक्षण विधि अपनाएँ। बच्चों की उपलब्धि का निरंतर रिकार्ड भी तैयार करें। पाठ्यपुस्तक में बच्चों की अधिगम क्षमताओं के विकास के अनेक अवसर दिए गए है। इनमें से कुछ को उदाहरण स्वरूप नीचे तालिका में दिया जा रहा है।

Ø-l-	vfèkxe {kerk,¡	fodkl d dN mnkgj.k
1.	अवलोकन	जब बच्चे– अपने आस–पड़ोस के पेड़–पौधों की पत्तियों का अवलोकन करके उनके रंग व आकार को पहचानेंगे।
2.	अभिव्यक्ति	भिन्न–भिन्न पक्षियों की आवाज़ें निकालेंगे।
3.	चर्चा करना	परिवार में सभी सदस्यों के मिलकर काम करने पर चर्चा करेंगे।
4.	वर्गीकरण	बरसात के दिनों में होने वाले परिवर्तनों को वांछित तथा अवांछित की श्रेणी में वर्गीकृत करेंगे।
5.	प्रश्न करना	बारिश का पानी कहाँ चला जाता है ? प्रश्न करेंगे।
6.	प्रयोगीकरण	पेड़ों की गिरी हुई पत्तियों की कम्पोस्ट खाद तैयार करेंगे।
7.	सहयोग	खेलते समय चोट लग जाने पर साथी की सहायता करेंगे।
8.	विश्लेषण/कारण समझना	पानी की कमी के कारणों का विश्लेषण करेंगे।
9.	न्याय व समानता के प्रति चिंता	बुज़ुर्गों व विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के प्रति सम्मान, प्रेम व समानता के भावों में वृद्धि करेंगे।

funs'kd
jkT; 'kSf{kd vuqla/kku ,oa izf'k{k.k ifj"kn
gfj;k.kk] xqM+xkao

2B3K2Z

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन-अधिनायक, जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल जलधि तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगल-दायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे!

हमारा राष्ट्र-गान रवीन्द्रनाथ टैगौर द्वारा मूलतः बांग्ला भाषा में रचा गया था। भारत के राष्ट्र-गान के रूप में इसके हिंदी रूपांतरण का अंगीकार संविधान सभा द्वारा 24 जनवरी 1950 को किया गया।

प्रस्तुत संस्करण

आज के बदलते परिवेश में विद्यार्थियों के साथ–साथ अध्यापकों को भी कई बार, विषय की बारीकियों और नए उदाहरणों के साथ केवल पाठ्य–पुस्तकों से समझाना कुछ अधूरा सा लगता है। ऐसी आवश्यकता महसूस होती है कि पुस्तक के विभिन्न पाठों में आवश्यकता पड़ने पर यदि डिजिटल कंटेंट तुरंत उपलब्ध हो जाय तो अध्ययन–अध्यापन की नीरसता समाप्त हो सकती है और कक्षा में रुचिकर वातावरण तैयार किया जा सकता है। कक्षा में छात्रों के अलग–अलग स्तर के अनुसार यदि गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट उपलब्ध हो तो, न केवल अध्ययन–अध्यापन और अधिक सशक्त होगा बल्कि कठिन बिन्दुओं को भी बेहतर ढंग से समझने–समझाने में सहायता मिलेगी। उर्जस्वित पुस्तकें (Energized Text Books) इस समस्या को हल करने की दिशा में एक पहल है। ऐसी पुस्तकों की संकल्पना, MHRD भारत सरकार के अध्यापकों को सक्षम करने के उद्देश्य से बनाये गए दीक्षा (DIKSHA) पोर्टल के लिए की गयी है।

दीक्षा के अंतर्गत ऐसी पाठ्य पुस्तकों की कल्पना की गयी है, जिनमें पाठ्यक्रम को और सशक्त करने की क्षमता हो। परंपरागत रूप से उपलब्ध पुस्तकों में QR कोड की सहायता से और अधिक सूचनाएं तथा अतिरिक्त प्रभावी सामग्री जोड़कर उन्हें और अधिक सक्रिय तथा उर्जावान बनाया जा सकता हैं। अध्यापकों की आवश्यकता के अनुसार उनके द्वारा चिन्हित पाठ के कठिन भागों में QR कोड को प्रिंट कर दिया गया है, इन QR कोडस से विडियो, अभ्यास कार्यपत्रक और मूल्यांकन शीट को लिंक कर दिया गया है।

विद्यालय शिक्षा विभाग द्वारा, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण परिषद्, हरियाणा, गुरूग्राम को मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालयय (MHRD) के दीक्षा पोर्टल हेतु राज्य की नोडल एजेंसी बनाया गया है। इस सम्बन्ध में 12 जुलाई 2018 को शैक्षिक तकनीक (Educational-Technology) के राज्य संसाधन समूह (SRG) की एक संगोष्ठी आयोजित की गयी, जिसमें MHRD द्वारा हरियाणा राज्य के लिए नियुक्त टीम की सहायता से शैक्षिक सत्र 2018–19 हेतु राज्य के लिए एक दीक्षा कैलेंडर तैयार किया गया है इस सम्पूर्ण कार्य को मुख्यतः दो चरणों में विभक्त किया गया है–

प्रथम चरण : QR कोड युक्त पुस्तकें तैयार करना।

द्वितीय चरण : QR कोड से लिंक ई–कंटेंट तैयार करना।

विद्यालय अध्यापकों, डाइट एवं SCERT के विषय–विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा कक्षा 1-5 तक की हिंदी, अंग्रेजी, गणित एवं EVS विषय पर तैयार राज्य की पाठ्य–पुस्तकों का बारीकी से पुनरावलोकन प्रारंभ हुआ और कार्यशालाओं में इस कार्य के प्रथम चरण को पूरा किया गया। राज्य भर से चुने हुए इच्छुक कर्मठ अध्यापकों के सहयोग से चरण–2 के अंतर्गत ई–कंटेंट को निर्मित व संकलित करने का कार्य जारी है। इस कार्य के प्रथम चरण को पूर्ण करने के लिए परिषद श्रीमती पूनम भारद्वाज, अनुभागाध्यक्ष, शैक्षिक तकनीक विभाग तथा श्री मनोज कौशिक, समन्वयक (QR Code Project) का आभार व्यक्त करती है। परिषद इस कार्य को पूर्ण करने के लिए श्री नंद किशोर वर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, रूबी सेठी, अध्यापिका, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राजेश कुमारी, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, दीप्ता शर्मा, विषय विशेषज्ञ, एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम, राम मेहर, वरिष्ठ विशेषज्ञ, डाइट, माछरौली, झज्जर, धुपेंद्र सिंह, डाइट, विषय विशेषज्ञ, मात्रश्याम, हिसार, नरेश कुमार, विषय विशेषज्ञ, डाइट, डींग, सिरसा, डॉ एम.आर. यादव, प्राध्यापक, रा.व.मा.वि. निजामपुर, नारनौल, महेंद्रगढ़, काद्यान यशवीर सिंह, अध्यापक, रा0व0मा0वि0, वजीराबाद, गुरूग्राम, डॉ पूजा नंन्दल, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. झज्जर, विरेंद्र, बी.आर.पी. बी.आर.सी. सालहावास, झज्जर, किरण परूथी, अध्यापिका, रा.व.मा.वि. खेडकी दौला, गुरूग्राम, बिन्दु दक्ष, प्राध्यापिका, रा.क.व.मा.वि. जैकबपूरा, गुरूग्राम का भी हद्य से आभार व्यक्त करती है।

निदेशक

एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा, गुरूग्राम

दीक्षा एप कैसे डाउन लोड करें ?

विकल्प 1: अपने मोबाइल ब्राउजर पर diksha.gov.in/app टाइप करें।

विकल्प 2: अपने एंड्राइड मोबाइल के Google Play store पर DIKSHA NCTE खोजें और "डाउनलोड" बटन को दबाएँ।

मोबाइल पर **QR** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

1 DIKSHA App लॉन्च करें और "गेस्ट के रूप में ब्राउज करें" पर क्लिक करें।

2 विद्यार्थी के रूप में जारी रखने के लिए विद्यार्थी पर क्लिक करें।

3 पाठ्य पुस्तकों में QR कोड स्कैन करने के लिए DIKSHA App में दिए गए QR कोड Icon Tap करें

4 डिवाइस को QR कोड की दिशा में इंगित करें और QR कोड पर के ऊपर केंद्रित करें।

5 सफल स्कैन पर QR कोड से जुड़ी डिजिटल पाठ्य सामग्री सूचीबद्ध है।

डेस्कटॉप पर **DIAL** कोड का उपयोग कर डिजिटल विषय वस्तु कैसे प्राप्त करें

पाठ्य पुस्तक में QR कोड के नीचे 6 अंकों का एक कोड रहता है

1 जिसे DIAL कोड कहते हैं।

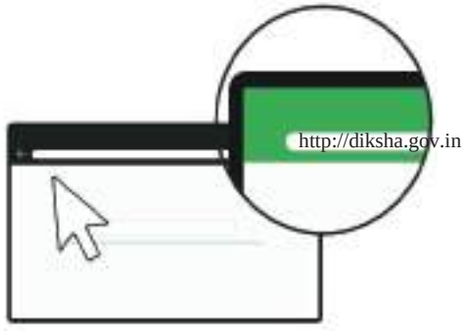

2 ब्राउजर पर **diksha.gov.in/hr/get** टाइप करें।

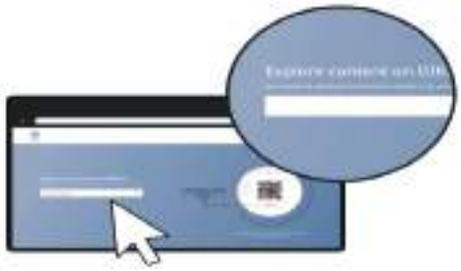

3 सर्च बार में DIAL कोड टाइप करें।

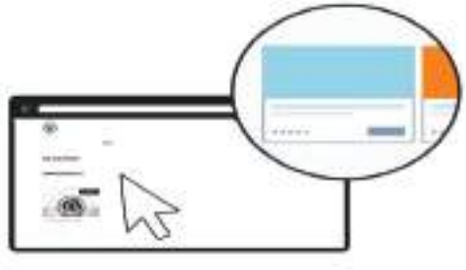

4 सभी उपलब्ध पाठ्य सामग्री की सूची देखिए और किसी भी पाठ्य सामग्री पर क्लिक करे और देखे।

विषय-सूची

ejk ifjokj vkj ejs fe=

1.	यह है मेरा परिवार	1
2.	खेलें, कूदें, मौज मनाएँ	10
3.	मिलकर करें काम	17
4.	चलें साथ–साथ	25

Hkkstu

5.	खाएँ, मौज मनाएँ	30
6.	किस पर पकाएँ, किस में खाएँ?	39

ifjos'k esa ikS/ks vkj tarq

7.	पार्क में पिकनिक	47
8.	उपजे सोना खेतों में	56
9.	बात पत्तियों की	62
10.	जीव–जंतुओं का अनोखा संसार	69

t y

11. पानी की बात, कल्लू कौवे के साथ 82

12. रिमझिम बरसे पानी 91

vkokl

13. मेरा घर है सबसे प्यारा 99

14. दाएँ–बाएँ, चार दिशाएँ 108

;krk;kr ,o l[pkj

15. कम हुई दूरियाँ 119

16. कुछ कही, कुछ अनकही 126

vkl&ikl fufe[r oLr[,

17. जीवन के रंग, मिट्टी के संग 132

18. रंग–बिरंगी मेरी पोशाक 137

शिक्षक के लिए

प्रकरण : मेरा परिवार और मेरे मित्र

यह प्रकरण क्यों?

यह प्रकरण बच्चों के निकटतम परिवेश से जुड़ी है। इसको कक्षा तीन के पाठ्यक्रम में रखने का उद्देश्य बच्चों में अपने तथा आस–पास के परिवारों के प्रति जुड़ाव तथा विविधता को जानना है। जीवन के आरम्भिक वर्षों में बहुत–सी बातें वे अपने परिवार से ही सीखते हैं। प्रकरण के द्वारा बच्चों में बुज़ुर्गों के प्रति सम्मान एवं संवेदनशीलता विकसित करना है। साथ ही उन्हें समुदाय में होने वाले विभिन्न कार्यों से अवगत कराना है। बच्चे अपने साथियों के साथ जो खेल खेलते हैं, उन पर चर्चा करना तथा खेलों के माध्यम से सहभागिता, सहयोग तथा खेल की भावना का विकास करना है।

इस प्रकरण में है क्या?

इस प्रकरण में चार पाठ हैं। पहले पाठ में बच्चों को अपने तथा अन्य परिवारों की जानकारी से जोड़कर, परिवारों की विविधता बताई गई है। दूसरे पाठ में खेलों के माध्यम से मानवीय गुणों और मूल्यों पर बातचीत है। तीसरे पाठ में समाज के भिन्न–भिन्न लोगों द्वारा किए जाने वाले कार्यों की जानकारी है। चौथे पाठ में विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों तथा बुज़ुर्गों के प्रति संवेदनशीलता के बारे में चर्चा है।

इस प्रकरण के पाठों को कैसे कराएँ?

- इन पाठों में बच्चों को सोचने, चर्चा करने, अपने अनुभव बताने, साथियों की बातें सुनने आदि के मौके दिए गए हैं। पाठ कराते समय ये मौके सभी बच्चों को दें। पाठों में दिए गए क्रियाकलाप उसी क्रम में करवाएँ। घर से करके लाने को न कहें।
- पाठों में कुछ स्थानों पर लिखने के लिए जगह छोड़ी गई है। उन्हें पुस्तक में ही करवाएँ। कुछ क्रियाकलाप बच्चों को छोटे समूह में करने हैं, उनको उसी रूप में करवाएँ।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों की सराहना करें, उनकी तुलना न करें तथा उन्हें और अच्छा बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- पाठ पढ़ाने के दौरान प्रश्नों के उत्तरों में विविधता होना स्वाभाविक है। बच्चों को उनके विचार तथा अनुभव सुनाने के पर्याप्त अवसर दें। पाठों में कुछ स्थानों पर 'अध्यापक के लिए संकेत' दिए गए हैं, इन्हें अवश्य पढ़ें क्योंकि ये किसी विशेष उद्देश्य के लिए दिए गए हैं।
- बच्चों को अवलोकन करने के मौके दें। उनकी अभिव्यक्ति सुनें, न कि किताबी शब्दों को बढ़ावा दें।
- बच्चों को प्रश्न पूछने, प्रश्न बनाने, चित्र बनाने व कौशल के विकास के लिए अनेक अभ्यास दिए गए हैं, जैसे –बुज़ुर्ग क्या खाते हैं और क्या नहीं? क्या पुरुष भी खाना बना सकते हैं ? आदि।
- जोड़े बनाना, वर्गीकरण करना, स्वयं प्रयोग करना, चीज़ें बनाना आदि कौशलों के विकास के लिए बच्चों से उनकी आयु के अनुरूप क्रियाकलाप कराएँ।
- बच्चों को बड़े, बुज़ुर्गों तथा विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए उनसे बातचीत करने व उनके अनुभव सुनने के लिए प्रेरित करें।

पाठ 1 यह है मेरा परिवार

आओ बच्चो, मिलकर एक कविता गाते हैं—

प्यारा घर

अपना घर है सबको प्यारा,
यह देता है हमें सहारा।
माता–पिता यहाँ पर रहते,
कष्ट हमारे हित में सहते।
'राजा', 'रानी' कह बुलाते,
बहुत प्यार से गले लगाते।
चले यहाँ पर राज हमारा,
अपना घर है प्यारा–प्यारा।

अब बताओ

- तुम्हें यह कविता कैसी लगी ?
- तुम्हें अपना घर अच्छा क्यों लगता है ?
- सामने दिए गए चित्र में अपने घर के सदस्यों के नाम और उनसे तुम्हारा क्या रिश्ता है, लिखो।

ckr ifjokjk dh

आशा तीसरी कक्षा में पढ़ती है। उसके परिवार में माँ–पिताजी व एक छोटी बहन है। उसकी सहेली शिवानी ने बताया कि उसके परिवार में दादा–दादी, मम्मी–पापा, चाचा–चाची, एक बहन और एक भाई है।

आशा का परिवार

शिवानी का परिवार

fp= ns[kks vkSj fy[kks

- आशा के परिवार में कौन–कौन हैं ?

  ____

- शिवानी के परिवार में ऐसे कौन–से सदस्य हैं, जो आशा के परिवार में नहीं हैं ?

  ____

आशा आज बहुत खुश है।

वह अपने परिवार के साथ गाँव में दीवाली मनाने जा रही है।

गाँव में, उसके दादा–दादी, ताऊ–ताई व उनका बेटा वैभव और बेटी मोना रहते हैं।

आशा का परिवार जब गाँव पहुँचा तो सब खुश हुए। सभी ने बड़ों के पैर छुए।

आशा को दादी ने प्यार से गले लगाया और कहा– मेरी प्यारी बेबी, मैं तो तुमसे बहुत दिनों बाद मिल रही हूँ।

vè;kid d fy, l|dr : बच्चों को एकल व संयुक्त परिवारों के उदाहरण देकर चर्चा करें। बच्चों को यह भी स्पष्ट करें कि आशा शहर में एकल परिवार में रहती है। गाँव जाकर उनका परिवार संयुक्त परिवार हो जाता है।

,sl djk

- lgh okD; ij ¼✓½ dk fu'kku yxkvkA xyr okD; ij ¼✗½ dk fu'kku yxkvkA
  - दादी ने आशा को प्यार से मुन्नी कहा। ☐
  - आशा के दादा–दादी गाँव में रहते हैं। ☐
  - शिवानी के परिवार में चाचा–चाची साथ रहते हैं। ☐
  - शिवानी दीवाली मनाने गाँव नहीं गई। ☐

vk'kk ifjokj d lkFk

रसोईघर से भोजन की महक आ रही थी। दादाजी ने सभी को भोजन करने के लिए बुलाया। सभी हाथ धोकर इकट्ठे भोजन करने लगे। भोजन में बाजरे की रोटी, साग, चटनी, चूरमा और लस्सी थी। आशा ने थाली में थोड़ा–सा चूरमा छोड़ दिया। दादाजी ने कहा–यह अच्छी बात नहीं है। हमें थाली में उतना ही खाना लेना चाहिए, जितनी भूख हो।

,sl djk

- fjDr LFkku Hkjk&
  - थाली में खाना जूठा ———————— चाहिए। (छोड़ना/नहीं छोड़ना)
  - हमें भोजन ———————— करना चाहिए। (हाथ धोकर/बिना हाथ धोए)
  - हमारे घर में खाना ———————— बनाया जाता है। (रसोईघर में/कमरे में)
  - परिवार के सब लोगों ने भोजन में ———————— खाया। (चूरमा/हलवा)

vknr viuh&viuh

गाँव के गोपी चाचा की यह आदत है कि वह हर बात कहने के बाद 'हैं, जी!' ज़रूर कहते हैं। भोलू दादा हँसते समय ताली बजाते हैं। यह उनकी खास आदत है।

गोपी चाचा ने कहा–आशा, तुम्हारी शक्ल तो तुम्हारे दादा से मिलती है, 'हैं, जी'। भोलू दादा बोले–आरती के बाल भी तो अपने पिता की तरह घुँघराले हैं।

,sl djk

- क्या तुम्हारे परिवार में भी किसी सदस्य की कोई खास आदत है ? किसकी ? उसकी

तरह अभिनय करके दिखाओ।

fp= n[kk vkj crkvk

- आशा और आरती का अपने माँ–पिताजी व दादाजी से क्या–क्या मिलता–जुलता है ?

lkpk vkj fy[kk

- क्या तुम्हारी आँखें, बाल, नाक, चाल, आवाज़ आदि तुम्हारे परिवार के किसी सदस्य से मिलती–जुलती हैं ? यदि हाँ, तो तालिका में लिखो।

Ø-l-	ifjokj dk lnL;	D;k feyrk&tqyrk g\
1.	पापा	आँखें
2.		
3.		
4.		
5.		
6.		

Ckkr nhnh l

आशा की मोना दीदी से खूब बनती है। वह अपने स्कूल की सारी बातें मोना दीदी को बताती है। उसने दीदी से रंगोली बनाना भी सीखा है।

lkpk vkj fy[kk

- तुमने अपने परिवार में किससे क्या सीखा है ?

  _____

- तुम अपने मन की बातें किससे करते हो ?

  _____

- जब तुम खुश नहीं होते हो, तो किसके पास जाते हो ?

  _____

vkbZ nhokyh

आशा के परिवार ने मिलकर घर की सफ़ाई की। वैभव बाज़ार से पटाखे खरीदने की ज़िद करने लगा। मोना दीदी ने कहा–इस बार हम पटाखे नहीं छोड़ेंगे। पटाखों के शोर से कानों को नुकसान हो सकता है। इनसे निकलने वाले धुएँ से साँस लेने में दिक्कत होती है। इसके बाद सबने घर की सजावट की। पड़ोस की सीमा चाची ने मिठाइयाँ बनाने में उनकी मदद की। रात को दीये जलाए और पूजा की। इसके बाद सबने मिलकर खाना खाया।

lkpk vkj fy[kk

- तुम्हारे परिवार में कौन–से त्योहार मनाए जाते हैं ?

  _____ _____ _____

  _____ _____ _____

- तुम्हारे घर में त्योहारों पर खाने की कौन–सी चीज़ें बनती हैं ?

  _____ _____ _____

  _____ _____ _____

- तुम अपने पड़ोसियों के साथ मिलकर जो त्योहार मनाते हो, उनके नाम लिखो।

  _____

- क्या तुम दिवाली पर अपने घर के साथ अपने कक्षा–कक्ष को भी सजाते हो?

  _____

दीवाली के दूसरे दिन भैया–दूज था। आशा की बुआजी, फूफाजी व उनके बच्चे भी आए थे। बुआजी ने ताऊजी व पिताजी को तिलक लगाया। आशा ने वैभव को तिलक लगाया और मिठाई खिलाई।

lkpk vkj fy[kk

- दिए गए रिश्तों के नाम लिखो :

fj'rk	fj'rs dk uke
पिताजी के पिताजी	दादाजी
पिताजी की माताजी	
पिताजी के बड़े भाई	
पिताजी के छोटे भाई	
पिताजी की बहन	
माँ के पिताजी	
माँ की माताजी	
माँ के भाई	
माँ की बहन	

शिवानी का परिवार–वृक्ष *आशा का परिवार–वृक्ष*

,d lk djk

- दिए गए वृक्ष में अपने परिवार के सदस्यों के नाम लिखो, उनके फ़ोटो चिपकाओ और वृक्ष में रंग भरो।

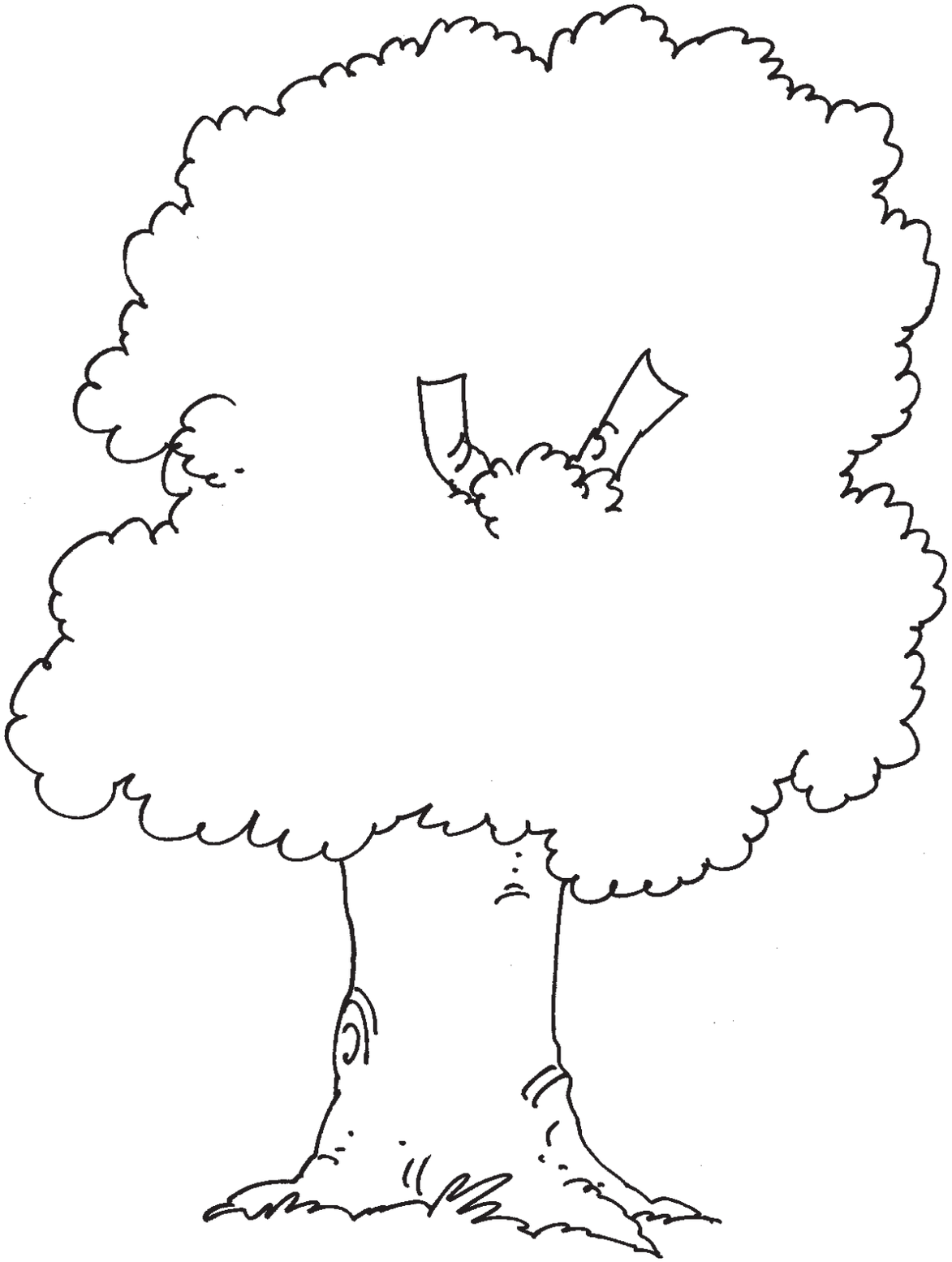

vkvk ;s Hkh djs

1. # ejk ist

मैं ऐसा दिखता/ऐसी दिखती हूँ।

फ़ोटो चिपकाओ।

मेरा नाम ____________________

मेरे पापा का नाम ____________________

मेरी मम्मी का नाम ____________________

मेरे भाई/बहन का नाम ____________________

मेरे प्रिय मित्र का नाम ____________________

मेरा जन्म–दिन ____________________

मेरे पापा का फ़ोन नम्बर ____________________

मेरा मनपसंद खाना ____________________

मेरा मनपसंद खेल ____________________

मेरी ख़ास आदत ____________________

मेरे घर का पता ____________________

____

2. अपने घर का चित्र बनाओ या उसका फ़ोटो चिपकाओ।

मेरा घर ऐसा दिखता है।

3. अपने घर के बड़ों से पता करो कि जब वे छोटे थे तो उनके घर में कौन–कौन व कितने सदस्य रहते थे ? वे क्या काम करते थे ? वे कौन–से त्योहार साथ मनाते थे ? उनके समय में किसी त्योहार पर गाया जाने वाला एक गीत याद करो व अपनी कक्षा में सुनाओ।

4. क्या तुम्हारे किसी पड़ोसी की तुम्हारे माता–पिता या आस–पास के लोगों ने मिलकर मदद की है ? अपने माता–पिता से पूछो कि कब व कैसे मदद की ?

2BLC6A

पाठ 2

[kyks] dwns] ekSt euk,¡

2BV87X

n[kks] lkpks vkSj fy[kks %

fn, x, [kyks dks igpkuks vkSj fp= d uhps [ky dk uke fy[kksA

__________ __________ __________ __________ __________

__________ __________ __________ __________ __________

- तुम्हें इनमें से कौन–सा खेल सबसे अधिक पसंद है ?

  ____

- उस खेल को घर के अंदर खेलते हैं या बाहर मैदान में ?

  ____

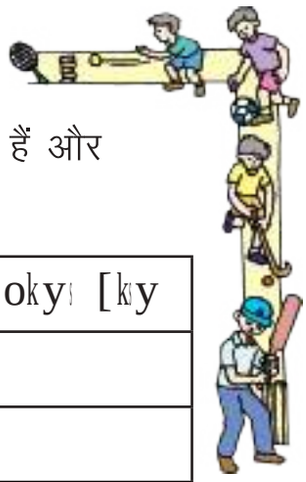

- इन खेलों में से कौन–से खेल प्रायः बाहर मैदान (आउटडोर) में खेले जाते हैं और कौन–से घर के अंदर (इन्डोर) ? तालिका में भरो–

emnku e [ky tku oky [ky	?kj d vnj [ky tku oky [ky

[ky&fnol dh jkud

आज शिवानी के विद्यालय में खेल–दिवस मनाया जाएगा। स्कूल में बहुत चहल–पहल है। स्कूल को कागज़ की रंग–बिरंगी झंडियों से सजाया गया है। मैदान में एक छोटा–सा पंडाल बनाया गया है। चूने और लाल मिट्टी से खेलों के लिए मैदान में कई स्थान बनाए गए हैं। खिलाड़ियों ने खेल के लिए पहने जाने वाले कपड़े पहने हुए हैं। स्कूल–बैंड की धुन के साथ मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने तिरंगा झंडा फहराया। सभी ने राष्ट्र–गान गाया। इसके बाद खेल शुरू हुए।

vc crkvk

- क्या तुम्हारे स्कूल में भी कभी खेल–दिवस मनाया गया है ? कब ?
- तुम्हें कौन–सा खेल सबसे अच्छा लगा था ?
- तुमने किस–किस खेल में भाग लिया था ?

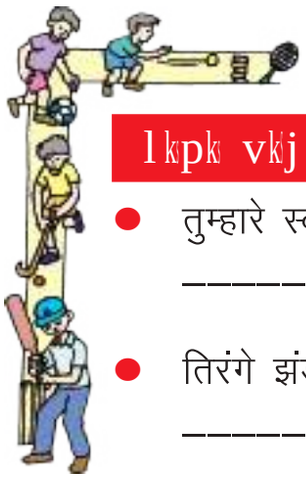

lkpk vkj fy[kk

- तुम्हारे स्कूल में और किन अवसरों पर तिरंगा झंडा फहराया जाता है ?

_____

- तिरंगे झंडे में कितने रंग होते हैं ? कॉपी में उसका चित्र बनाओ और रंग भरो।

_____

[ky [ky

एक जगह रस्साकशी का खेल हो रहा था। दोनों टीमें रस्सी को अपनी–अपनी तरफ़ खींचने में पूरा ज़ोर लगा रही थीं। दूसरी जगह कबड्डी का खेल चल रहा था। एक टीम के एक खिलाड़ी ने कबड्डी–कबड्डी बोलते हुए दूसरी टीम के एक खिलाड़ी को छुआ। छूकर वापस अपनी टीम की तरफ़ आने लगा तो। जिस खिलाड़ी को छुआ गया था, वह बोला–मुझे छूते समय तुम कबड्डी–कबड्डी बोलते हुए रुक गए थे। इसलिए मैं आउट नहीं हूँ।

ओह! यह क्या! कबड्डी के मैदान में शोर मच गया। दोनों टीमों में बहस होने लगी। मुख्याध्यापिका ने तुरंत वहाँ पहुँच कर बच्चों को समझाया कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेल में हार–जीत से अधिक महत्त्वपूर्ण खेल में भाग लेना होता है। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने आपस में हाथ मिलाए और खेल फिर से शुरू हो गया।

lkpk vkj fy[kk

- खेल खेलते समय क्या कभी तुम्हारा किसी से झगड़ा हुआ है ? यदि हाँ, तो तुमने उसे किस प्रकार सुलझाया ?

_____

_____

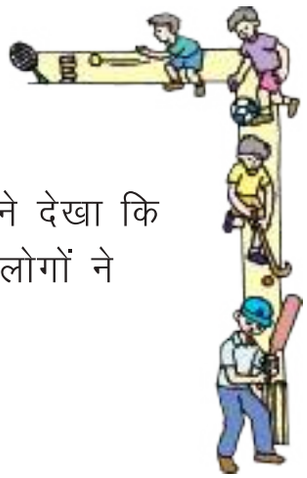

मैदान में दौड़ के मुकाबले चल रहे थे।

'100 मीटर' की दौड़ में शिवानी जावेदा के साथ दौड़ रही थी। अचानक उसने देखा कि जावेदा गिर गई। शिवानी ने रुक कर जावेदा को उठाया। यह देखकर सभी लोगों ने तालियाँ बजाईं।

lkspk vkj fy[kk

- अगर शिवानी की जगह तुम होते, तो क्या करते ?

  _____

  _____

- खेलते समय यदि तुम्हारे किसी साथी को चोट लग जाती है, तो तुम उसकी कैसे सहायता करते हो ?

  _____

  _____

ckr ek&cVh dh

शिवानी स्कूल से घर आई। उसे देखकर माँ ने पूछा–शिवानी, क्या बात है, आज बहुत खुश लग रही हो ?

f'kokuh – हाँ, माँ! आज हमारे स्कूल में बहुत–से खेल खेले गए। मैंने भी दौड़ में भाग लिया था। मुझे बहुत मज़ा आया।

ek – अच्छा! कौन–से खेल खेले गए ?

f'kokuh – कबड्डी, बैडमिंटन, ऊँची कूद, लंबी दौड़ आदि।

ek – इनमें हमारे समय में खेले जाने वाला तो कोई खेल है ही नहीं ?

f'kokuh – माँ, तो क्या आपके समय के खेल कुछ अलग थे ?

ek – हाँ, हम पिट्ठू, रस्सी टापना, स्टापू, आँखमिचौली, रुमाल झपट्टा कंचे, गिट्टे, एक टाँग पर दौड़ना, गिल्ली डंडा खेला करते थे। गुड्डे–गुड़ियों का खेल खेलने में तो घंटों बीत जाते थे।

f'kokuh – अच्छा! क्या आपके समय में टी.वी. नहीं होता था ?

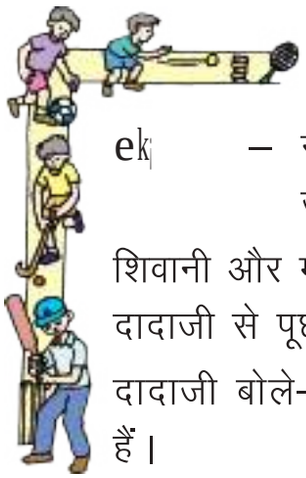

ek – नहीं, तब टी.वी. नहीं होता था, इसलिए बच्चों को खेलने का बहुत समय मिल जाता था।

शिवानी और माँ की बातचीत हो रही थी। तभी शिवानी के दादाजी आ गए। शिवानी ने दादाजी से पूछा–आपके समय में कौन–से खेल खेले जाते थे ?

दादाजी बोले–हम कुश्ती, कबड्डी और शतरंज खेलते थे। ये खेल आज तक भी खेले जाते हैं।

n[kk] NkVk vkj fy[kk

- चित्र में दिखाए गए खेलों को तालिका के अनुसार छाँट कर लिखो –

vkt dy d[ky	ijku le; l py vk jg [ky

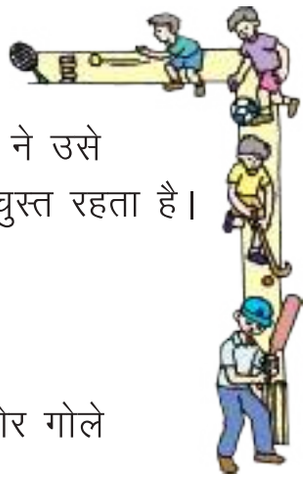

शिवानी कल से खूब खेल रही थी। जब वह रात को टी.वी. देखने लगी, तो माँ ने उसे समझाया, खेलना सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। इससे शरीर स्वस्थ और चुस्त रहता है। लेकिन खेल के साथ–साथ और काम करने भी ज़रूरी हैं।

vkvk ;s Hkh djsa

1. इस वर्ग पहेली में कुछ खेलों के नाम छिपे हैं। उन्हें ढूँढ़ कर उनके चारों ओर गोले बनाओ।

लू	डो	क्रि	खो	खो	श	साँ	टे
ब	क	के	हॉ	ल	त	प	ब
कै	फ	ट	की	ट	रं	सी	ल
र	फु	ट	बॉ	ल	ज	ढ़ी	टे
म	ज	क	ब	ड्	डी	ह	नि
कु	श	ती	न	स्टा	पू	श	स
बै	ड	मिं	ट	न	पि	ट्	ठू
गि	ल्ली	डं	डा	मु	क्के	बा	ज़ी

vkvk ij[k&D;k lh[kk

1. मिलान करो :

1. कैरम	पुराने समय से चले आ रहे खेल
2. फुटबाल	आधुनिक खेल
3. कुश्ती	इन्डोर खेल
4. वीडियो गेम	आउटडोर खेल

vè;kid d fy, lq>ko : बच्चों को उनके मनपसंद खेल मैदान में ले जाकर कराएँ और उन खेलों के बारे में कुछ पंक्तियाँ लिखने को कहें।

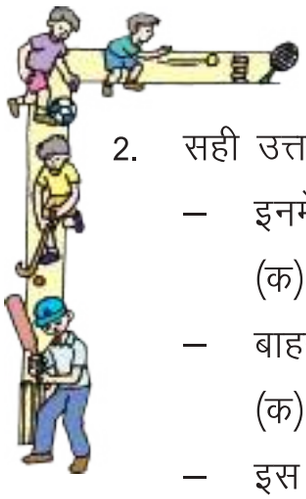

2. सही उत्तर पर (√) का निशान लगाओ।

– इनमें से कौन–सा खेल घर के अंदर खेला जाता है ?

(क) फुटबॉल (ख) हॉकी (ग) शतरंज (घ) कबड्डी

– बाहर मैदान में खेला जाने वाला खेल है।

(क) कैरम (ख) लूडो (ग) वीडियो गेम (घ) क्रिकेट

– इस खेल में बॉल का इस्तेमाल किया जाता है ?

(क) खो–खो (ख) कबड्डी (ग) रस्साकशी (घ) फुटबाल

– पुराने समय में खेला जाने वाला खेल है।

(क) गिल्ली–डंडा (ख) टेबल–टेनिस (ग) बैडमिंटन (घ) लॉन–टेनिस

3. ऐसे तीन खेलों के नाम लिखो, जो बॉल से खेले जाते हैं।

_____ _____ _____

4. दिए गए स्थान पर निर्देशानुसार चित्र बनाओ और उनमें रंग भरो–

फुटबॉल	क्रिकेट का बैट और बॉल

2C549K

पाठ 3

feydj djsa dke

2CDZB8

rqdcUnh dk [ksy

आज कक्षा में हमारी अध्यापिका ने बड़ा मज़ेदार खेल खिलाया। उन्होंने हमें 'काम' शब्द का इस्तेमाल करते हुए तुकबंदी करने के लिए कहा।

सबसे पहले अध्यापिका ने तुकबंदी करके सुनाई–

जैसा करोगे काम,
वैसा मिलेगा परिणाम।

वाह! वाह! कक्षा के सब बच्चों ने तालियाँ बजाईं। फिर तो एक के बाद एक सभी बच्चे तुकबदियाँ करके सुनाने लगे। संदीप ने सुनाया–

देखो कैसे–कैसे काम,
काम से ही होता नाम।

रजत बोला–

घर में काम, बाहर काम,
कामगारों को सलाम।

संध्या ने कहा –

काम करो, भई काम करो,
जग में अपना नाम करो।

,slk djks

- तुम भी 'काम' शब्द पर तुकबंदी करो और लिखो।

  ____

  ____

r|;kjh Ldy tku dh

अध्यापिका ने कहा– अब तुकबंदी करना बंद करते हैं। अच्छा बताओ, तुम में से कौन–कौन स्कूल आने के लिए अपने आप तैयार हो जाता है और किस–किस को मम्मी–पापा तैयार करते हैं ? नेहा बोली–मैं अपने आप तैयार होती हूँ। बस्ता तैयार करना, कपड़े पहनना, जूते पहनना, सब खुद ही करती हूँ। आरती ने कहा– मैं भी तैयार तो अपने आप होती हूँ लेकिन मेरे बालों की चोटी मेरी माँ बनाती हैं।

lkpk vkj fy[kk

- अपने कौन–से काम तुम खुद करते हो और कौन–से किसी और की मदद से करते हो ?

o dke tk re [kn djr gkA	o dke tk fdlh vkj dh enn l djr gkA

- नीचे कुछ काम लिखे हैं। तुम ये काम जिस समय करते हो, उसे घड़ी में दिखाओ।

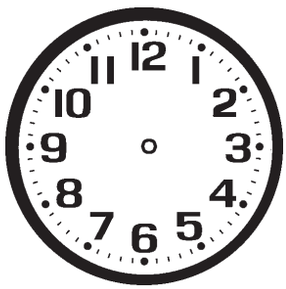

सुबह उठने का समय

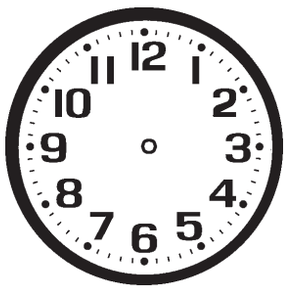

घर से स्कूल जाने का समय

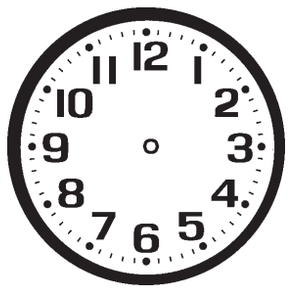

स्कूल से घर आने का समय

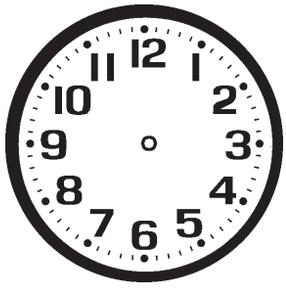

घर में पढ़ाई करने का समय

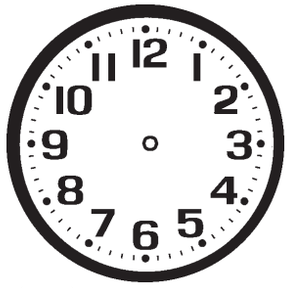

खेलने जाने का समय

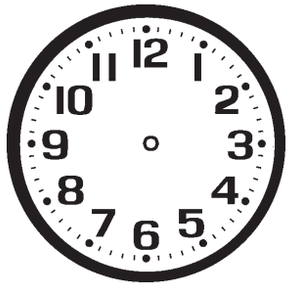

रात को सोने का समय

vè;kid d fy, ldr : बच्चों को घर के कामों में मदद करने के लिए प्रोत्साहित करें।

n[kk vkj fy[kk

- नीचे दो चित्र दिए गए हैं। इनकी तुलना करो और इनमें तुम्हें जो अंतर दिखाई देते हैं, उन्हें नीचे दिए गए स्थान पर लिखो–

fp= 1

fp= 2

fp= 1	fp= 2
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

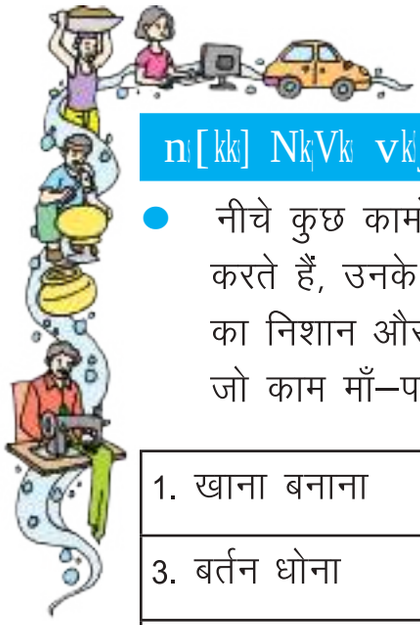

n[kk] NkVk vkj fu'kku yxkvk

- नीचे कुछ कामों की सूची दी गई है। इनमें से जो काम तुम और तुम्हारे भाई–बहन करते हैं, उनके सामने (○) का निशान, केवल तुम्हारी माँ करती हैं, उनके सामने (△) का निशान और जो काम केवल पापा करते हैं, उनके सामने (□) का निशान बनाओ। जो काम माँ–पापा दोनों करते हैं, उनके आगे (☆) बनाओ

1. खाना बनाना	2. बिजली का बल्ब लगाना
3. बर्तन धोना	4. स्कूल जाना
5. दफ़्तर जाना	6. कपड़े धोना
7. पास की दुकान से सामान लाना	8. चाय बनाना
9. बैंक में रुपयों का लेन–देन	10. दूध गर्म करना
11. कपड़े प्रेस करना	12. पौधों को पानी देना

lkpk vkj fy[kk

- क्या तुम भी अपने परिवार के सदस्यों की घर के कामों में सहायता करते हो? दी गई तालिका में लिखो–

माता	सूखे हुए कपड़े उतारना
पिता	
दादा	
दादी	
भाई	
बहन	
अन्य	

dke rjg&rjg d

कक्षा में अध्यापिका ने एक रंगीन चार्ट दिखाया। उस पर अलग–अलग काम करने वालों के चित्र बने थे।

vè;kid d fy, l¨dr : बच्चों को चित्र में दर्शाए गए व्यवसायों के विषय में बताएँ। यह भी बताएँ कि इन कामों को करने वालों को क्या कहा जाता है।

n[kk vkj fy[kk

- चित्र में कौन–से कार्य किए जा रहे हैं, तालिका में लिखो–

फल बेचने का कार्य			

ppk djk

- यदि ये सब काम करने वाले नहीं होते, तो हमें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता ?

feykku djk

1.   सिलवाने के लिए — कुम्हार

2.   ठीक करवाने के लिए — दुकानदार

3.   लाने के लिए — मोची

4.   खरीदने के लिए — दर्ज़ी

5.   मुरम्मत के लिए — मैकेनिक

vè;kid d fy, ladr : फ्लैश कार्ड या पर्चियों के प्रयोग से विभिन्न व्यवसायों के चित्र दिखाएँ व उनसे संबंधित कार्यों पर बच्चों से चर्चा करें।

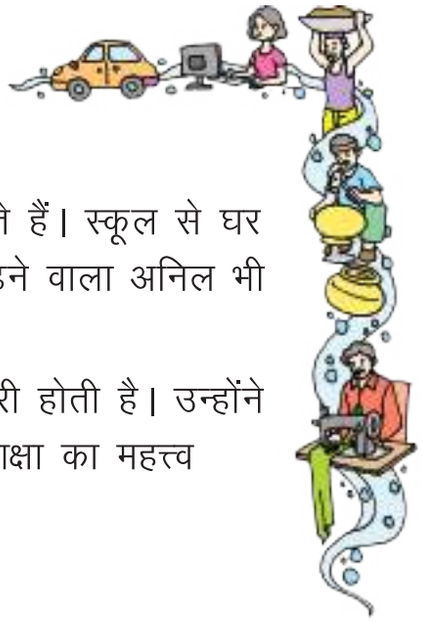

i<kb d lkFk dke

मैं कक्षा तीन में पढ़ती हूँ। मेरे मम्मी–पापा कपड़े प्रेस करने का काम करते हैं। स्कूल से घर आने के बाद मैं प्रेस किए कपड़ों को घरों में पहुँचाती हूँ। मेरी कक्षा में पढ़ने वाला अनिल भी चाय की दुकान पर अपने पापा की मदद करता है।

अध्यापिका ने बताया कि काम करने के साथ–साथ पढ़ाई भी ज़रूरी होती है। उन्होंने कहा कि हम कल एक रैली निकालेंगे। जो बच्चे पढ़ने नहीं जाते, उन्हें शिक्षा का महत्त्व बताएँगे।

हमने रैली के लिए नारे भी बनाए।

मत छीनो बचपन बच्चों का,
साथ उन्हें दे दो बस्तों का।

पढ़ना–लिखना बहुत ज़रूरी,
शिक्षा बिना दुनिया अधूरी।

lkpk vkj fy[kk

- शिक्षा का महत्त्व बताते हुए नारे (स्लोगन) बनाओ और दी गई पट्टिकाओं पर लिखो।

vè;kid d fy, lqdr : बच्चों से शिक्षा का महत्त्व दर्शाने वाले स्लोगन (नारा) पेट्टिकाएँ या चार्ट बनवाएँ।

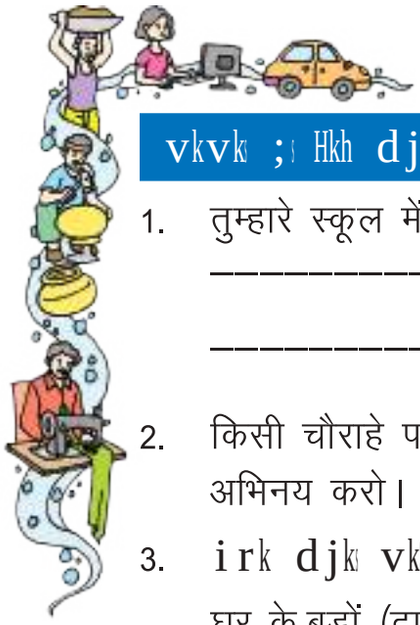

vkvk ;s Hkh djs

1. तुम्हारे स्कूल में पढ़ाई के साथ–साथ और कौन–से काम होते हैं ? लिखो।

   _____

   _____

2. किसी चौराहे पर या हाट–बाज़ार में लोग क्या कर रहे होते हैं ? सोचो और उनकी तरह अभिनय करो।

3. irk djks vkj fy[kks %

   घर के बड़ों (दादा–दादी, नाना–नानी) से पता करो कि जब वे बच्चे थे, तब वे कौन–से काम करते थे ?

   _____ _____ _____

   _____ _____ _____

4. थैले में कुछ कामों की सूची दी गई है, उन्हें छाँटो और तालिका में लिखो–

घर के कार्य	घर से बाहर के कार्य
_____	_____
_____	_____
_____	_____
_____	_____

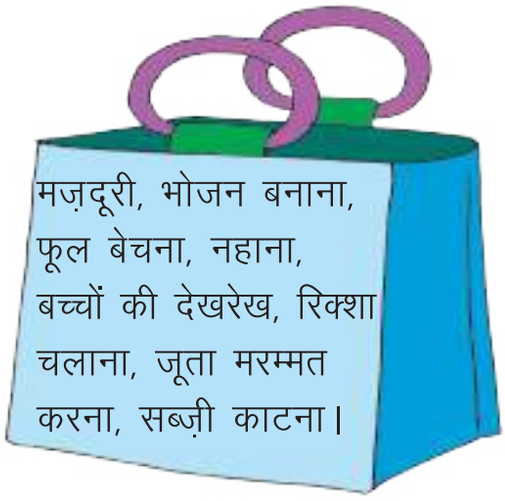

2CHVCV

पाठ 4

pyks lkFk&lkFk

xkao ls vk, nknk&nknh

आज गौरव के दादा–दादी गाँव से आने वाले हैं। स्कूल से घर वापस आते समय वह अपने मित्र नीरज को बता रहा था–दादा–दादी मुझे बहुत प्यार करते हैं। कहानी सुनते–सुनते मैं दादाजी के पास ही सो जाता हूँ। मैं बहुत–से कामों में उनकी मदद करता हूँ। मेरी दादीजी बहुत अच्छी दरी बनाती हैं। लेकिन अब उनकी नज़र कमज़ोर हो गई है। उनकी आँखों की जाँच भी करवानी है। दादाजी के घुटनों में दर्द रहता है। वे बेंत लेकर चलते हैं।

lkpks vkSj fy[kks

- क्या तुम्हारे घर में तुम्हारे दादा–दादी या नाना–नानी साथ रहते हैं ? यदि नहीं, तो वे कहाँ रहते हैं ?

  ____

- तुम किन कामों में उनकी मदद करते हो ?

  ____

- क्या तुम्हारे परिवार में कोई चश्मा लगाता है ? यदि हाँ, तो कौन–कौन ? उनमें से किसी एक का चित्र बनाओ। देखो, चश्मा दिखाना मत भूलना।

- क्या तुम्हारे घर या आस–पड़ोस में भी कोई बेंत लेकर चलता है ? पता लगाओ। बेंत का चित्र बनाओ।

बातचीत के दौरान नीरज ने बताया कि उसके नानाजी को अब कम सुनाई देता है। कल मम्मी उन्हें डॉक्टर के पास ले गई थीं। डॉक्टर ने उनके कानों की जाँच की और कानों में मशीन लगाने की सलाह दी।

अब नानाजी नीरज के साथ रोज़ पार्क में सैर करने जाते हैं।

lkpk vkj fy[kk

- क्या तुम्हारे परिवार के किसी सदस्य को कम सुनाई देता है ?
  यदि हाँ, तो तुम उसे अपनी बात कैसे समझाते हो ?
  ____
  ____

nknh ls ckrphr

जब गौरव घर पहुँचा, तो उसके दादा–दादी आ चुके थे। गौरव ने उनके पैर छुए और उनसे लिपट गया। दादा–दादी ने भी उसे प्यार से गले लगाया।

दादीजी ने गौरव को बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाली अनीता, जिसे बचपन में पोलियो हो गया था, अब व्हील चेयर से स्कूल जाती है। उसने अपने स्कूल में दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया था। उसे पुरस्कार भी मिला था। दादी ने यह भी बताया कि अनीता को पढ़ना अच्छा लगता है।

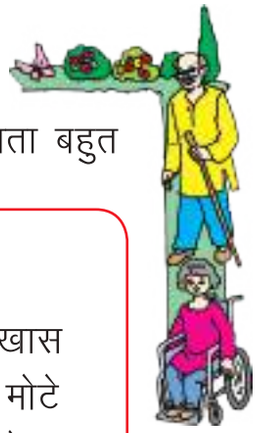

गौरव ने कहा–हाँ, दादीजी। मेरी कक्षा में पढ़ने वाला पवन देख नहीं सकता। वह गाता बहुत अच्छा है, नाटक व दौड़ में भाग लेता है। वह हमारे साथ हँसी–मज़ाक भी खूब करता है। बाहर जाते समय वह एक सफ़ेद छड़ी लेकर जाता है। उसने बताया कि उसके जैसे कई बच्चे कैसेट व कंप्यूटर पर सुनकर तथा ब्रेल लिपि से पढ़ते हैं।

vkvk cy d ckj e tku

वे लोग जो देख नहीं सकते, उनके पढ़ने का एक खास तरीका होता है, जिसे ब्रेल कहते हैं। ब्रेल लिपि में मोटे कागज़ पर उभरे हुए बिंदु बने होते हैं। उभरे होने के कारण इन्हें छूकर पढ़ा जा सकता है। यह लिपि छः बिन्दुओं पर आधारित होती है। ब्रेल एक मोटे कागज़ पर एक नुकीले औज़ार से बिन्दु बनाकर लिखी जाती है। ब्रेल शीट पर हाथ फेर कर पढ़ा जाता है।

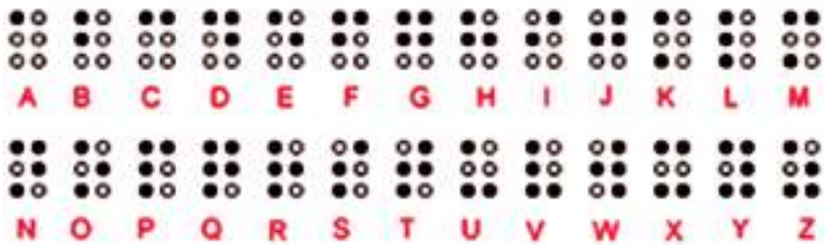

feydj djk

- छूकर पहचानो और बताओ–
  - प्रत्येक बच्चा अपने घर से कोई एक फल या सब्ज़ी लाए।
  - बच्चे बारी–बारी से आँखों पर पट्टी बाँधकर फल या सब्ज़ी को छूकर या सूँघकर पहचानें। उनके नाम भी बताएँ।
  - सही नाम बताने पर अन्य बच्चे तालियाँ बजाएँ।
  - बच्चे उस फल या सब्ज़ी के बारे में कोई अन्य जानकारी भी दें।

vkvk ;s Hkh dj

1. मोटे कागज़ का एक टुकड़ा लो। बड़ों की सहायता से उस पर कील की नोक से कोई खास आकार बनाते हुए थोड़ी–थोड़ी दूरी पर छेद करो। तुम देखोगे कि कागज़ के दूसरी तरफ़ कुछ उभार हो गए हैं। अपने दोस्त से कहो कि वह आँखें बंद करे और कागज़ पर हाथ फेर कर, अंदाज़ा लगा कर बताए कि तुमने क्या बनाया है। है न मुश्किल, यह बताना ? सोचो, कुछ लोग बिना देखे कैसे पढ़ लेते हैं।

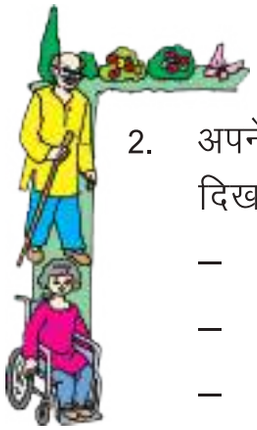

2. अपने घर के आस–पास रहने वाले उन लोगों से, जो देख नहीं सकते या जिन्हें कम दिखता है, मिलो। दिए गए बिंदुओं पर उनसे बातचीत करो –
   - जब तुम अपने घर से कहीं बाहर जाते हो, तो तुम्हें क्या परेशानियाँ आती हैं ?
   - तुम उन्हें कैसे दूर करते हो ?
   - पैरों की आहट सुनकर तुम कैसे जान लेते हो कि कौन व्यक्ति कमरे के अंदर आया है ?
   - क्या तुम टी.वी. पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों को सुनकर समझ लेते हो ? कैसे ?
   - क्या तुम केवल सुनकर अपनी पढ़ाई कर लेते हो ?
   - तुम किस–किस तरीके से सुनकर पढ़ाई करते हो ?

vkvk ij[k&D;k lh[kk

1. तुम्हारे घर में कौन–कौन व मितने सदस्य हैं?

   _____

2. वे सब एक दूसरे की किस काम में कैसे मदद करते हैं?

   _____

3. तुमने अपने घर के किस सदस्य से कया सीखा?

   _____

4. तुम्हारी कक्षा में क्या किसी बच्चे को कोई शारीरिक समस्या है?

   _____

5. तुम उसकी कैसे मदद करते हो?

   _____

2D6MG6

f'k{kd d fy,

idj.k % Hkkstu

;g idj.k D;ks \

इस प्रकरण में भोजन में पाई जाने वाली विविधताओं और इन विविधताओं की सराहना करने की भावना के विकास पर बल है। प्रकरण द्वारा बच्चों को उनके परिवारों और आस–पास के परिवारों में भोजन बनाने के विभिन्न तरीकों, भिन्न–भिन्न बर्तनों के प्रयोग आदि से अवगत कराना है। बच्चों में यह समझ भी पैदा करना है कि वे भोजन को व्यर्थ होने से बचाएँ। साफ़–सफ़ाई का ध्यान रखें और पौष्टिक भोजन लें।

bl idj.k esa gS D;k \

इस प्रकरण में दो पाठ हैं। पहले पाठ में भोजन की आवश्यकता और घर में भिन्न–भिन्न अवसरों पर खाए जाने वाले भोजन की विविधता पर चर्चा है। भोजन पकाने के भिन्न–भिन्न तरीके भी बताए गए हैं। दूसरा पाठ खाना पकाने व खाने के तरह–तरह के बर्तन, चूल्हे, ईंधन तथा आयु अनुसार भोजन की आवश्यकता से संबंधित है।

bl idj.k d ikBk dk d l djk, \

- बच्चों को ऐसे अवसर प्रदान करें कि वे पेड़–पौधों व जीव–जंतुओं से प्राप्त होने वाले भोजन में अंतर कर सकें।
- बच्चों को ईंधन की बचत करने के लिए प्रोत्साहित करें।
- भोजन की व्यवस्था करने में सबके सहयोग की आवश्यकता पर बच्चों से चर्चा करें। भोजन संबंधी अच्छी आदतों जैसे– हमेशा हाथ धोकर खाना, चबाकर खाना, थाली में न छोड़ना आदि पर बातचीत एवं क्रियाकलाप दिए हैं। सुनिश्चित करें कि बच्चे इन आदतों को व्यवहार में लाएँ।
- भोजन में विविधता की चर्चा करते समय विशेष ध्यान रखा जाए कि सामाजिक, आर्थिक परिस्थितिजन्य अभाव पर बच्चों में हीनता या श्रेष्ठता के भाव न आने पाएँ।
- पाठों को कराते समय बच्चों को अवलोकन करने, स्वयं करके सीखने के अवसर दें ताकि रटने की प्रवृति को बढ़ावा न मिले।
- इकट्ठे बैठकर भोजन करने से मिलने वाले आनंद की चर्चा करें।
- विशेष अवसरों–त्योहारों पर बनने वाले भोजन की विविधता पर चर्चा करें।
- खाना पकाने के विभिन्न प्रकार के बर्तनों, चूल्हों के चित्र दिखाएँ। यदि संभव हो, तो इन्हें वास्तविक रूप में भी दिखाएँ।
- बच्चों को स्वयं काम करने व समूह में काम करने के अवसर दें। जैसे–शिकंजी बनाना, फलों की चाट तैयार करना।
- पुराने समय व आजकल की फ़सलों, सिंचाई के साधनों में आए परिवर्तनों की समझ के लिए बड़े–बुजुर्गों से पता की गई जानकारी पर चर्चा कराएँ।

पाठ 5

[kk,¡] ekt euk,¡

2DFIHT

Ldy e‡ *Qu M*

आज कक्षा में बड़ी चहल–पहल है। सभी बच्चे खुश हैं। वे सब मिलकर 'फ़न डे' मना रहे हैं। कल ही सबने तय कर लिया था कि वे अपने घर से मनपसंद खाना लाएँगे। वे अध्यापिका के साथ मिलकर खाना खाएँगे। देखो, खाना खाने के लिए सब इकट्ठे बैठ गए हैं।

vè;kid d fy, l¡dr : सुबह नाश्ता करने की आवश्यकता पर बच्चों से चर्चा करें।

खाना खाते समय अध्यापिका ने बच्चों से पूछा – बच्चो, हम खाना क्यों खाते हैं ?

ugk – भोजन नहीं करेंगे, तो भूख के मारे हमारे पेट में चूहे कूदेंगे।

vè;kfidk – क्या सचमुच हमारे पेट में चूहे होते है जो भूख लगने पर कूदते हैं ?

सारे बच्चे हँसने लगे।

ugk & अरे नहीं! मेरा मतलब है, भोजन से हमारी भूख मिटती है।

vè;kfidk – बिलकुल ठीक। भोजन से न केवल हम अपनी भूख मिटाते हैं, बल्कि यह हमें काम करने और खेलने के लिए ताकत भी देता है। इससे हमारा शरीर स्वस्थ व मज़बूत बनता है। हमें सुबह नाश्ता ज़रूर करना चाहिए। इससे शरीर में दोपहर के भोजन के समय तक ताकत रहती है। हम ठीक से पढ़ पाते हैं और खेल पाते हैं।

lkpk vkj fy[kk

- तुमने आज सुबह नाश्ते में क्या खाया ?

  _____ _____

  _____ _____

- दोपहर के खाने में तुम क्या खाते हो ?

  _____ _____

- तुम रात के खाने में क्या खाते हो ?

  _____ _____

- क्या तुम्हें स्कूल में खाना मिलता है? वह तुम्हें कैसा लगता है?

  _____ _____

Hkkstu txg&txg dk

अलग–अलग स्थानों पर अलग–अलग तरह का भोजन खाया जाता है। जैसे – बंगाल के लोग चावल और मछली पसंद करते हैं। दक्षिण भारत में डोसा, इडली और सांभर शौक से खाया जाता है। गुजरात में ढोकला, फाफड़ा और थेपले खाते हैं। वड़ा–पाव महाराष्ट्र के लोगों का मनभाता भोजन है।

vè;kid d fy, ldr : बच्चों को बताएँ कि खाना खाने की चीज़ों को भी कहते हैं और खाने की क्रिया को भी।

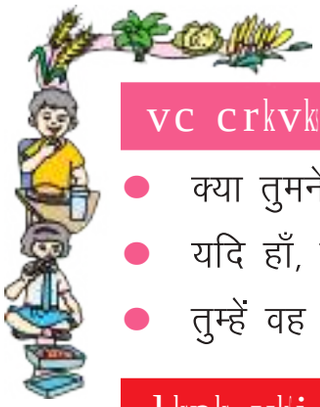

vc crkvk

- क्या तुमने कभी इनमें से कोई चीज़ खाई है ?
- यदि हाँ, तो कहाँ पर ?
- तुम्हें वह खाना कैसा लगा ?

lkpk vkj fy[kk

- अपनी पसंद के खाने की सूची बनाओ–

i l n dk [kkuk	
1. ———————————	2. ———————————
3. ———————————	4. ———————————
5. ———————————	6. ———————————

- खाने की कुछ ऐसी चीज़ों के नाम लिखो, जो तुमने कभी नहीं खाईं, लेकिन खाने का मन करता है।

————————— ————————— —————————

[kr ls Fkkyh rd

खीर तो सभी को बहुत पसन्द है। पर जानते हो खीर कैसे बनती है ? खीर बनती है दूध, चावल और चीनी से। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पतीले में दूध उबाला जाता है। फिर इसमें चावल धोकर डालते हैं। इसे धीमी आँच पर खूब पकाने के बाद उसमें चीनी मिला कर थोड़ी देर तक और पकाते हैं। बस, हो गई मज़ेदार खीर तैयार!

हमें चावल मिले पौधों से, दूध मिला गाय व भैंस से और चीनी मिली गन्ने से।

vè;kid d fy, lidr :

- बच्चों को फ़ास्ट–फ़ूड और ज़्यादा तला–भुना खाने से सेहत पर होने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराएँ।
- घर का बना शुद्ध व साफ़ खाना खाने के लिए प्रोत्साहित करें।

n[kk vkj fy[kk

- चित्र में देखो और लिखो हमें किस से क्या मिलता है? हम उससे क्या–क्या पका सकते हैं?

गेहूँ के दाने

रोटी पूड़ी हलवा

चावल के दाने

____

बाजरे के दाने

____

मटर के दाने

____

सब्ज़ियाँ

____

आम

____

vè;kid d fy, lidr : बच्चों से भोजन के स्रोतों के बारे में चर्चा करें।

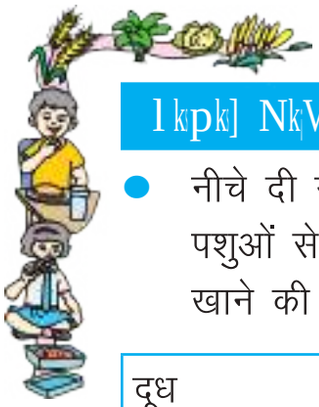

lkpk] NkVk vkj fy[kk

- नीचे दी गई सूची में पेड़–पौधों से मिलने वाली चीज़ों के चारों ओर हरे रंग से और पशुओं से मिलने वाली चीज़ों के चारों ओर लाल रंग से गोला बनाओ। खाली स्थानों पर खाने की कुछ और चीज़ों के नाम भी लिखो और उन पर भी गोला बनाओ।

दूध	शहद	सरसों का तेल	________________
गाजर	पालक	प्याज़	________________
चीनी	मांस–मछली	गुड़	________________
पनीर	भुट्टा	पपीता	________________
अण्डे	सेब	मूँगफली	________________
रोटी	दलिया	लस्सी	________________

lkpk vkj fy[kk

- पेड़–पौधों और जंतुओं से मिलने वाली चीज़ों को हम किस प्रकार खाते हैं? तालिका में लिखो।

o ph t ftUg idkdj [kkr gA	o ph t ftUg fcuk idk, [kkr gA	o ph t ftUg idkdj vkj fcuk idk, nkuk rjg l [kkr gA
1. गेहूँ	सेब	गाजर
2.		
3.		
4.		

vè;kid d fy, ldr : बच्चों को बाजार में पैकेट में बंद बिकने वाली खाने–पीने की वस्तुओं पर लगे शाकाहारी के लिए ● हरे व मांसाहारी के लिए ● लाल रंग के चिह्न की पहचान कराएँ।

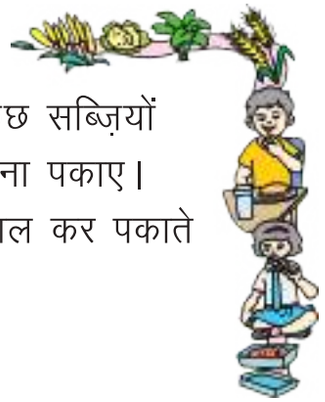

हम अनाज और दालों को पकाकर खाते हैं। फलों को बिना पकाए खाते हैं। कुछ सब्ज़ियों को पकाकर खाते हैं। कुछ को दोनों तरह से खाया जाता है– पकाकर और बिना पकाए। पकाने के भी अनेक तरीके होते हैं। जैसे– हम रोटी को सेंककर, चावल को उबाल कर पकाते हैं। पापड़ को भूनकर, पूड़ी को तलकर तथा इडली को भाप से पकाते हैं।

lkpk vkj fy[kk

- क्या पके, कैसे पके ?

idku dk rjhdk	phtk d uke		
उबालकर	चावल	सब्ज़ियों का सूप	अण्डे
भूनकर	————————	————————	————————
तलकर	————————	————————	————————
सेंककर	————————	————————	————————
भाप से	————————	————————	————————
किसी अन्य तरीके से	————————	————————	————————

vc crkvk

- तुम्हारे घर में खाने की चीज़ों को किस–किस तरीके से पकाया जाता है ?

  ———————— ———————— ————————

  ———————— ———————— ————————

- कुछ चीज़ें ऐसी भी होती हैं, जिन्हें हम बिना पकाए भी तैयार कर सकते हैं ? जैसे– शिकंजी और फ्रूट चाट, बिना पकाए बनते हैं। ऐसी अन्य तीन चीज़ों के नाम लिखो।

  1. ————————————
  2. ————————————
  3. ————————————

vkvk ;s Hkh djs

1- vadfjr puk dh pkV cukvkA

– एक कटोरे में अंकुरित चने डालो।

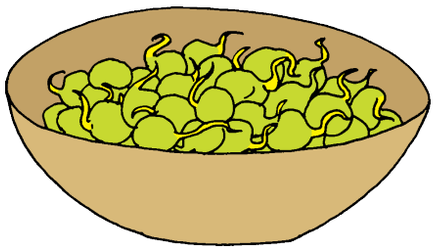

– उसमें बारीक कटी हुई प्याज़, बारीक कटा हुआ टमाटर और थोड़ी–सी हरी मिर्च डालो।

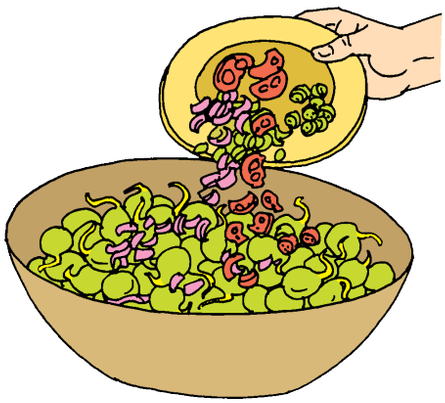

– अब उसमें थोड़ा नमक डालकर नींबू निचोड़ो।

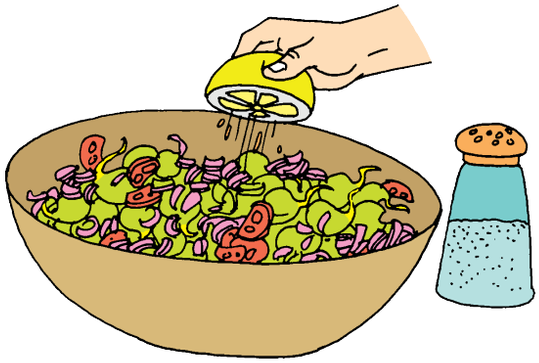

– हो गई चटपटी चाट तैयार। खूब चटखारे लेकर खाओ और सेहत बनाओ।

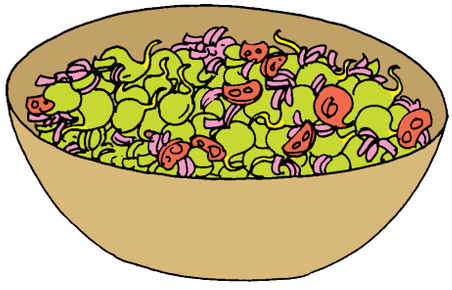

vè;kid d fy, l dr : बच्चों को चनों को अंकुरित करने का तरीका बताएँ। अंकुरित चने, प्याज़, टमाटर, नमक, नींबू आदि घर से लाने को कहें।

2- feyku djk&

vknr	ifj.kke
1. खाने से पहले हाथ न धोना।	हाथों और दाँतों की स्वच्छता के लिए आवश्यक है।
2. खाते समय टेलीविज़न नहीं देखना चाहिए। छोटे–छोटे कौर लेकर खूब चबाकर खाना चाहिए।	खाने में स्वाद लेकर शांत मन से खाना खाने से भोजन सुपाच्य होता है।
3. प्रसन्नचित्त और शांत होकर भोजन करना चाहिए। खाते समय फ़ोन पर या आपस में बातें नहीं करनी चाहिए।	भोजन की बर्बादी होती है।
4. जूठा भोजन नहीं छोड़ना चाहिए।	टेलीविज़न देखते हुए खाना खाने से हम भोजन के स्वाद की ओर ध्यान नहीं दे पाते।
5. खाने के बाद हाथ धोना और कुल्ला करना	गंदे हाथों से भोजन करने पर हाथों के कीटाणु पेट में जाते हैं और हमें बीमार कर देते हैं।

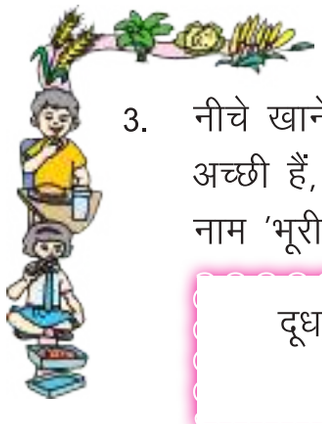

3. नीचे खाने–पीने की कुछ चीज़ों के नाम दिए गए हैं। इनमें से जो चीज़ें सेहत के लिए अच्छी हैं, उनके नाम 'हरी टोकरी' में तथा जो चीज़ें सेहत के लिए अच्छी नहीं हैं, उनके नाम 'भूरी टोकरी' में लिखो।

दूध, फल, नूडल्स, चने, कोल्डड्रिंक, हरी सब्ज़ियाँ, बासी खाना, बिना ढके कटे फल, ताजा जूस, दालें, चिप्स

2DPEJG

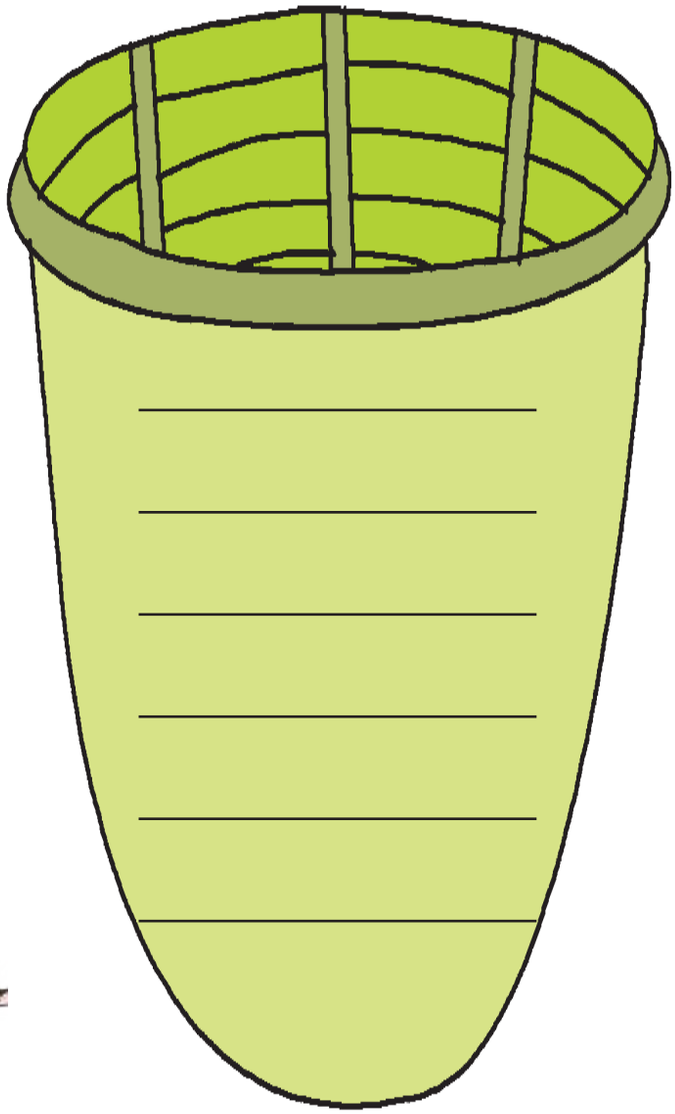

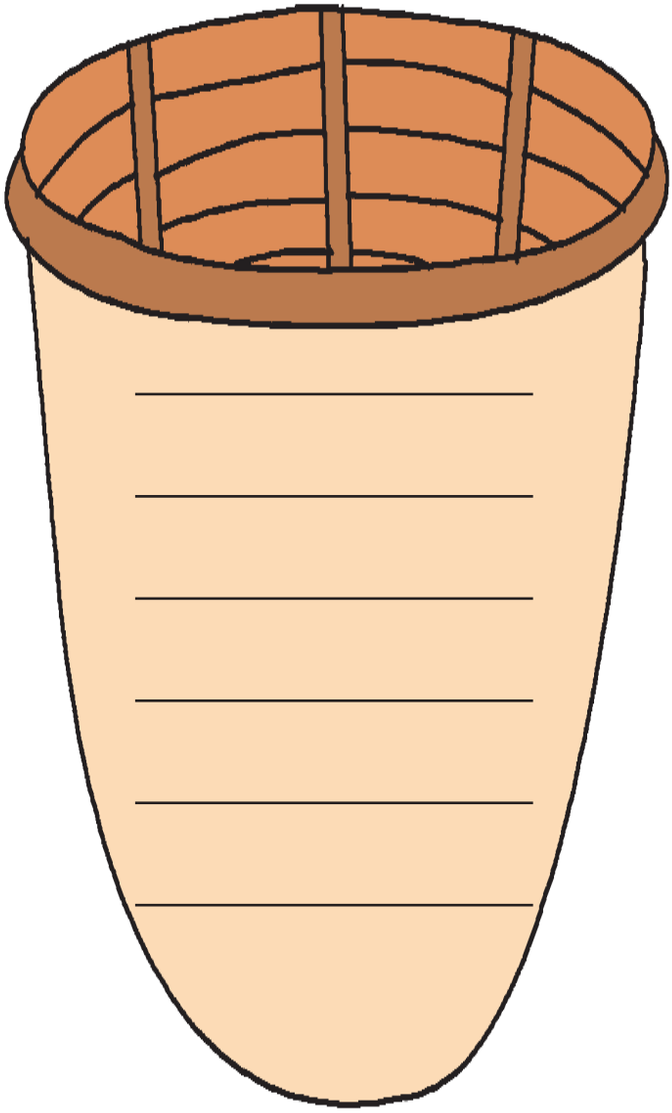

पाठ 6

fdl ij idk,¡] fdl esa [kk,¡\

2DYAL4

आरती की हथेली पर मेहँदी लगी है। उसका सुंदर डिज़ाइन देखकर शिवानी ने पूछा–आरती, यह इतनी सुंदर मेहँदी कब लगवाई ? और हाँ, तुम कल स्कूल क्यों नहीं आई ?

vkjrh – शिवानी, कल लगवाई थी। मैं अपने मामाजी के लड़के की शादी में गई थी।

f'kokuh – अच्छा! वहाँ तो तुमने बहुत मज़े किए होंगे ?

vkjrh – हाँ, बहुत मज़ा आया। वहाँ मेरी नानी, नाना, मौसी और सरोज दीदी आई हुई थीं। हम सबने बहुत–सी चीज़ें खाईं। मुझे आइसक्रीम बहुत अच्छी लगी।

f'kokuh – अच्छा! और क्या–क्या खाया ?

vkjrh – हाँ, बताती हूँ। लो, आधी छुट्टी हो गई। पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धो लेते हैं। फिर पेड़ के नीचे बैठकर खाना खाएँगे और बातें भी करेंगे।

f'kokuh – मैं तो कई बार मिट्टी या केवल पानी से ही हाथ धो लेती हूँ।

vkjrh – मेरी माँ ने बताया है कि हमें मिट्टी से हाथ नहीं धोने चाहिएँ।

f'kokuh – पर मिट्टी या केवल पानी से हाथ क्यों नहीं धोने चाहिएँ ?

vkjrh – मिट्टी या केवल पानी से हाथ धोने से जीवाणु खत्म नहीं होते। अब मै तुम्हें शादी के बारे में बताती हूँ।

f'kokuh – हाँ बताओ।

vkjrh – शादी का पंडाल बहुत सुंदर सजा था। पंडाल के पीछे की ओर कुछ लोग बड़े–बड़े बर्तनों में कई तरह का खाना बना रहे थे। एक तरफ़ गैस का बड़ा–सा

चूल्हा था। उस पर रखी बड़ी कड़ाही में एक अंकल कुछ तल रहे थे। तंदूर में रोटियाँ सेंकी जा रही थीं। दो औरतें अँगीठी पर भी रोटियाँ सेंक रही थीं। खाना परोसने और खाना खाने के बर्तन अलग–अलग थे। मेजों पर छोटे–बड़े और साफ़–सुथरे बर्तन रखे हुए थे।

vc crkvk

- आरती ने शादी में कई तरह के चूल्हों पर खाना बनते हुए देखा। तुमने अपने घर में या आस–पास किस–किस तरह के छोटे–बड़े चूल्हों का प्रयोग होते देखा है ?

feyku djk

pYgk	bèku
1.	
2.	
3.	
4.	
5.	

vè;kid d fy, ldr : ईंधन का अर्थ समझाकर, उसकी किस्मों के बारे में चर्चा करें। साथ ही ईंधन के रूप में प्रयोग किए जाने वाले ऊर्जा के अनवीकरणीय स्रोतों, जैसे लकड़ी, कोयला आदि की बचत पर भी चर्चा करें।

Hkkstu cukus dh r;kjh

vkjrh – शादी में खाना पकाने व परोसने का काम आदमियों को करते देखकर मैंने पिताजी से पूछा कि क्या आदमी भी खाना बना लेते हैं ? पिताजी ने बताया कि किसी काम को कोई भी कर सकता है। शादियों में और होटलों में ज़्यादातर पुरुष ही खाना बनाते और परोसते हैं। परन्तु अब महिलाएँ भी इन जगहों पर काम करने लगी हैं।

lkspk vkj fy[kk

- दिए गए काम तुम्हारे घर के कौन–कौन से सदस्य करते हैं ?

dke	dkSu&dkSu djrk gS \
गेहूँ पिसवाना	पिताजी, माँ, बड़ा भाई
फल–सब्ज़ियाँ लाना	
सब्ज़ियाँ धोना, काटना	
भोजन पकाना	
भोजन परोसना	
दूध उबालना	
बर्तन साफ़ करना	
रसोईघर की सफ़ाई	

ppk djk

- मीना के घर में उसकी माँ व पिताजी मिलकर खाना पकाते हैं। रीना के घर में उसकी माँ और बड़ी बहन खाना बनाती हैं। तुम्हारे विचार से घर में खाना पकाने का काम केवल महिलाएँ करें या पुरुष भी ?

lkpk] fp= cukvk vkj fy[kk

- तुम्हारे घर में खाना किन बर्तनों में पकाया जाता है ?

crlu dk fp=	crlu dk uke
	___________________
	___________________
	___________________

- तुम खाना खाते समय किस बर्तन का प्रयोग करते हो ? चित्र बनाकर नाम लिखो–

crlu dk fp=	crlu dk uke .
	___________________
	___________________
	___________________

ppk djk

- अपने मित्रों द्वारा बनाए गए बर्तनों के चित्रों को देखो और चर्चा करो, उनके बर्तन तुम्हारे बर्तनों से किस प्रकार भिन्न हैं।

irk djk vkj fy[kk

- कौन–सा बर्तन किस से बना होता है ?

cr|u	fdl ls cuk g\			
	Ykkgk	ihry	LVhy	ydMh
कड़ाही				
पतीला				
बेलन				
चकला				
तवा				
थाली				
कटोरी				
प्रेशर कुकर				
कड़छी				
पलटा				

f'kokuh – आरती, तुमने वहाँ क्या–क्या खाया ?

vkjrh – शादी का खाना मेजों पर लगा हुआ था। मैंने गोलगप्पे, चावल, दही–भल्ले, रसगुल्ले और गाजर का हलवा खाया। पिताजी ने मक्की की रोटी और साग खाया।

f'kokuh – इतना कुछ!

vkjrh – हाँ! लेकिन मेरी नानीजी ने तो सिर्फ़ एक चपाती और थोड़ी दाल ही खाई। मेरे भाई ने थोड़ी–थोड़ी कई चीज़ें खाईं। मैंने नानीजी से इतना कम खाने का कारण

पूछा तो उन्होंने कहा– बेटी, इस उम्र में हम न तो ज़्यादा चलते फिरते हैं, न ज़्यादा काम करते हैं। इसलिए हमें थोड़े खाने की ज़रूरत होती है। मेरी सरोज दीदी अपनी चार महीने की बेटी, हिना के साथ आई थी। दीदी बता रही थी हिना तो अभी केवल दूध ही पीती है। छः महीने की होने पर उसे दाल का पानी, पतला दलिया, खिचड़ी और फलों का रस दूँगी।

f'kokuh – अब चलते हैं। घंटी बज गई है।

vc fy[kks

- fdlus D;k [kk;k \

आरती ______________________________

पिताजी ______________________________

नानीजी ______________________________

हिना ______________________________

irk djks vkj fy[kks

- अपने आस–पास के बड़ों अथवा बुजुर्गों से पता करके लिखो –

	D;k&D;k [kk ikrs gSa \	D;k&D;k ugha [kk ikrs \
बच्चा		
जवान		
बुजुर्ग		

vkvks ;s Hkh djsa

1. vR;k{kjh dk [ksy

– इस खेल में बच्चे खाने की किसी चीज़ का नाम बोलें। जैसे–पहले बच्चे ने बोला 'अमरूद'।

vè;kid d fy, ladr : दूध के महत्त्व पर कक्षा में चर्चा करें।

– कोई दूसरा बच्चा पहले बच्चे द्वारा बोले गए शब्द के आखिरी अक्षर से शुरू करके खाने की अन्य चीज़ का नाम बोले जैसे– दही–भल्ला।
– अब तीसरा बच्चा बोले – लड्डू।
– अपनी बारी आने पर प्रत्येक बच्चा खाने की किसी एक चीज़ का नाम बोले। अध्यापिका उन चीज़ों के नाम बोर्ड पर लिखे। अंत में बोर्ड पर लिखे शब्दों में से छाँटकर बच्चे यह तालिका भरें –

iM&ikèkk l feyu okyh phtsa	tarvk l feyu okyh phtsa

2. घर में माँ की सहायता से खाने की कोई चीज़ बनाओ और दी गई तालिका में उसकी बनाने की विधि लिखो–

खाने की चीज़ का नाम : ________________________________	
बनाने के लिए आवश्यक सामग्री	________________________________
किसमें पकाया ?	________________________________
कैसे पकाया ? (विधि)	________________________________ ________________________________ ________________________________ ________________________________
किसमें खाया ?	________________________________

vè;kid dh, lqdr : अंत्याक्षरी में बच्चे के रुकने पर नया शब्द बोलकर खेल को आगे बढ़ाएँ।

2Q3N11

f’k{kd d fy,

i|dj.k % ifjo’k e| ikèk vk|j tr|

;g i|dj.k D;k| \

इस प्रकरण को तीसरी कक्षा में शामिल करने का उद्देश्य है कि बच्चे, पेड़–पौधों और जीव–जंतुओं के बारे में जानें, जो उनके जीवन से जुड़े होते हैं, जैसे–भोजन के रूप में, सजावट में। पेड़–पौधों के बिना उनका जीवन अधूरा है। पौधों और जंतुओं के अध्ययन द्वारा बच्चों में परिवेश के प्रति आत्मीयता, प्रेम और संवेदनशीलता की भावना का विकास होगा तथा वे परस्पर निर्भरता के महत्त्व को समझ सकेंगे। वे जीव–जंतुओं के संरक्षण की ज़रूरत की समझ बना सकेंगे। प्रकरण के द्वारा जीव–जगत के न रहने पर होने वाले दुष्परिणामों के प्रति भी उन्हें सजग करना है।

bl i|dj.k e| g| D;k \

इस प्रकरण में चार पाठ हैं। पहले पाठ में पेड़–पौधों के आकार, कठोरता, उगने के स्थान, पानी की उपलब्धता आदि के आधार पर उनकी विविधता दर्शाई गई है। दूसरे पाठ में फ़सलों की अवधारणा, पुराने समय और वर्तमान समय में बोई जाने वाली फ़सलों, सिंचाई के साधनों आदि की चर्चा है। तीसरे पाठ में भिन्न–भिन्न प्रकार की पत्तियों को उनके आकार, रंग, गंध के आधार पर पहचान करने के अवसर दिए गए हैं। यह भी बताया गया है कि पत्तियाँ किस–किस काम में प्रयुक्त होती हैं। चौथे पाठ में भोजन, रहने के स्थान तथा चाल के आधार पर जीव–जंतुओं की विविधता की जानकारी दी गई है।

bl i|dj.k d ikBk| dk| dl| djk,| \

- पाठों से संबंधित चर्चा के बिंदुओं पर बच्चों को अपने अनुभव सुनाने के मौके देकर खुलकर चर्चा कराएँ।
- शाकाहारी, मांसाहारी व सर्वाहारी जंतुओं के चित्र दिखाकर चर्चा करें और बच्चों को अपने परिवेश से उदाहरण देने को कहें।
- बच्चों को अवलोकन के ऐसे अवसर प्रदान करें कि वे शाक, झाड़ी, लता और पेड़ों को पहचानें एवं तुलना द्वारा वर्गीकरण कर सकें।
- पेड़–पौधों, पत्तियों और पक्षियों संबंधी गीत, कविताएँ बनाने व सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- कक्षा से बाहर की समूह में की जाने गतिविधियाँ अपनी देख–रेख में कराएँ, जैसे– पत्तियों से कंपोस्ट खाद तैयार करना।
- पाठ में कुछ प्रयोग बच्चों ने स्वयं करने हैं, उनको करने में बच्चों का मार्गदर्शन करें।
- ऐसे किस्से–कहानियाँ सुनाएँ, जिनको सुनकर बच्चे जीव–जंतुओं, पेड़–पौधों के प्रति संवेदनशील बनें।
- पुराने समय व आजकल की फ़सलों, सिंचाई के साधनों में आए परिवर्तनों की समझ के लिए बड़े–बुज़ुर्गों से पता की गई जानकारी पर चर्चा कराएँ।
- पाठों को कराने के लिए बच्चों को कक्षा से बाहर ले जाएँ तथा प्रत्यक्ष रूप से पेड़–पौधों व जीव–जंतुओं से संबद्धता दर्शाएँ।

पाठ 7

ikd esa fidfud

fidfud dh r|;kjh

vfnfr – शकीला, क्या तुम्हें याद है, कल हम पिकनिक के लिए पार्क में जाएँगे ?

'kdhyk – हाँ, याद है। यह बताओ कि तुम अपने साथ क्या–क्या लेकर जाओगी ?

vfnfr – मैं तो लंच बॉक्स, पानी की बोतल और गेंद ले जाऊँगी।

'kdhyk – बस! यही तीन चीज़ें ? कॉपी, पेन और रंग भी तो लेकर चलने हैं।

lkpks vkSj fy[kks

- क्या तुम भी कभी पिकनिक पर गए हो ? यदि हाँ, तो कहाँ–कहाँ ?

  ____

- क्या तुम्हें पिकनिक पर जाना अच्छा लगता है ? यदि हाँ, तो क्यों ?

  ____

- तुम अपने किन दोस्तों या परिवार के सदस्यों के साथ पिकनिक पर जाना चाहोगे ?

  __________ __________ __________ __________

- पिकनिक पर जाने से पहले तुम क्या तैयारियाँ करोगे ?

  ____

  ____

अगले दिन अदिति सुबह जल्दी उठ गई। वह तैयार होकर स्कूल पहुँच गई। उसने देखा कि उसके अन्य साथी भी स्कूल में आ चुके थे। अध्यापक ने सबको एक जगह बुलाया और बताया कि आज हम सब पार्क में चलेंगे।

बच्चों ने पार्क में पहुँचते ही कहा– अहा! कितना सुंदर पार्क है। उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। चारों ओर हरी–हरी घास थी और बहुत–से पेड़–पौधे थे।

vkvk [ky [ky

अदिति ने कहा – आओ सब मिलकर छुपमछुपाई का खेल खेलते हैं। देखो, पार्क में बहुत सारे पेड़–पौधे हैं। तुम अपनी–अपनी पसंद के पेड़ के पीछे छुप सकते हो। सबसे पहले रीना ने डेन दी।

रीना ने एक–दो–तीन बोला और खेल शुरू हुआ। श्याम पीपल के पीछे छुपा और मीना नीम के पीछे। अदिति गेंदे के पौधों के पीछे बैठ गई।

अध्यापक ने कहा – अरे राजू! तुम कहाँ पीछे रह गए, इधर आओ।

राजू को पोलियो था। इसलिए वह भाग नहीं सकता था। राजू के दिमाग में एक विचार आया और वह पास वाली झाड़ी के पीछे छुप गया।

n[kk vkj fy[kk

- दिए गए चित्र में तुम जिन पेड़–पौधों को पहचानते हो, उनके नाम लिखो।

_____

vè;kid d fy, l dr : डेन का अर्थ होता है–बारी देना। छुपमछुपाई में आई–स्पाई करने का अर्थ होता है–मैंने ढूँढ लिया।

रीना ने गौरव और रोहित को देखकर 'आई–स्पाई' कर दिया। परन्तु श्याम ने पीछे से आकर रीना को आउट कर दिया।

इस पर अध्यापक ने सबको बताया– श्याम मोटे तने वाले पीपल के पीछे छुपा था। इसलिए दिखाई नहीं दिया। जिन पौधों का तना मज़बूत, बड़ा व सख़्त होता है, उन्हें वृक्ष या पेड़ कहते हैं। जैसे– आम, पीपल, कीकर। जो पौधे आकार में छोटे होते हैं और जिनका तना हरा व कोमल होता है, उन्हें शाक कहते हैं। जैसे – टमाटर, बैंगन, मिर्च, गेंदा आदि के पौधे। जिन पौधों का तना पतला व मज़बूत होता है और जड़ के समीप से शाखाएँ निकलती हैं, उन्हें झाड़ी कहते हैं। जैसे– गुलाब, कनेर आदि।

वृक्ष (बरगद)

शाक (टमाटर)

झाड़ी (गुलाब)

n[kk] NkVk vkj fy[kk

- अपने आस–पास या स्कूल में उगे हुए पेड़–पौधों को देखो। अपनी लंबाई से उनकी तुलना करो और दी गई तालिका में लिखो–

rEgkjh ykckbZ ls NkVs iM&ikS/ks	rEgkjh ykckbZ ls cMs+ iM&ikS/ks

vè;kid d fy, lq>ko : बच्चों से पेड़–पौधों के महत्त्व तथा हमारी उन पर निर्भरता की चर्चा करें तथा अवलोकन द्वारा उनकी पहचान कराएँ।

तभी अदिति ने हैरानी से पूछा–सर, मेरे घर में जिस पौधे पर घीया लगी है, वह तो इन तीनों में से कोई भी नहीं है, उसे क्या कहते हैं ? अध्यापक ने बताया–जो पौधे धरती पर सतह के साथ–साथ या सहारा लेकर ऊपर बढ़ते हैं, उन्हें बेल या लता कहते हैं। जैसे–घीया, तोरई, तरबूज़ व खरबूज़े की बेलें।

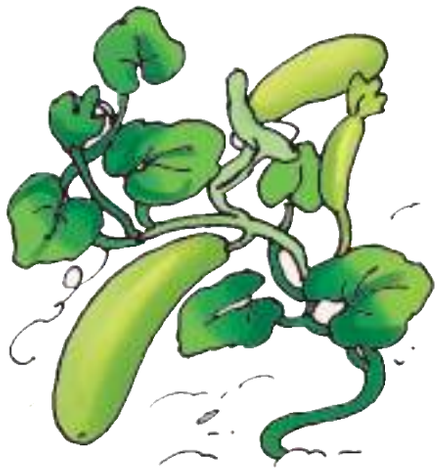

बेल (घीया)

ppk djk

- अपने आस–पास उगे कुछ और पेड़ों, शाकों, झाड़ियों, बेलों या लताओं का अवलोकन करो। अपने साथियों से चर्चा भी करो।

i<k] le>k vkj fy[kk %

- पौधों को उनकी किस्म के अनुसार लिखो–

बथुआ, बरगद, पालक, नीम, कैर, शीशम, शहतूत, सदाबहार, गुलदाऊदी, तुलसी, मेथी, सरसों, मेहँदी, घीया, करेला, धनिया, सफ़ेदा, मोगरा

iM+	>kM+h	'kkd	cy

n[kk] igpkuk vk;j fy[kk %

- चित्र को देखो, पहचानो व वाक्यों को पूरा करो–

---------- पेड़ का तना मोटा और भूरा होता है।

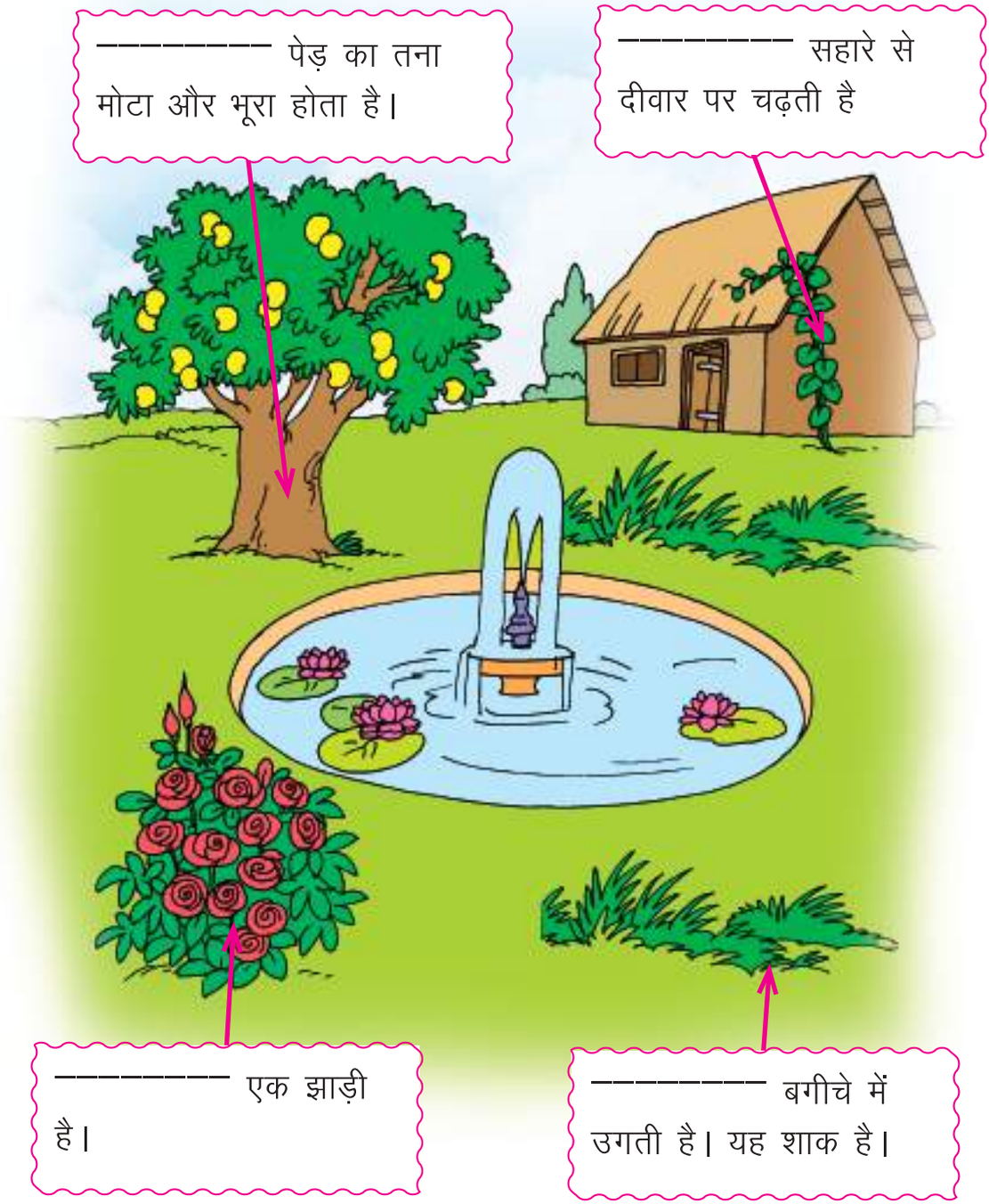

---------- सहारे से दीवार पर चढ़ती है

---------- एक झाड़ी है।

---------- बगीचे में उगती है। यह शाक है।

vè;kid d fy, lïdr : पेड़–पौधों से संबंधित चित्रकला व गाने जैसी कलात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों में सृजनशीलता का विकास करें।

cukvk vkj jax Hkjk

- अपनी पसंद के एक पेड़, एक झाड़ी तथा एक शाक का चित्र बनाकर, उनमें रंग भरो। उनके नीचे नाम भी लिखो–

_____	_____	_____

सभी बच्चे खेल का आनंद ले रहे थे। तभी अध्यापक ने सबको भोजन करने के लिए बुलाया। सब नीम के पेड़ की छाया में बैठकर भोजन करने लगे।

dgk&dgk vkj dl&dl iM \

खाना खाने के बाद सबने हाथ धोए और पार्क में फिर घूमने निकल पड़े। कुछ बच्चे चित्रकारी में व्यस्त थे। शकीला और अदिति गेंद से खेलने लगीं। अचानक शकीला बोली–यहाँ तो बड़ी हरियाली है! मेरे मामाजी जैसलमेर में रहते हैं। वे बताते हैं कि वहाँ पर नागफ़नी और कैर की काँटेदार झाड़ियाँ होती हैं। गीता बोली–मेरी बुआजी शिमला में रहती हैं। उन्होंने बताया था कि वहाँ चीड़ और देवदार के पेड़ बहुत होते हैं। उनकी पत्तियाँ नुकीली होती हैं।

,sl dj

- दिए गए चित्रों में अपनी पसंद के रंग भरो–

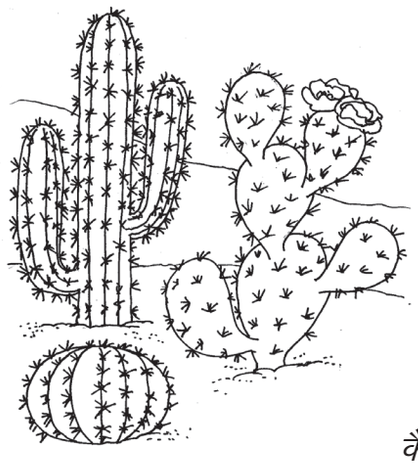

कैक्टस

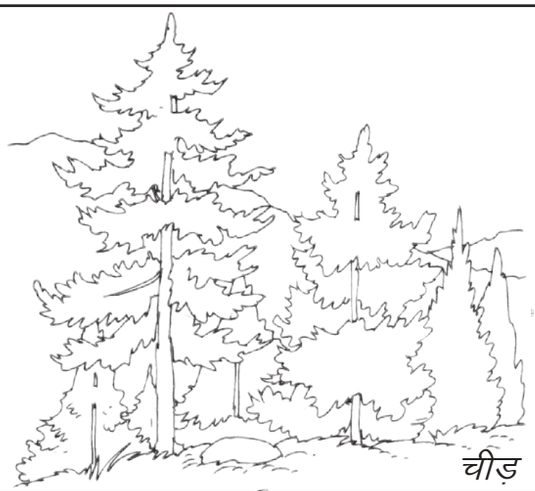

चीड़ वृक्ष

अध्यापक ने बताया – रेगिस्तान में पानी की कमी होती है। वहाँ छोटे–छोट पेड़ और काँटेदार झाड़ियाँ ही उगती हैं। पहाड़ों पर बर्फ़ गिरती है। वहाँ पर पेड़ शंकु के आकार जैसे होते हैं। उनकी पत्तियाँ नुकीली होती हैं, ताकि उन पर बर्फ़ न ठहरे।

,slk djks

- जिन स्थानों पर वर्षा कम होती है, वहाँ उगने वाले पेड़–पौधों को छाँटो। उन पर सही (✓) का निशान लगाओ–

  नागफ़नी, सरसों, फर्न, कीकर, गेहूँ, गेंदा, जाटी, कैर

[kq’kcw okys isM+&ikS/ks

पार्क में माली चाचा पौधों को पानी दे रहे थे। बच्चों ने उनसे पूछा– वे कौन–से पौधे में पानी डाल रहे हैं ? उन्होंने बताया– यह चमेली की बेल है। इसके फूलों से बहुत अच्छी सुगंध आती है। बच्चों ने नीचे गिरे हुए फूल उठाए और सूँघने लगे।

NkVks vkSj fy[kks

- दी गई सूची को पढ़ो और तालिका के अनुसार लिखो–

गुलाब, गेंदा, गेहूँ, जौ, चमेली, मोगरा, बाजरा, तुलसी, धनिया, सरसों, चना, मूँग, पुदीना

os ikS/ks] ftuls [kq’kcw vkrh gS	os ikS/ks] ftuls [kq’kcw ugha vkrh

अध्यापक ने बच्चों से पूछा– तुम्हें पार्क में पिकनिक मनाना कैसा लगा ? बच्चों ने अपने–अपने अनुभव बताए। फिर अध्यापक ने सबको एक कविता सुनाई।

पेड़ हमें जीना सिखलाते
पेड़ों की महिमा हम गाएँ।
पेड़ 'हरा सोना' कहलाते
लोगों को यह बात बताएँ।

पेड़ों की यह खास बात है
अपना भोजन स्वयं बनाते।
नहीं कुल्हाड़ी इन पर मारो
ये धरती की शान बढ़ाते।

ऑक्सीजन मिलती पेड़ों से
पेड़ों से ही मिलें लकड़ियाँ।
पेड़ घनी छाया देते हैं
पेड़ों से ही मिलें ओषधियाँ।

—घमंडीलाल अग्रवाल

lkpk vkj fy[kk

- तुम्हें कविता में पेड़ों के बारे में कौन–सी बातें अच्छी लगीं ?

  1. _____

  2. _____

- तुम अपने घर या स्कूल में कौन–सा पौधा लगाना चाहोगे ?

  _____

- पेड़–पौधों को बचाने से संबंधित कोई नारा (स्लोगन) लिखो।

  _____

vè;kid d fy, lidr : बच्चों को पेड़ों की कटाई रोकने और इससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करें। नए पौधे लगाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।

,lk djk

- चित्र देखकर पेड़–पौधों से मिलने वाली चीज़ों को पहचानो और पहेली को हल करो–

¼ck,¡ ls nk,¡½

1, 4, 5, 6, 7, 8, 9

¼Åij ls uhp½

2, 3

कविता गाते हुए हम कब वापस स्कूल पहुँच गए, पता ही नहीं चला। मेरी सहेलियों के माता–पिता उन्हें लेने आए हुए थे। मैं भी अपनी माँ को देखकर बहुत खुश हुई। हमने अध्यापक को धन्यवाद कहा और अपने–अपने घरों की ओर चल दिए। माँ के साथ जाते हुए मैं पिकनिक को याद करके खुश हो रही थी।

vkvk ;s Hkh djs

1. चार्ट–पेपर पर अपनी पसंद के किसी पेड़ का चित्र बनाओ। उसमें रंग भरो एवं कक्षा में लगाओ।
2. अपने घर से स्कूल के रास्ते में आने वाले पेड़ों के नाम पता करके, कॉपी में लिखो।
3. अपने घर की रसोई में काम आने वाले तीन मसालों को पहचानो और उनके नाम कॉपी में लिखो।
4. प्रत्येक के दो–दो उदाहरण अपनी कॉपी में लिखो।
   - दवाई में काम आने वाले पौधे
   - पहाड़ों पर उगने वाले पौधे
   - मसाले देने वाले पौधे
   - तेल देने वाले पौधे
5. अलग–अलग तरह के पेड़–पौधों के चित्र इकट्ठे करो। उन्हें कॉपी में चिपकाओ और उनके नाम लिखो।

2QLF4B

पाठ 8 उपजे सोना खेतों में

अक्तूबर का महीना है। खेतों में गेहूँ बोने की तैयारी चल रही है। कल मैं भी पिताजी के साथ ट्रैक्टर पर बैठ कर खेत में जाऊँगी। मेरी छोटी बहन तो कल से ही गुनगुना रही है–

हरा–भरा हरियाणा म्हारा,
सबतै आग्गै ल्याणा सै।
आओ चाल्लां खेत्तां म्हं,
सोना इब उपजाणा सै।

हमारे पड़ोसी नंदू ताऊ के कई खेत हैं। उन्होंने सरसों की बुआई पहले ही कर ली है।

अध्यापक के लिए संकेत : बच्चों से फ़सल की अवधारणा पर चर्चा करें और समझ पैदा करें कि खेतों में अथवा एक स्थान पर एक जैसे बहुत सारे पौधों को उगाना फ़सल कहलाता है।

lkpk vkj fy[kk

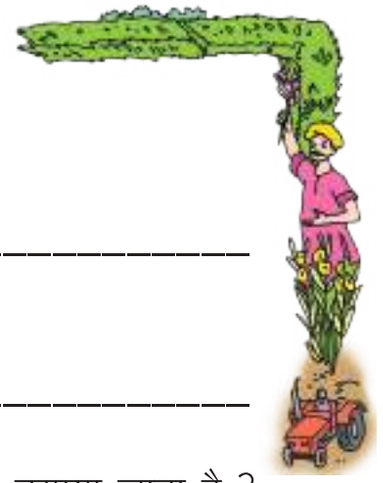

- क्या तुमने खेत देखे हैं ? यदि हाँ, तो कहाँ ?

  _____

- तुमने वहाँ क्या–क्या देखा ?

  _____

- क्या तुम्हारे परिवार में भी खेती का काम होता है ? यदि हाँ, तो क्या–क्या उगाया जाता है ?

  _____

irk djk vkj fy[kk

- नीचे कुछ फ़सलों के नाम दिए गए हैं। उनके बोने का समय पता करके लिखो।

Qly dk uke	cksus dk le;
कपास	_____
चावल	_____
बाजरा	_____

- अपने बड़ों से पता करो कि अक्तूबर–नवंबर के महीनों में और कौन–सी फ़सलें उगाई जाती हैं।

ppk djk

- परिवार के बड़े लोग खेतों में क्या–क्या काम करते हैं ?
- क्या खेती से जुड़े सभी काम स्त्री व पुरुष समान रूप से करते हैं ?

ub&ijkuh Qly

शंकर व रीना के दादाजी टी.वी. पर हर रोज़ खेती–बाड़ी का कार्यक्रम देखते हैं। एक दिन जब दादाजी टी.वी. देख रहे थे, तो वे दोनों दौड़ते हुए आए और बोले–दादाजी! आओ, बाहर घूमने चलते हैं।

दादाजी बोले – बच्चो, थोड़ी देर रुको। टी.वी. पर खेती से जुड़ी काम की बातें बताई जा रही हैं। शंकर और रीना भी बैठकर टी.वी. देखने लगे।

किसान टी.वी. पर बता रहे थे–पहले खेती का सारा काम हाथों से होता था। बीज बोने और सिंचाई के लिए वे हल और बैलों का प्रयोग करते थे। सिंचाई के साधन अधिक नहीं थे। इसलिए किसान अधिकतर चना, बाजरा, ज्वार आदि फ़सलें बोते थे। इन फ़सलों को कम पानी की ज़रूरत होती है। आजकल सब काम मशीनों से होता है, इसलिए कम मेहनत में काम जल्दी हो जाता है।

शंकर को भी यह बातचीत अच्छी लग रही थी। तभी उसे अध्यापिका की सुनाई हुई कविता याद आई। वह बोला–दादाजी, पहले मेरी कविता सुनो। कल स्कूल में हमारी अध्यापिका ने सुनाई थी।

दादाजी ने टी.वी. बंद किया और बोले–अच्छा सुनाओ।

शंकर – नहीं हुआ है अभी सवेरा,
पूरब की लाली पहचान।
चिड़ियों के जगने से पहले,
खाट छोड़ उठ गया किसान।।

गर्म–गर्म लू चलती सन–सन,
धरती जलती तवे समान।
फिर भी करता काम खेत पर,
बिना किए आराम किसान।।

है किसान को चैन कहाँ,
करता रहता हरदम काम।
सोचा नहीं कभी भी उसने,
घर पर रह करना आराम।

दादाजी बोले – यह तो बहुत ही अच्छी कविता है, शंकर।

vè;kid d fy, lidr : बच्चों को बताएँ कि अक्तूबर–नवंबर में बोई जाने वाली फ़सलों को रबी की फ़सल कहते हैं जैसे– गेहूँ, चना। जून–जुलाई में बोई जाने वाली फ़सलों को खरीफ़ की फ़सल कहते हैं जैसे – बाजरा, कपास आदि।

,slk djk

- यदि तुम्हें भी किसान से जुड़ी कोई कविता याद है, तो उसे कक्षा में सुनाओ।

irk djk

- अपने दादा–दादी अथवा बड़ों से पता करके लिखो कि उनके समय में खेतों में क्या काम हुआ करते थे ?
- कौन–सी फ़सलें अधिक उगाई जाती थीं ?
- ऐसी कौन–सी फ़सलें हैं, जो पहले अधिक उगाई जाती थीं लेकिन अब कम उगाई जाती हैं ?

NkVk vkj fy[kk

- दी गई फ़सलों को तालिका के अनुसार छाँट कर लिखो।

सरसों गेहूँ जौ चना मक्का बाजरा ज्वार गन्ना कपास धान सूरजमुखी

vDrcj&uocj e cbl tku okyh Qlyl	tu&tykbl e cbl tku okyh Qlyl

feyku djk

1. ज्वार	तेल
2. गेहूँ	गुड़
3. सरसों	चारा
4. चना	अनाज
5. गन्ना	दाल

dku&lh Qly vkj dgk&dgk \

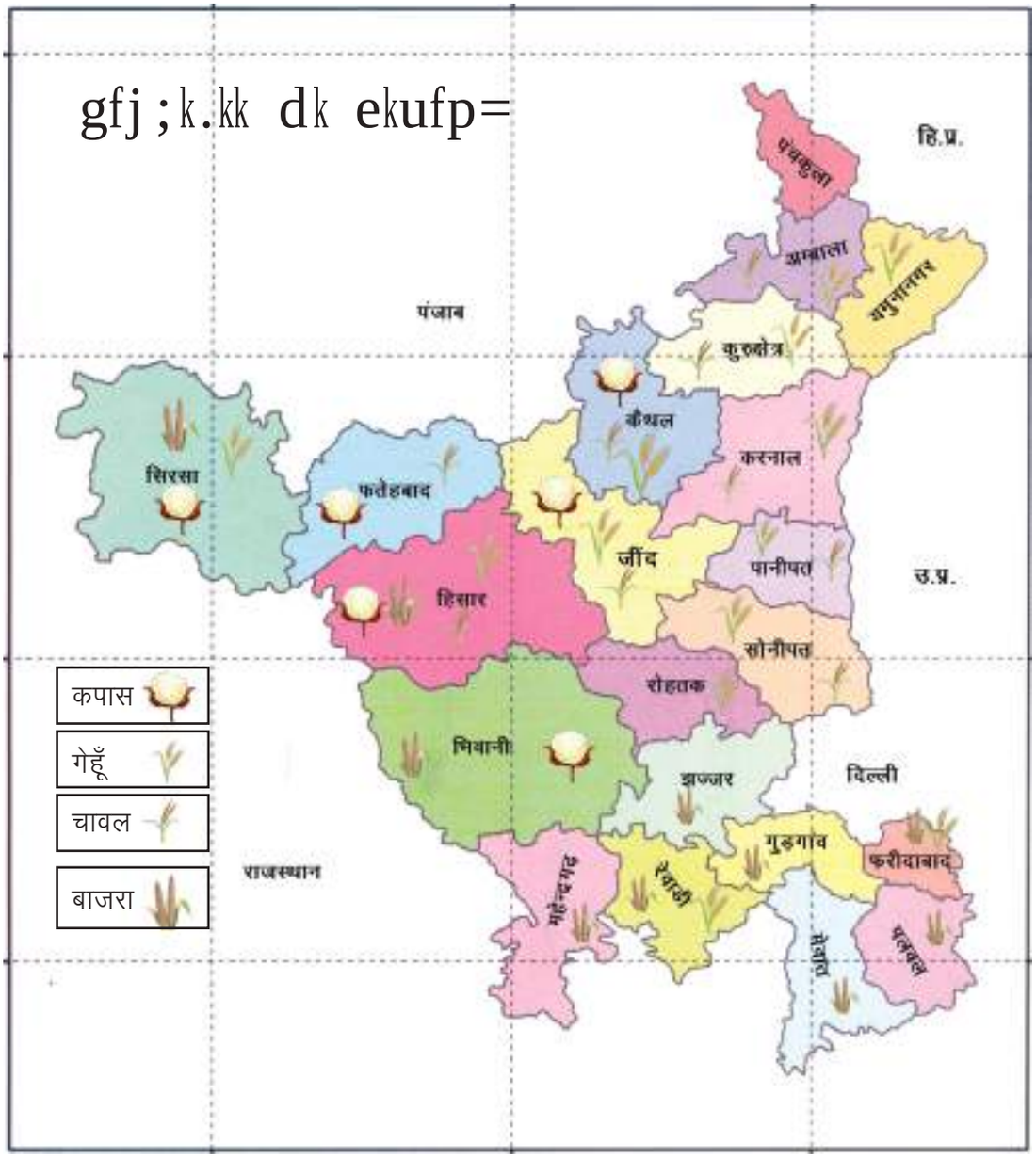

ekufp= dk n[kk vkj fy[kk

- उन दो–दो ज़िलों के नाम लिखो, जहाँ दी गई फ़सलें मुख्य रूप से उगाई जाती हैं–

1. गेहूँ – ——————————— 2. कपास – ———————————

3. चावल – ——————————— 4. बाजरा – ———————————

vè;kid d fy, ldr : बच्चों को बताएँ कि दिसम्बर 2016 को चरखी दादरी हरियाणा का 22वां जिला बनाया गया।

vkvk ;: Hkh dj:

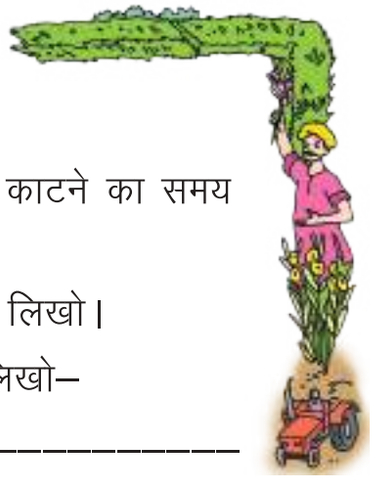

1. अपने आस–पास उगाई जाने वाली फ़सलों के नाम व उनके बोने तथा काटने का समय पता करो और अपनी कॉपी में लिखो।
2. बड़ों से पूछकर अपने राज्य की दो नई और दो पुरानी फ़सलों के नाम लिखो।
3. किसी एक फ़सल के बारे में अपने बड़ों से जानकारी प्राप्त करो और लिखो–

   – फ़सल का नाम ______________________________

   – बोने का समय ______________________________

   – निराई–गुड़ाई का समय ______________________________

   – सिंचाई का समय ______________________________

   – काटने का समय ______________________________

   – इकट्ठा रखने (भंडारण) का स्थान ______________________________

   – बेचने का स्थान ______________________________

   – खेतों से मंडी तक पहुँचाने का तरीका ______________________________

4. इस फ़सल का चित्र बनाओ और रंग भरो–

2R577L

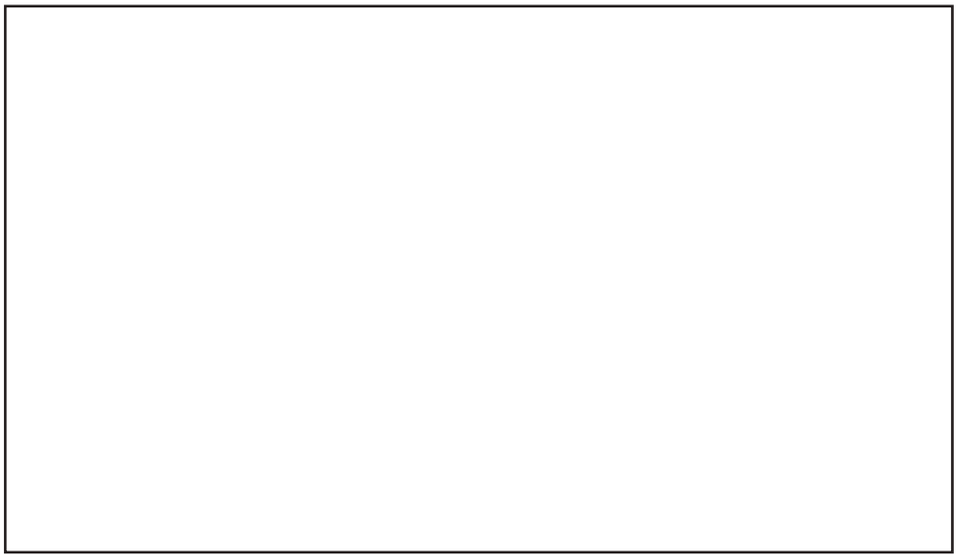

पाठ 9 cktr ifÙk;ksa dh

ifÙk;k

प्यारी–प्यारी हरी पत्तियाँ,
आँधी से कब डरी पत्तियाँ।

पतझर में पीली बन देखो,
शाखाओं से झरी पत्तियाँ।
'नीम' और 'शीशम' की छोटी,
'पीपल' वाली बड़ी पत्तियाँ।

भोजन बना पेड़ को देतीं,
होतीं कितनी खरी पत्तियाँ।
तेज़ हवा में जब लहरातीं,
नाचें जैसे परी पत्तियाँ।

–घमंडीलाल अग्रवाल

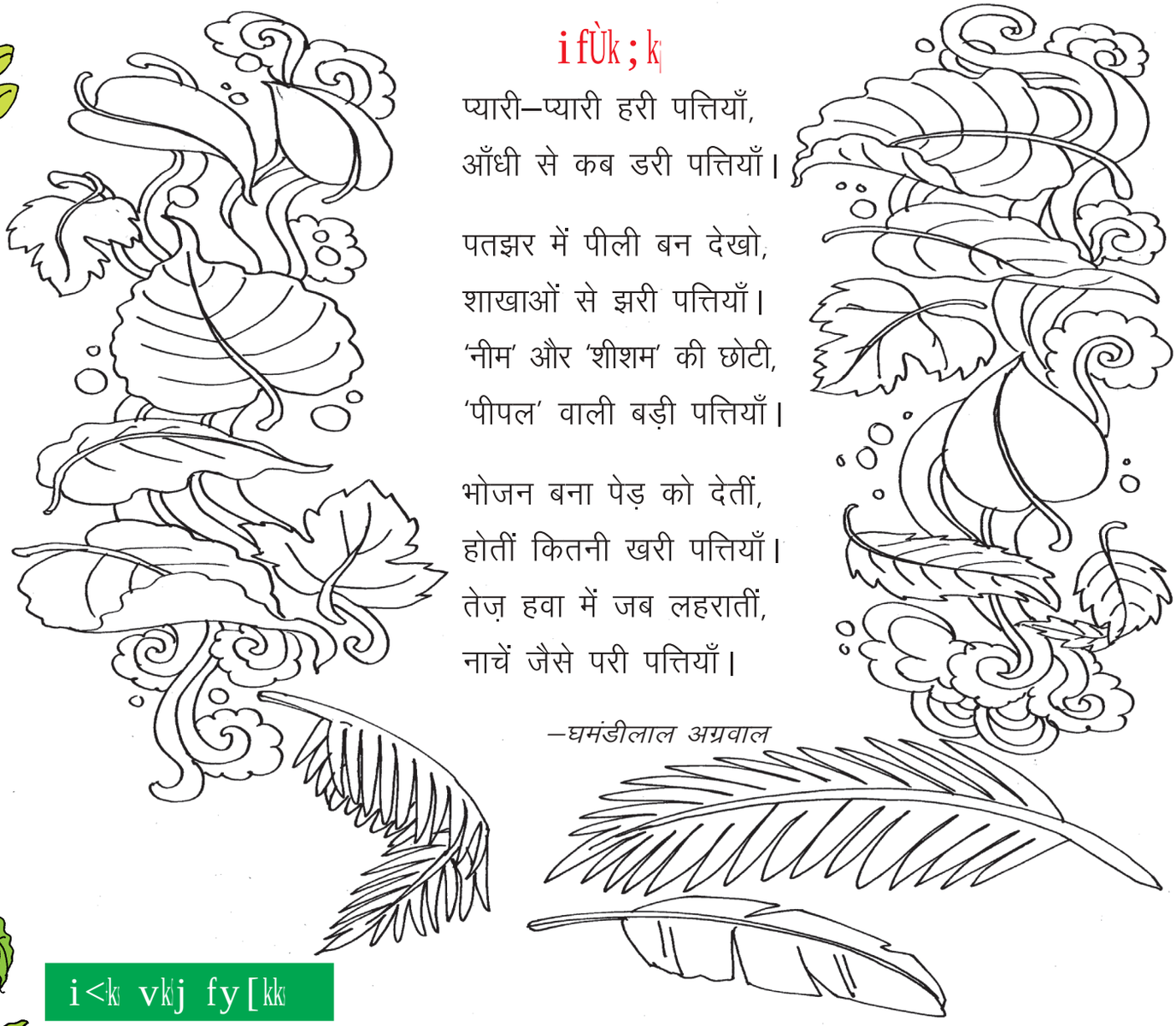

i<k vkj fy[kk

- कविता के अनुसार–
  - छोटी पत्तियाँ किस पेड़ की हैं ? ____________________________
  - किस पेड़ की पत्तियाँ बड़ी हैं ? ____________________________
  - पत्तियाँ पेड़ के लिए क्या करती हैं ? ____________________________

,slk djks

- कविता के दोनों तरफ़ दर्शाई गई पत्तियों में रंग भरो।
- चित्र में दिखाई गई पत्तियों को उनकी आकृति के अनुसार मिलाओ।

ubl&ubl iÙkh

क्या तुम जानते हो कि जब पेड़ पर कोई नई पत्ती निकलती है, तो वह बहुत छोटी, नर्म और चमकीली होती है। कुछ दिनों के बाद वह धीरे–धीरे बड़ी हो जाती है। उसका रंग भी बदलने लगता है और छूने पर पहले जितनी कोमल नहीं लगती। समय बीतने के साथ–साथ वह पीली पड़ने लगती है। बाद में झड़ जाती है।

vè;kid dfy, ladsr : बच्चों से आस–पास की पत्तियों का अवलोकन करने को कहें। सभी के अनुभव सुनें। पेड़–पौधों की गिरी हुई कुछ पत्तियाँ को इकट्ठी करने को कहें। उन्हें सुखाकर कागज़ की शीट पर चिपकाने और नाम लिखने को कहें।

irk djk vkj fy[kk

- अपने आस–पास के किसी एक पेड़ अथवा पौधे को देखो। पता लगाओ कि उसकी पत्तियाँ किस महीने में पेड़ से झड़ जाती हैं।

  _____

- जब वे झड़ती हैं, तब उनका रंग कैसा होता है ?

  _____

- क्या सभी पेड़–पौधों की पत्तियाँ एक साथ झड़ती हैं ? यदि नहीं, तो किस–किस महीने में झड़ती हैं?

  _____

- जिस पेड़ अथवा पौधे को तुमने देखा है, उसकी पत्ती का चित्र बनाओ और रंग भरो।

पत्तियों को हम तरह–तरह से काम में लेते हैं। पालक, मेथी, बथुआ आदि की पत्तियों को सब्ज़ी के रूप में पकाकर खाते हैं। तेज पत्ता मसाले के रूप में काम आता है। गिलोय की पत्तियाँ दवाई के रूप में कम आती हैं।

lkpk vkj fy[kk

- ऐसे दो पौधों के नाम जिनकी पत्तियाँ–
  - सब्ज़ी के रूप में पकाकर खाई जाती हैं।
    _____ _____
  - बनाई हुई सब्ज़ी में डालते हैं।
    _____ _____
  - जो दवाई में काम आती हैं।
    _____ _____
  - तोरण, बंदनवार या माला के रूप में काम आती हैं।
    _____ _____

iÙkh dks tkusa

पत्ती का बीच वाला भाग चौड़ा, चपटा और हरा होता है। यह एक डंडी द्वारा पौधे से जुड़ा रहता है। इसमें कई रेखाकार संरचनाएँ होती हैं।

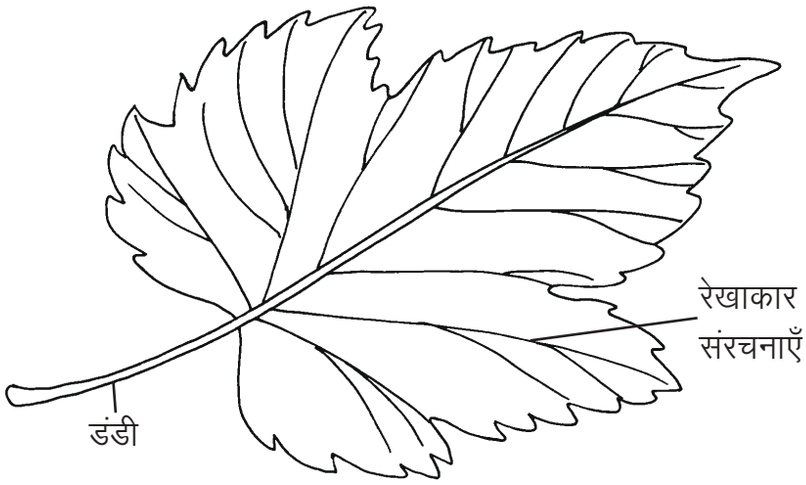

djd n[kk

- अपने आस–पास के पेड़ों से गिरी हुई कुछ पत्तियाँ इकट्ठी करो। इनमें से एक पत्ती को उलटा करके अपनी कॉपी के दो पन्नों के बीच में रखो। ऊपर वाले पन्ने पर रंग या पेंसिल घुमाओ। देखो, कैसी आकृति बनी है। अलग–अलग पत्तियों से आकृतियाँ बनाकर तुलना करो।

irk djk

- अधिकतर पत्तियों का रंग हरा क्यों होता है ?

  धनिया, पुदीना, तुलसी आदि की पत्तियों को हम उनकी विशेष गंध से द्वारा पहचान सकते हैं।

NkVk vkj fy[kk

- दी गई सूची को पढ़ो। उन पत्तियों पर गोला लगाओ जिन्हें तुम उनकी गंध से पहचान सकते हो।

  पालक, मेथी, मूली के पत्ते, सरसों के पत्ते, पुदीना, कढ़ी पत्ता, तुलसी, पीपल का पत्ता

feydj djk

- अपने–अपने घर से कुछ पत्तियाँ इकट्ठी करो जिनमें गंध होती है। उन्हें कक्षा में लाओ और साथियों के साथ मिलकर पत्तियों को गंध के आधार पर पहचानो।

vè;kid d fy, lidr : बच्चों से आस–पास की पत्तियों को देखने के लिए कहें। कक्षा में उनके रंग में बदलाव, पत्तियों के झड़ने के समय आदि पर चर्चा करें।

ifÙk;k ls fMtkbu

पत्तियों के रंग, रूप और डिज़ाइन बहुत अच्छे लगते हैं। हम अपने घरों, चादरों, तकियों के कवर आदि पर पत्तियों के सुंदर डिज़ाइन बने हुए देखते हैं।

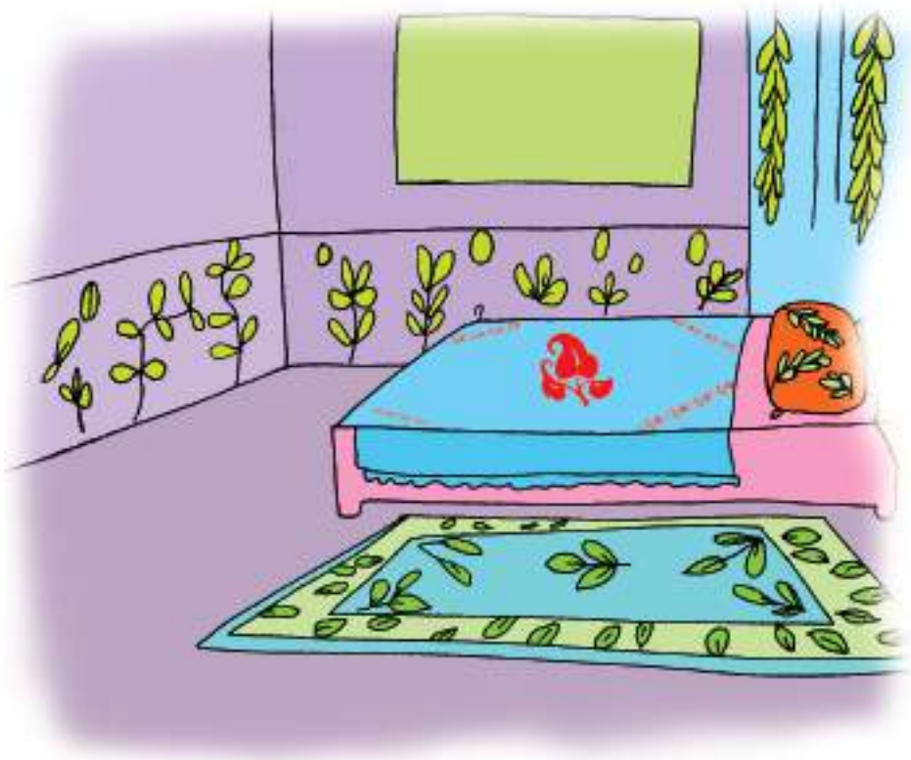

,lk djk

- अपने हाथों पर गीली मेहँदी से फूल–पत्तियों का सुंदर डिज़ाइन बनाओ।

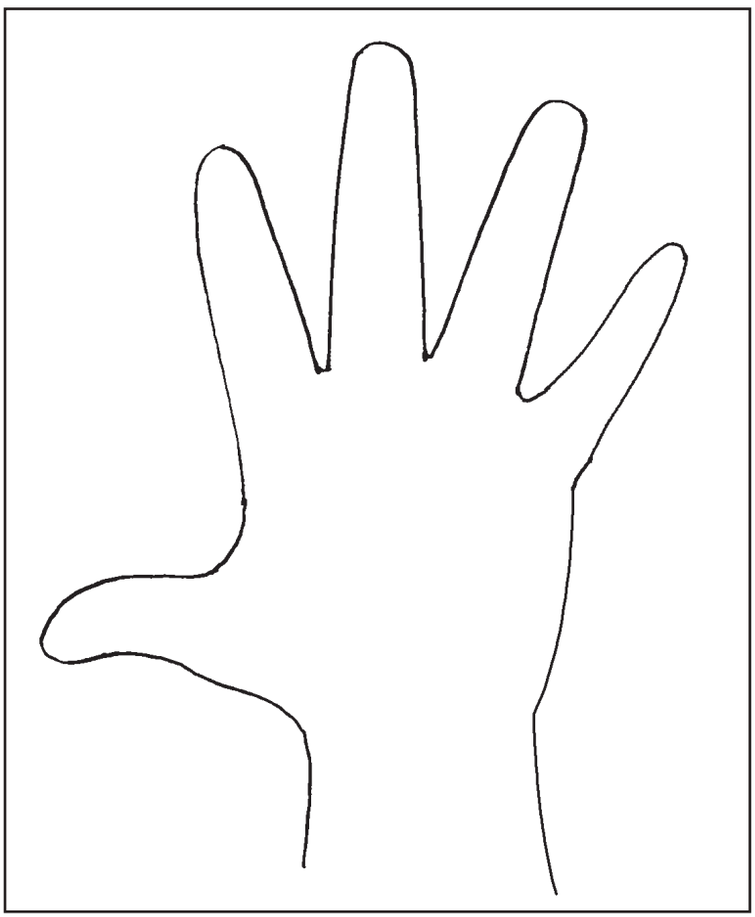

vc crkvks

- क्या तुमने अपने आस–पास किसी को सूखी पत्तियाँ जलाते हुए देखा है ? तुम्हें कैसा महसूस हुआ ?
- क्या तुम जानते हो कि सूखी पत्तियों से खाद भी बना सकते हैं ?

ifÙk;ksa ls [kkn

feydj djks

- अध्यापक के साथ स्कूल के मैदान के एक कोने में जाओ, जहाँ पेड़ों से गिरी हुई पत्तियों को इकट्ठा किया जाता है।
  - दो फुट लंबा, दो फुट चौड़ा और दो फुट गहरा एक गड्ढा खोदो।
  - पत्तियों को गड्ढे में डालकर उन्हें मिट्टी से ढ़क दो।
  - समय–समय पर इन्हें पानी से गीला करते रहो।
  - कुछ सप्ताह बाद तुम देखोगे कि पत्तियों का रंग काला हो गया है।
  - लो, बन गई कंपोस्ट खाद।

vkvks ;s Hkh djsa

1. अलग–अलग प्रकार के पेड़ों से गिरी हुई कुछ पत्तियाँ लाओ और उनकी तुलना करो–

पेड़ का नाम	————————	————————	————————
पत्ती का आकार	————————	————————	————————
पत्ती का रंग	————————	————————	————————
चिकनी / खुरदरी	————————	————————	————————

vè;kid dfy, lwpd : बच्चों को प्रेरित करें कि सूखी पत्तियाँ जलाई न जाएँ। इससे वायु दूषित होती है। पत्तियों से कंपोस्ट खाद बनाने के लिए कहें।

इसे अपने साथी की तालिका से मिलाओ और चर्चा करो।

2. गत्ते के टुकड़े या कागज़ की शीट पर सूखी पत्तियों से ग्रीटिंग कार्ड बनाओ और अपने कमरे में सजाओ।

3. मिलान करो :

1.		नीम की पत्ती	चटनी बनाने में
2.		चाय की पत्ती	सब्ज़ी बनाने में
3.		कढ़ी पत्ता	दवाई में
4.		पुदीना पत्ती	मसाले में
5.		पालक पत्ती	चाय बनाने में

4. पत्तियों से किसी पक्षी की आकृति बनाओ–

2RHYAW

पाठ 10 tho&tirqvksa dk vuks[kk lalkj

2RHUCJ

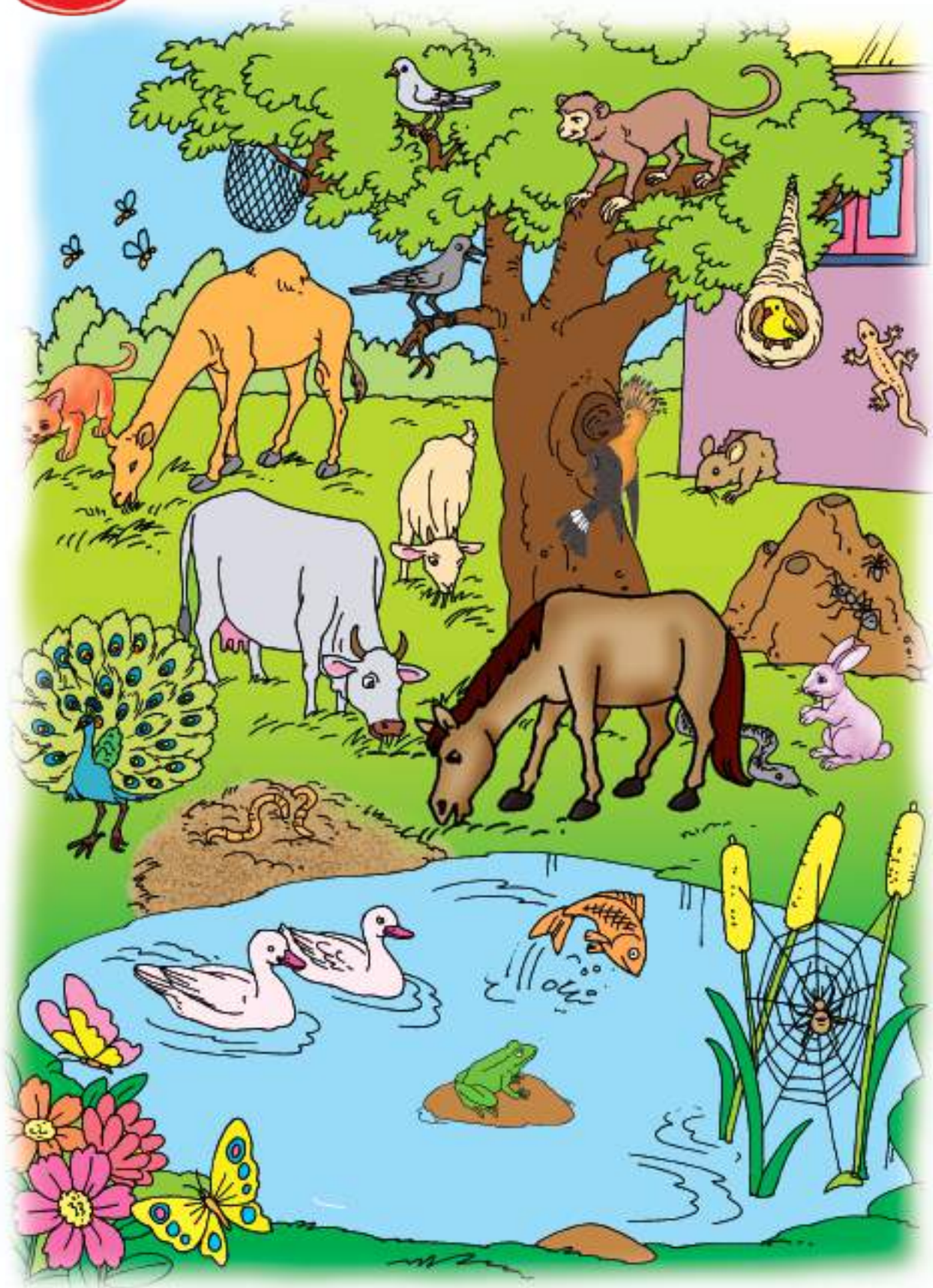

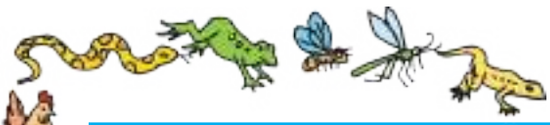

n[kk] NkVk vkj fy[kk

- पिछले पृष्ठ पर चित्र को देखकर तालिका को पूरा करो–

Ø-l-	tehu ij jgu oky tho&tarvk d uke	ikuh e jgu oky tho&tarvk d uke	iM ij jgu oky tho&tarvk d uke
1.			
2.			
3.			
4.			
5.			
6.			
7.			

tkuoj& gekj lkFkh

नीलम के घर में एक बकरी है। नीलम उसका दूध बहुत चाव से पीती है। बकरी के दो बच्चे हैं। उसने उनके नाम गौरी और रज्जो रखे हैं। नीलम उनके साथ खेलती है और उनका बहुत ख्याल रखती है। एक दिन रज्जो के पैर में चोट लग गई। नीलम ने माँ की मदद से उसके पैर पर दवाई लगाई। वह रोज़ाना उसकी देखभाल करती। कुछ दिनों के बाद उसकी चोट ठीक हो गई।

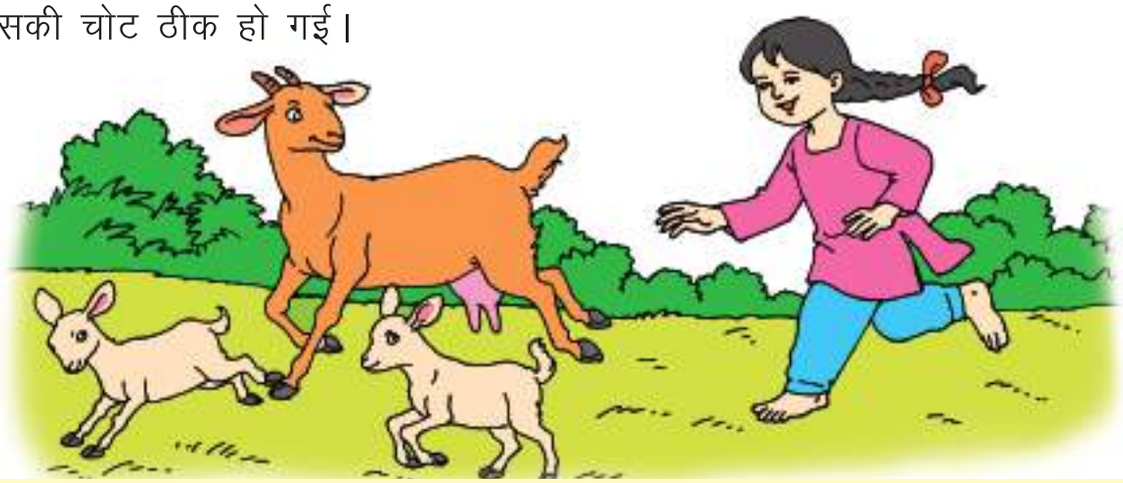

vè;kid d fy, lidr : पाठ में कई स्थानों पर 'जानवर' शब्द का प्रयोग किया गया है। इस स्तर पर यह अपेक्षा की जाती है कि यह शब्द सभी जीव–जंतुओं के लिए प्रयुक्त होता है।

n[kk vkj fy[kk

- चित्रों को देखकर लिखो कि नीलम बकरी के बच्चे के लिए क्या–क्या कर रही है–

बकरी के बच्चे को सहला रही है।

vè;kid d fy, l|dr : बच्चों को बताएँ कि जानवर भी हमारी तरह संवेदनशील होते हैं। हमें उन्हें नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए।

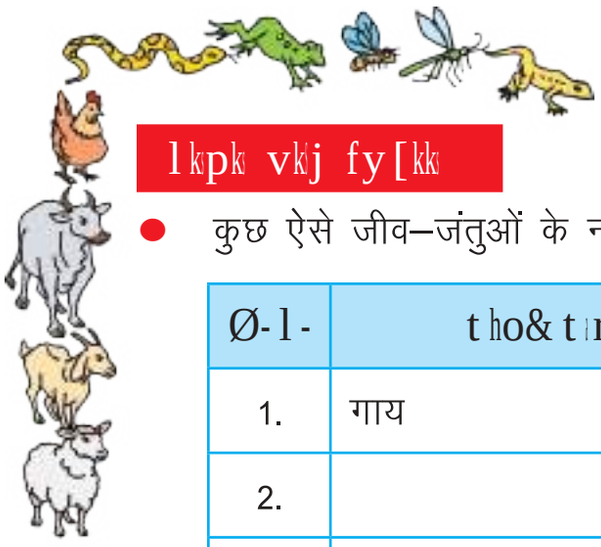

lkpk vkj fy[kk

- कुछ ऐसे जीव–जंतुओं के नाम लिखो, जो हमारी मदद करते हैं–

Ø-l-	tho&tarq dk uke	fdl rjg gekjh enn djrs gSA
1.	गाय	दूध देती है
2.		
3.		
4.		
5.		

>qaM esa jgus okys tkuoj

सोनम और उसकी सहेलियाँ स्कूल जा रही थीं। उन्होंने रास्ते में भेड़–बकरियों के झुंड देखे, जिन्हें गड़रिए जंगल की ओर चराने ले जा रहे थे। भेड़–बकरियों के छोटे बच्चे भी उनके साथ चल रहे थे। सोनम और उसकी सहेलियाँ रुककर भेड़ों, बकरियों तथा उनके बच्चों को देखने लगीं।

कुछ जानवर अकेले रहते हैं, जब कि कुछ झुंड़ या समूह में रहते हैं। तुमने कौन–से जानवरों को झुंड में देखा है ? कक्षा में अपने साथियों से इस पर बातचीत करो।

lkpks vkSj fy[kks

- भेड़ों–बकरियों की तरह अन्य कौन–से जानवर झुंड में रहते हैं ? उनके नाम लिखो। कुछ ऐसे जानवरों के नाम भी लिखो, जो अकेले रहते हैं–

Ø- l-	ftUgsa rqeus >qM esa jgrs ns[kk gSA	Ø- l-	ftUgsa rqeus vdsys jgrs ns[kk gSA
1.		1.	
2.		2.	
3.		3.	
4.		4.	

tho&tUrqvksa dk Hkkstu

अपने आस–पास रहने वाले जीव–जंतुओं को देखो। पता लगाओ कौन–से जीव–जंतु अपने भोजन के लिए पेड़–पौधों पर निर्भर रहते हैं ? कौन–से केवल मांस खाते हैं और कौन–से इन दोनों पर निर्भर रहते हैं। दी गई तालिका में लिखो।

tho&tUrq ftudk Hkkstu isM&ikS/ks gSA	tho&tUrq ftudk Hkkstu vU; tho&tUrq gSA	tho&tUrq ftudk Hkkstu isM&ikS/ks rFkk tho&tUrq nksuks gSA

वे जीव–जंतु जिनका भोजन पेड़–पौधे हैं, शाकाहारी कहलाते हैं। कुछ जीव–जंतु जो अन्य जीवों को भोजन के रूप में खाते हैं, मांसाहारी कहलाते हैं। कुछ जीव–जंतु पेड़–पौधों तथा अन्य जंतुओं को खाते हैं, ये सर्वाहारी हैं।

feyku djk

tho&tirq	Hkkstu
1. साँप	फूलों का रस
2. चिड़िया	फल
3. मधुमक्खी	चूहे व छोटे जंतु
4. तोता	छोटे कीट
5. छिपकली	अनाज के दाने

fdldh dlh pky \

क्या तुम जानते हो जीव–जंतु एक स्थान से दूसरे स्थान तक कैसे जाते हैं ? गाय, भैंस, बकरी आदि पैरों से चलते हैं, साँप, छिपकली, रेंगकर चलते हैं और पक्षी उड़ते हैं।

n[kks] NkVks vkj fy[kks

- पृष्ठ 69 पर दिए गए चित्र को देखकर दी गई, तालिका को पूरा करो।

tho&tirq] ftudk j:xdj pyrs n[kk gSA	tho&tirq] ftudk Qnddj pyrs n[kk gSA	tho&tirq] ftudk mMrs gq, n[kk gSA

vè;kid dfy, lidr : बच्चों से चर्चा करें कि जीव–जंतु किस प्रकार हमारे काम आते हैं और जंगल काटने से जंगली जानवर बेघर हो जाते है। बच्चों में चित्रों के माध्यम से अवलोकन करना, पहचानना, तुलना एवं वर्गीकरण करना जैसी क्षमताओं का विकास करें।

dgk| l| feyrk 'kgn \

शंकर स्कूल से घर आ रहा था। रास्ते में उसने कुछ लोगों को मधुमक्खी के छत्ते से शहद निकालते देखा। लोगों ने छत्ते से शहद अलग किया। थोड़ा शहद शंकर को भी दिया। शंकर ने शहद चखा। उसे शहद बहुत मीठा और अच्छा लगा। अब उसे यह पता चल गया था कि मधुमक्खी के छत्ते में शहद कहाँ से आया। यह शहद मधुमक्खियों ने इकट्ठा किया था। उसे याद आया कि शहद निकालते समय मधुमक्खी ने एक व्यक्ति को डंक मार दिया था। दर्द के कारण वह व्यक्ति कराह रहा था।

vc crkvk

- अपने आस–पास दिखने वाले कुछ अन्य ऐसे कीटों के नाम बताओ, जिन्हें छूने से डर लगता है।

vè;kid d fy, l|dr : बच्चों को कीट एवं कीड़ों का अवलोकन करने के लिए सहयोग करें और बताएँ कि कुछ कीट हमारे मित्र हैं तथा कुछ शत्रु।

lkpk vkj fy[kk

- दिए गए चित्रों में जीव–जंतुओं को पहचानो और तालिका को पूरा करो–

	tho&tarq dk uke	D;k bl N ldrs g\@bl ugh Nuk pkfg,A	D;k\

कुछ जंतु अपनी सुरक्षा के लिए डंक मारते हैं। जैसे– मधुमक्खी, ततैया, बिच्छू आदि। डंक लगने से शरीर में दर्द होता है। हमें ऐसे जीवों के साथ छेड़–छाड़ नहीं करनी चाहिए।

fdl dh vkokt lqjhyh \

रितिक और उसके दोस्त स्कूल के मैदान में खेल रहे थे। तभी पेड़ पर बैठे एक कौए की आवाज़ सुनकर वे चौंक गए। वे भी कौए की तरह आवाज़ निकालने की कोशिश करने लगे।

,slk djks

- अपने आस–पास पक्षियों की आवाज़ों को सुनो। उन पक्षियों को आवाज़ों से पहचानो।
- अपने साथियों के साथ मिलकर भिन्न–भिन्न पक्षियों की आवाज़ें निकालने की कोशिश करो।

feyku djks

i{kh dk uke	vkokt
1. मोर	काँव–काँव
2. कबूतर	कुहू–कुहू
3. चिड़िया	गुटर गूँ–गुटर गूँ
4. कौआ	पीहू–पीहू
5. तोता	चीं–चीं
6. कोयल	टें–टें

पक्षियों में   (मोर) एक सुन्दर पक्षी है। यह हमारा राष्ट्रीय पक्षी है। यह अनाज और कीड़े–मकौड़े खाता है।   (काला तीतर) हमारा राज्य पक्षी है। चींटी, अनाज व दीमक इसका मनपसंद भोजन है।

vè;kid d fy, lsdr : बच्चों को कीट अथवा जंतुओं द्वारा डंक मारने पर प्राथमिक उपचार व उपाय के बारे में बताएँ–जैसे डंक लगने वाले स्थान पर साबुन का घोल लगाएँ तथा उपचार हेतु डॉक्टर के पास जाएँ।

irk djk vkj fy[kk

- ये पक्षी क्या–क्या खाते हैं ?

i{kh dk uke	D;k&D;k [kkrs g\
चिड़िया	_____
कौआ	_____
कबूतर	_____
तोता	_____
मैना	_____

ppk djk

- छिपकली अपना भोजन कैसे पकड़ती है ?
- सर्दियों में वह कहाँ चली जाती है ?
- क्या अन्य जानवर भी सर्दियों में कहीं छिप जाते हैं ? यदि हाँ, तो उनके नाम पता करो।

vkvk ;s Hkh djs

1. अपने अँगूठे व उँगली को स्याही अथवा गीले रंग में डुबोकर उनकी छाप से, सामने दिए गए चित्र की तरह किसी जीव–जंतु का चित्र अपनी कॉपी में बनाओ।

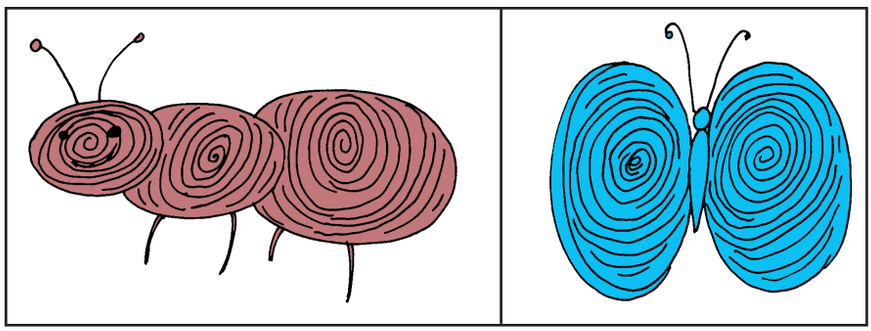

2. समूह में जो अलग है, उस पर गोला लगाओ।
   - – ‘kkdkgkjh : बकरी, बाघ, गाय, हिरण
   - – cM+s tkuoj : चूहा, हाथी, गेंड़ा, जिराफ़
   - – iM+s ij jgus oky : तोता, बंदर, गिलहरी, शेर
   - – NksVs tkuoj : तितली, मकड़ी, चींटी, बकरी

3. जीव–जंतुओं से संबंधित शब्दजाल को दिए गए संकेतों के आधार पर पूरा करो।

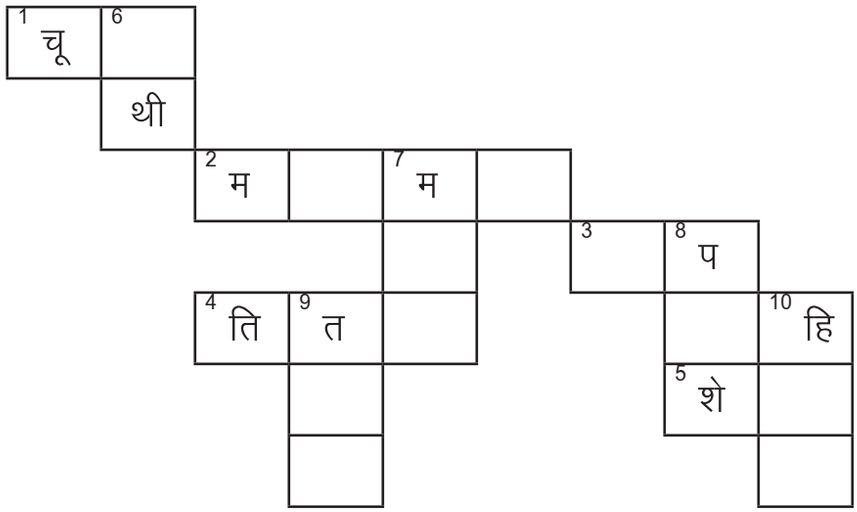

ck,¡ ls nk,¡

1. बिल में रहता है।
2. शहद बनाती है।
3. रेंगकर चलता है।
4. फूलों पर मंडराती है।
5. गुफ़ा में रहता है।

Åij ls uhps

6. सबसे बड़ा जानवर है।
7. पानी में रहती है।
8. रहने के लिए घोंसला बनाते हैं।
9. डंक मारता है।
10. शाकाहारी है।

4. ftXlk igyh

– गत्ते पर अपने मनपसंद जानवर का चित्र चिपकाओ।
– चित्र को किनारों से गत्ते सहित काटो।
– अब इस चित्र को छोटे–बड़े चार भागों में बाँटने के लिए रेखाएँ खींचो।
– खींची गई रेखाओं के अनुसार चित्र को काटो।
– टुकड़ों को उलटा सीधा मिलाकर अपने दोस्त को दो।
– टुकड़ों को जोड़ने के लिए कहो।
– कौन–सा जानवर बना ?

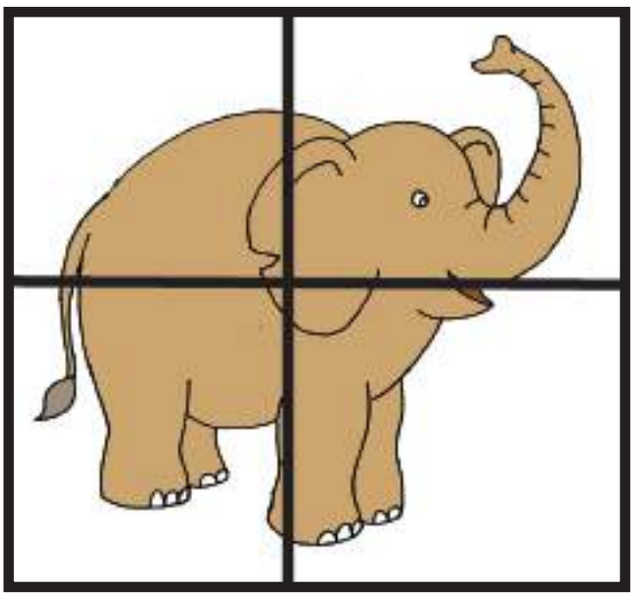

5. इन चित्रों के साथ दिए गए बॉक्स में जीव–जंतुओं को छोटे–से बड़े आकार के क्रमानुसार संख्या लिखो।

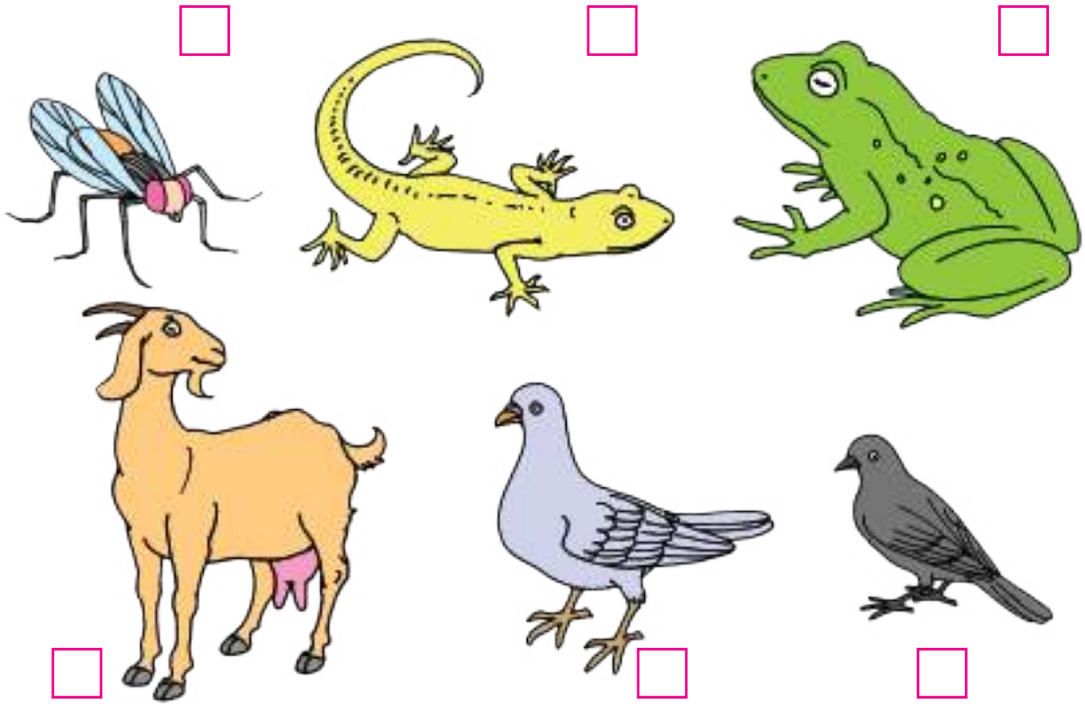

6. ऐसा करो–

– एक चौकोर कागज लो।
– उसे चित्र अनुसार अंदर की ओर आधा मोड़ो।
– दोनों कोनों को अंदर की ओर मोड़ो।
– नीचे के एक भाग को ऊपर की ओर मोड़ो।
– काले स्कैच पैन से इसकी आँखें बनाओ।
– नीचे की ओर मुँह बनाओ।

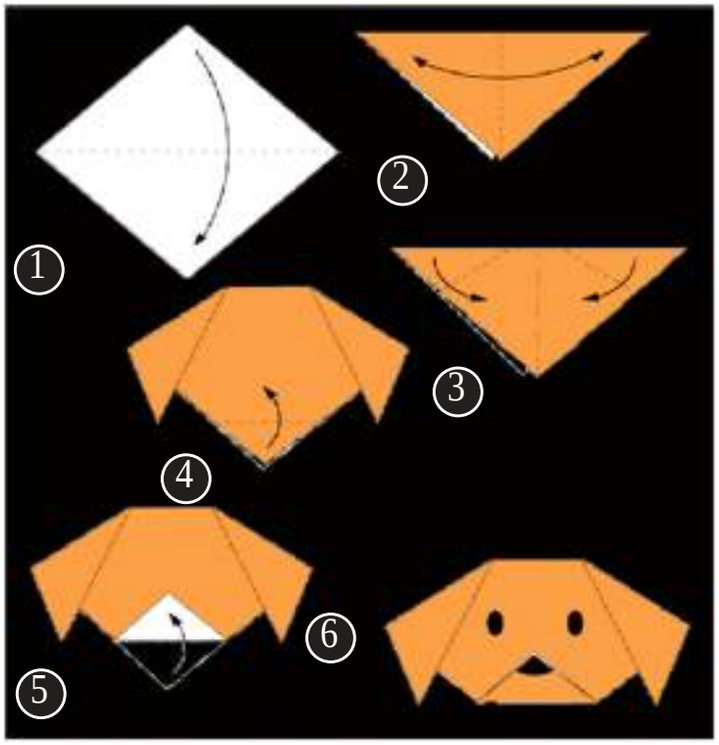

2S6QE7

f'k{kd d fy,

iidj.k % ty

;g iidj.k D;k \

इस प्रकरण को पाठ्यक्रम में शामिल करने का उद्देश्य बच्चों को पानी की अनिवार्यता से परिचित कराना है। पानी जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं में से एक है। यह अपेक्षा की जाती है कि बच्चा अपने परिवेश में जल के भिन्न–भिन्न स्रोतों का अवलोकन करे। पानी की उपयोगिता को समझते हुए, इसकी बर्बादी रोकने के तरीके अपनाए। इसके लिए वह स्वयं जागरूक रहे और अपने संपर्क में आने वाले लोगों को भी जागरूक करे।

bl iidj.k e g D;k \

जल प्रकरण में दो पाठ हैं। पहले पाठ में एक कौए के माध्यम से पानी के स्रोतों, उपयोगों, संरक्षण आदि पर चर्चा की गई है। दूसरे पाठ में वर्षा ऋतु से जुड़ी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों तथा इस ऋतु में पेड़–पौधों तथा जीव–जंतुओं की अनुक्रियाओं का वर्णन है। पाठ में घरेलू क्रियाकलापों के लिए प्रयुक्त होने वाले पानी की मात्रा का आकलन, रख–रखाव, पुनर्चक्रण तथा भंडारण के बर्तनों से संबंधित विषय–वस्तु दी गई है।

bl iidj.k d ikBk dk d l djk, \

- बच्चे स्वयं अवलोकन करके निष्कर्ष निकाल सकें, इसके लिए उन्हें समीप के जोहड़/तालाब पर ले जाएँ।
- पाठों में दिए गए चित्रों का अवलोकन कराएँ, ताकि बच्चों में रटने की प्रवृत्ति कम हो। जैसे–वर्षा ऋतु में जीव–जंतुओं की क्रियाओं का चित्र।
- बच्चों को उनके अनुभव सुनाने के लिए प्रेरित करते हुए विषयवस्तु से जोड़ने पर बल दें।
- प्रत्यक्ष अनुभव कराने के लिए बच्चों को समीप के किसी जल शोधन सयंत्र पर ले जाएँ।
- पाठों में कुछ क्रियाकलाप समूह में किए जाने हैं। इनको कराने में प्रत्येक बच्चे की भागीदारी सुनिश्चित करें।
- चर्चा के बिंदुओं पर बच्चों को खुलकर चर्चा करने के अवसर दें, जैसे–वर्षा के पानी को किस प्रकार इकट्ठा किया जा सकता है।
- बच्चों को जल, वर्षा, जल–बचत पर गीत, कविता बनाकर सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।
- बच्चों द्वारा बनाए गए चित्रों आदि की सराहना करें, तुलना न करें।

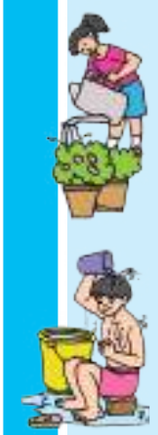

पाठ 11

ikuh dh ckr] dYyw dkS, ds lkFk

2SFLFU

ikuh dh ryk'k esa

कल्लू एक समझदार कौआ था। वह इन्सानों की भाषा समझता था। गर्मियों के दिन थे। उसे बहुत ज़ोर की प्यास लगी थी। पानी की तलाश में उड़ते–उड़ते वह एक नल के पास पहुँचा। पर यह क्या! नल में तो पानी ही नहीं था।

कल्लू उदास हो गया। वह फिर उड़ने लगा। उसे किसी घर की छत पर पानी से भरा हुआ मिट्टी का एक बर्तन दिखा। वह जल्दी से नीचे उतरा। उसने पानी पिया, अपने पंख फड़फड़ाए और खुश होकर उड़ गया।

lkspks vkSj fy[kks

- क्या तुमने भी कभी पक्षियों को पानी पीते देखा है ? यदि हाँ, तो कहाँ–कहाँ ?

  ____

- उन पक्षियों के नाम लिखो।

  ____

- पानी पीने के अतिरिक्त पक्षियों को और क्या क्रियाएँ करते देखा है ?

  ____

- तुमने या तुम्हारे परिवार के किसी सदस्य ने कभी किसी पक्षी या जानवर को पानी पिलाया है ? यदि हाँ, तो कहाँ और कैसे ?

  ____

- यदि तुम्हारे घर में पानी की कमी हो जाए, तो तुम किस कार्य को पहले करना चाहोगे और किसको बाद में ? चित्रों को देखकर उन्हें ज़रूरत के अनुसार 1, 2, 3 ..... क्रम में लिखो।

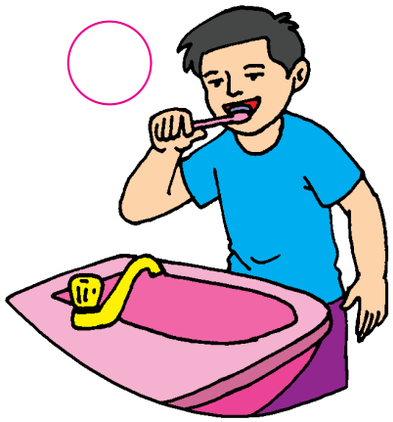

ikuh dh I;kÅ

उड़ते हुए कौए ने देखा कि एक स्थान पर पानी से भरे हुए घड़े रखे थे। उन पर बोरी के टुकड़े लपेटे हुए थे। सभी घड़े ढके थे। पास में डंडी वाला एक लोटा भी था। पर कल्लू ने तो अपनी प्यास पहले ही बुझा ली थी, इसलिए वह वहाँ नहीं रुका।

lkpk vkj fy[kk

- क्या तुमने भी कहीं प्याऊ देखी है ? यदि हाँ, तो कहाँ ?

_____

- तुम्हारे घर तथा स्कूल में पीने के पानी के संग्रह करने का क्या इंतजाम है ?

_____

ppk djk

- लोग प्याऊ क्यों लगाते हैं ?
- घड़ों पर बोरी के टुकड़े क्यों लपेटे जाते हैं ?
- गर्मियों में पानी को ठंडा रखने के लिए और कौन–से तरीके अपनाए जाते हैं ?

tkgM+ dh lSj

उड़ते–उड़ते कल्लू को एक जोहड़ दिखाई दिया। जोहड़ में भैंसें तैर रहीं थीं। वह तुरंत नीचे उतरा और एक भैंस की पीठ पर बैठ गया। वह मज़े से भैंस की सवारी का आनंद लेने लगा। उसने देखा कि कुछ लोग जोहड़ के किनारे घाट पर कपड़े धो रहे थे। नहाते हुए बच्चे उछल–कूद कर रहे थे।

n[kk vkj fy[kk

- जोहड़ के चित्र को देखो और दिए गए वाक्यों को पूरा करो–
  - जोहड़ में ———————— बच्चे तैर रहे हैं।
  - ———————— की पीठ पर कौआ बैठा है।
  - भैंसें ———————— में तैर रही हैं।
  - जोहड़ के पास दो ———————— बैठी हैं।

vè;kid d fy, lq>ko : बच्चों से पीने के लिए स्वच्छ पानी के महत्त्व पर बातचीत करो। यह भी चर्चा करें कि गाँवों में जोहड व तालाब वर्षा जल संग्रहण के महत्त्वपूर्ण स्थानीय स्रोत हैं। इसमें कपड़े धोने जैसे कार्य नहीं करने चाहिएँ।

अब कल्लू को घर की याद आने लगी। उसका घोंसला स्कूल में पीपल के एक पेड़ पर था। वह अपने घोंसले में पहुँचा। उसे पेड़ की ठंडी छाया बहुत अच्छी लगी। तभी उसने मैदान के एक कोने में कुछ बच्चों को हैंडपंप से पानी पीते हुए देखा। एक बच्चा हैंडपंप चला रहा था।

हैंडपंप

फुटबाल

पेड़

चिड़िया

बच्चे

पानी

fp= n[kk vkj fy[kk

- दिए गए शब्दों को पढ़ो और इनका प्रयोग करके चित्र से संबंधित वाक्य बनाओ–

1. _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____
6. _____

vkj dgk&dgk ikuh

अगले दिन सुबह कल्लू अपने घोंसले से काँव–काँव करता हुआ उड़ चला। रास्ते में उसने कुछ लोगों को एक कुएँ के पास खड़े हुए देखा। उनके हाथों में पानी भरने के कई छोटे–बड़े बर्तन थे। वे अपनी बारी का इन्तज़ार कर रहे थे। सबसे आगे वाला व्यक्ति रस्सी और बालटी से पानी खींच रहा था।

lkpk vkj fy[kk

- तुम्हारे घर में पानी किस समय आता है ?

  _____

- घर में पानी कौन भरता है ?

  _____

- तुम्हारे घर में पानी किसमें भरकर रखते हैं ?

  _____

- घर में पानी भर कर क्यों रखना पड़ता है ?

  _____

vè;kid d fy, ldr : पानी के स्रोत से तात्पर्य है पानी कहाँ से आता है या मिलता है ? पानी की प्राप्ति में सामाजिक भेदभाव पर चर्चा करें। उन्हें बताएँ कि कुछ जगहों पर किसी वर्ग विशेष के लोगों को पानी भरने से रोका जाता है जो ठीक नहीं है।

कुएँ पर कुछ लोगों ने अपने–अपने बर्तनों को धोया और पानी को नाली में जाने दिया। नाली से पानी पास में उगे हुए पेड़–पौधों में चला गया। कौए को यह बात बहुत अच्छी लगी। वह सोचने लगा कि जब ये पेड़–पौधे बड़े हो जाएँगे, तो पक्षी इन पर घोंसला बनाकर रह सकेंगे।

ppk djk

- कल्लू को कुएँ पर पेड़–पौधों में पानी जाने वाली बात अच्छी क्यों लगी होगी ?

,sl k djk

- दिए गए चित्रों को देखो। इनमें पानी के सही उपयोग पर (√) व गलत उपयोग पर (×) का चिह्न लगाओ–

- चित्र में जिन कार्यों पर तुमने (×) का चिह्न लगाया है। यदि उनमें पानी को बर्बाद किया जा रहा है, तो तुम उसे रोकने के लिए क्या सलाह दोगे ?

_____ _____

_____ _____

ikuh dh cpr

अब कल्लू उड़कर एक घर की मुंडेर पर जा बैठा। वहाँ उसने लोकेश को अपनी माँ के साथ बातचीत करते हुए सुना। लोकेश ने गिलास में से एक–दो घूँट पानी पीकर बचा हुआ पानी फ़र्श पर गिरा दिया था। उसकी माँ ने कहा– तुमने पानी फ़र्श पर क्यों फेंक दिया ? पानी को ऐसे बर्बाद नहीं करना चाहिए।

lkpk vkj fy[kk

- क्या तुम भी गिलास में बचे हुए पानी को फेंक देते हो ? यदि नहीं, तो उस पानी का क्या करते हो ?

  ————————————————————————————————

- वह पानी किस काम आ सकता है ?

  ————————————————————————————————

- तुम्हारे घर में फल व सब्ज़ियाँ धोने के बाद, उस पानी को किस काम में लाया जाता है ?

  ————————————————————————————————

तुम सभी स्कूल में पीने के पानी की बोतलें लेकर आते हो। यदि पूरी छुट्टी के बाद सभी अपनी–अपनी बोतलों में बचे हुए पानी को स्कूल में लगे पेड़–पौधों में डालें, तो अनुमान लगाओ कि कितने पानी की बचत होगी।

ckfj'k dk ikuh

क्या तुम जानते हो कि पानी का मुख्य स्रोत बारिश है। यह कभी कम होती है और कभी ज़्यादा। तुमने यह भी देखा होगा कि बारिश होने के कुछ समय बाद खुले मैदानों, पार्कों आदि में पानी ठहरा हुआ दिखाई नहीं देता।

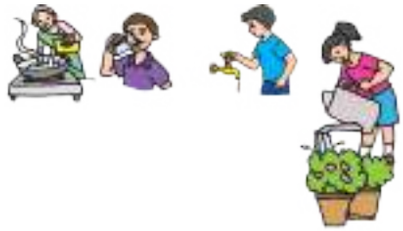

ppk djk

- बारिश का पानी बहकर कहाँ चला जाता है ?
- बारिश के पानी को तुम किस प्रकार इकट्ठा कर सकते हो ?

कम बारिश वाले स्थानों पर वर्षा के जल को इकट्ठा करने के लिए घरों में टैंक बनाए जाते हैं।

बच्चो, अच्छी लगी न कल्लू के साथ, पानी की बात!

वर्षा जल संग्रहण के लिए टैंक

n[kk vkj fy[kk

- दिए गए चित्र को देखो। वर्षा का पानी छत से पाइप द्वारा कहाँ इकट्ठा हो रहा है ?

vkvk ;s Hkh djs

1. अपने घर की किसी दीवार या मुंडेर पर मिट्टी के एक छोटे बर्तन में पानी भरकर रखो। जो पक्षी वहाँ पानी पीने के लिए आएँ, उनके नाम लिखो।

   ____________   ____________   ____________

2. पानी संबंधी कोई गीत या कविता कक्षा में सुनाओ।

vè;kid dk fy, lidr : संभव हो तो बच्चों को किसी जल शोधन संयंत्र पर ले जाकर पानी साफ़ होता हुआ दिखाएँ। चर्चा करें कि सीवर का पानी भी साफ़ करके दुबारा काम में लाया जा सकता है। पानी के सही उपयोग पर भी चर्चा करें। वर्षा जल संग्रहण की विधि समझाएँ। बारिश में मकानों की छतों के पानी को पाइप द्वारा ज़मीन में बने टैंक तक पहुँचाया जाता है और इकट्ठा किया जाता है।

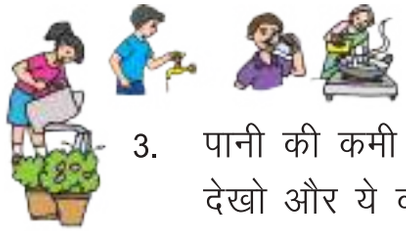

3. पानी की कमी होने के कुछ कारण चित्रों में दिखाए हैं।
देखो और ये कारण दिए गए स्थानों पर लिखो।

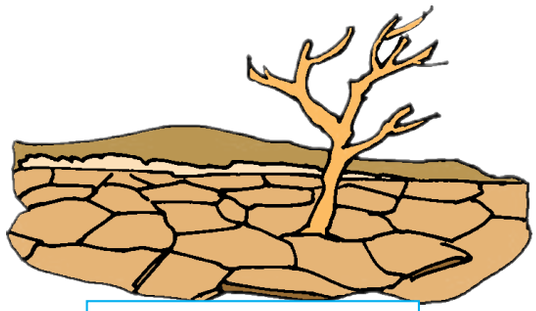

सूखे की स्थिति

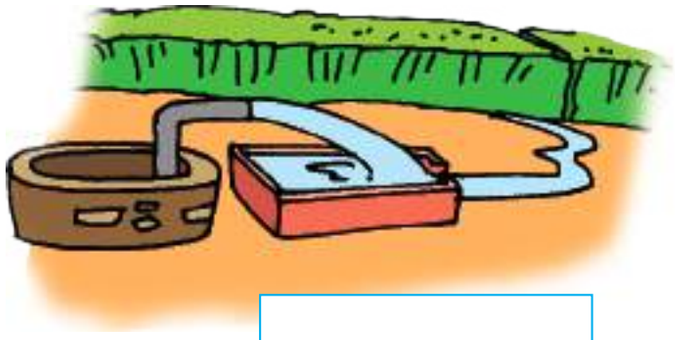

4. पाठ में पानी की बचत संबंधी जो तरीके दर्शाए गए हैं, इन्हें अपनी कॉपी में लिखो।
5. पानी में रहने वाले दो जानवरों तथा पानी में उगने वाले दो पौधों के चित्र बनाकर उनमें रंग भरो। उनके नाम भी लिखो।
6. पानी के विभिन्न स्रोतों के चित्र इकट्ठे करो। उन्हें चार्ट पेपर पर चिपकाओ। नीचे उनके नाम भी लिखो।

2SPHHH

पाठ 12

fjef>e cjls ikuh

lkou vk;k

सावन का महीना है। फुहारें गिर रही हैं। बच्चे बारिश में नहा रहे हैं। बागों में मोर नाच रहे हैं। तालाबों में मेंढक टर्र–टर्र कर रहे हैं। चारों तरफ़ हरियाली ही हरियाली है। तीज का त्योहार है। दीपा अपनी सहेलियों के साथ झूला झूल रही है। झूला झूलते हुए वे सावन का गीत गा रही हैं–

झूला पीपल पर डलवा दो,
रसीला सावन आया रे।
बिजली चमकी बादल गरजे,
छम–छम आई वर्षा।
डाल–डाल पर झूले पड़ गए,
सबका ही मन हरषा।
इंद्रधनुष भी दिखा गगन में,
मन को भाया रे।
झूला पीपल पर डलवा दो,
रसीला सावन आया रे।

– कृष्णलता यादव

,slk djks

- क्या तुम्हें बारिश संबंधी कोई गीत या कविता याद है ? यदि हाँ, तो कक्षा में सुनाओ।

lkpk vkj fy[kk

- दी गई तालिका को देखो। बरसात के दिनों में कुछ बातें अलग होती हैं। इनमें से जो बातें तुम्हें अच्छी लगती हैं, उनके सामने '✓' और जो अच्छी नहीं लगती, उनके सामने '✗' लगाओ।

कपड़े देर से सूखते हैं।	☐	बादल गरजते हैं।	☐
आकाश में इंद्रधनुष दिखाई देता है ।	☐	मोर नाचते हैं।	☐
जगह–जगह पानी भर जाता है ।	☐	आसमान में बिजली चमकती है।	☐
उड़ने वाले कीट अधिक संख्या में हो जाते हैं।	☐	मेंढक टर्राते हैं।	☐
बहते पानी में कागज़ की नाव चलाते हैं।	☐	गलियों में कीचड़ हो जाता है।	☐

- तुम्हें बरसात का मौसम कैसा लगता है ?

  ____

- बरसात के मौसम में तुम कौन–सी चीज़ें खाना पसंद करते हो ?

  ____

- क्या तुमने कभी इंद्रधनुष देखा है ? उसमें कौन–कौन से रंग होते हैं ? लिखो।

  ____

- दिए गए स्थान पर इंद्रधनुष बनाओ और उसमें रंग भरो–

vè;kid d fy, lidr : बच्चों को इंद्रधनुष का चार्ट दिखाकर उसका चित्र बनाने व रंग भरने में मदद करें।

,slk djk

- कागज़ की एक नाव बनाओ और पानी में तैराओ।

fdl&fdl e j[krs ikuh \

दीपा जब झूला झूलकर घर पहुँची, तब उसकी माँ घड़ा, टोकनी, बालटी, ड्रम आदि बर्तनों को धोकर उनमें पानी भर रही थी।

n[kk vkj fy[kk

- चित्रों में बर्तनों को पहचानो और उनके नीचे उनके नाम लिखो।

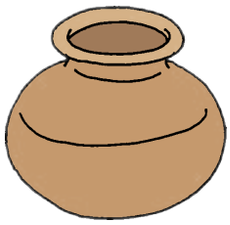

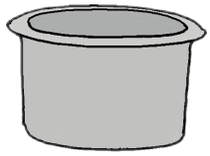

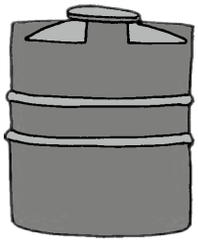

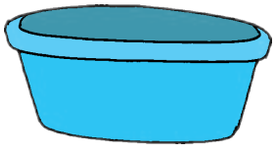

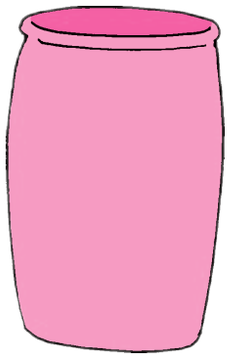

____

____

____

____

____

____

____

____

irk djk

- पानी भरकर रखे जाने वाले ये बर्तन प्रायः किन चीज़ों से बने होते हैं ?

ikuh vkrk fdl&fdl dke \

पानी भरने के बाद दीपा की माँ ने पानी के बर्तन रखने की जगह को साफ़ किया। सभी बर्तनों को ढककर रख दिया। बहुत सारा पानी देखकर दीपा ने माँ से पूछा– इतने पानी का हम क्या करेंगे ? माँ ने बताया– दिनभर के कामों के लिए हमें इतना पानी तो चाहिए ही।

lkpk vkj fy[kk

- तुम्हारे घर में पानी किस–किस काम आता है? गोलों में लिखो–

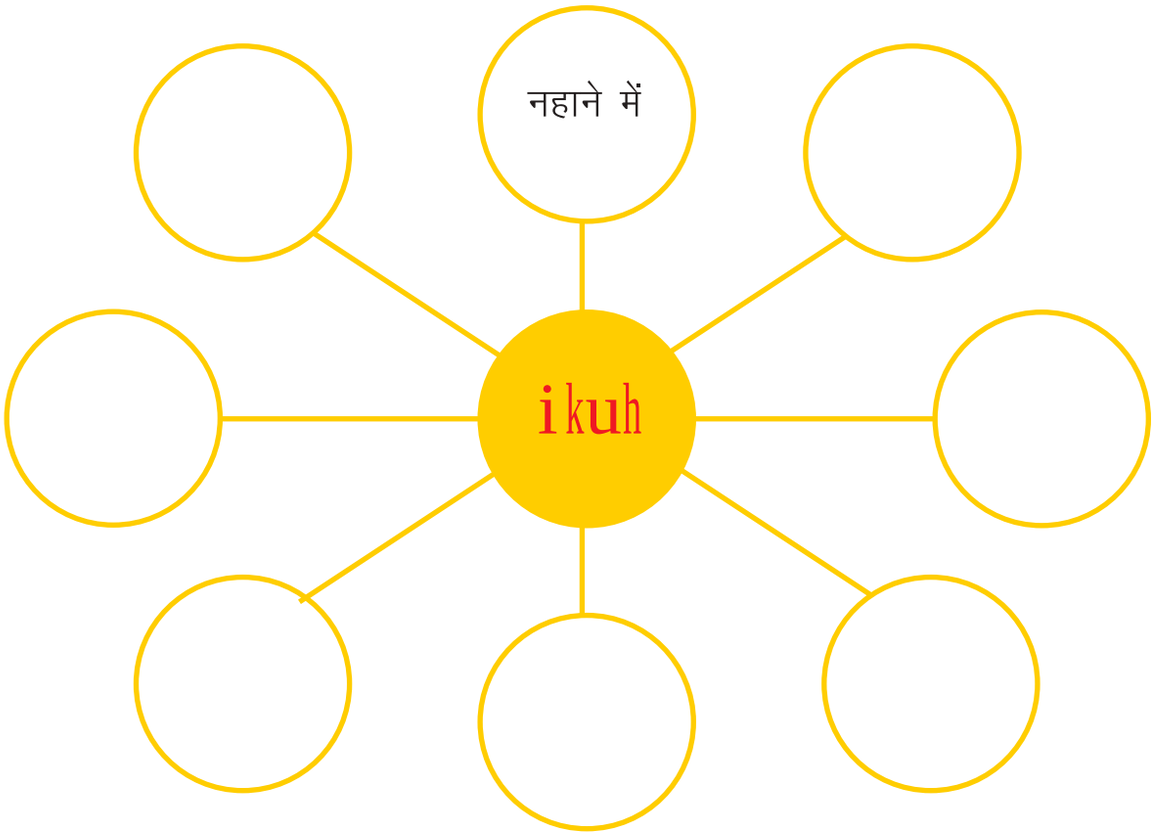

- कुछ काम ऐसे भी हैं, जिन्हें करने के लिए पानी की ज़रूरत नहीं होती। ऐसे कामों की सूची बनाओ–

1. झाड़ू लगाना _____
2. _____
3. _____
4. _____
5. _____
6. _____

vè;kid d fy, ldr : बच्चों से पानी के उपयोग और रख–रखाव के बारे में चर्चा करें।

fdlesa ikuh de] fdlesa T;knk \

अनुमान लगाओ और लिखो कि दिए गए कामों को करने के लिए तुम्हारे घर में एक दिन में कितने पानी की ज़रूरत होती होगी ?

dke	fdruk ikuh \
खाना बनाने में	———————— बालटी
एक व्यक्ति के नहाने में	———————— बालटी
पशुओं को नहलाने में	———————— बालटी
कपड़े धोने में	———————— बालटी
फ़र्श साफ़ करने में	———————— बालटी
पीने के लिए	———————— बालटी
शौचालय में	———————— बालटी

vkvks ;sa Hkh djsa

1. नीचे दिए गए कामों को करने के लिए जिन बर्तनों की ज़रूरत पड़ती है, उनके चित्र बनाओ व रंग भरो।

– पानी पीने के लिए

– स्कूल में पानी ले जाने के लिए

– घर में पीने का पानी भरकर
  रखने के लिए

– नहाने के लिए

– ज़्यादा पानी भरकर रखने के लिए

2. बिंदुदार रेखाओं को मिलाकर प्राप्त आकृतिओ में रंग भरो और उनके नाम लिखो।

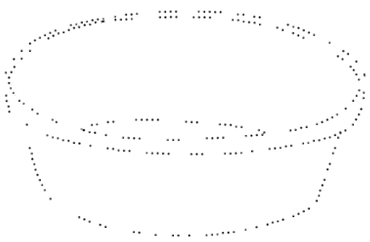

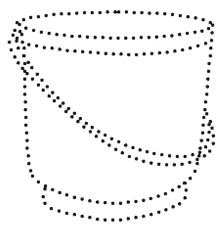

____

____

____

____

____

____

3. नीचे एक वर्ग पहेली दी गई है। इसमें पानी भरकर रखने वाले कुछ बर्तनों के नाम छिपे हैं। इन्हें ढूँढ़कर, इन पर घेरा ( ) लगाओ।

क	क	अ	ल	टो
म	प	टं	की	क
न	म	ट	का	नी
ज	ग	ब	ख	र
ह	स	गि	ला	स

4. पानी की बचत से संबंधित स्लोगन बनाकर दिए गए स्थान पर लिखो–

vkvk ij[k&D;k lh[kk

1. पानी की बचत के कोई दो उपाय बताओ?

_____

2. तुम अपने घर में व घर के आस–पास पानी के कौन से स्रोत देखते हो ✓ का निशान लगाओ।

कुँआ	☐	तालाब	☐	हैंडपंप	☐
नल	☐	नदी	☐	ट्यूबवैल	☐

3. हमें साफ पानी क्यों पीना चाहिए?

_____

2T89KS

f’k{kd d fy,

i:dj.k % vkokl

;g i:dj.k D;ks \

इस प्रकरण को पाठ्यक्रम में रखने का उद्देश्य घर या मकान संबंधी आवश्यकताओं के प्रति बच्चों की समझ बनाना है। व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओं में से घर भी एक आवश्यकता है। घर हमें गर्मी, सर्दी व बरसात आदि से सुरक्षित रखता है। बच्चों को इस तथ्य से अवगत कराना है कि समय, स्थिति और जलवायु में परिवर्तन के कारण घरों के आकार–प्रकार में बदलाव हो रहे हैं। साथ ही घर बनाने की सामग्री में बदलाव देखने को मिलते हैं। बच्चों को दायाँ व बायाँ की अवधारणा में अंतर समझाकर दिशाओं का ज्ञान कराया गया है। रेखाचित्र व नक्शा बनाने के कौशल का विकास करना भी प्रकरण का उद्देश्य है। प्रकरण में इस बात पर भी बल दिया गया है कि घर की साफ़–सफ़ाई भी उतनी ही ज़रूरी है, जितना ज़रूरी घर है।

bl i:dj.k e‍s g‍S D;k \

इस प्रकरण में दो पाठ रखे गए हैं। पहले पाठ में भिन्न–भिन्न प्रकार के घर तथा उनकी निर्माण सामग्री का वर्णन है। घरों पर बदलते मौसम के पड़ने वाले प्रभावों और उनसे जुड़ी समस्याओं की चर्चा की गई है। सफ़ाई का महत्त्व तथा घर को सजाने के कुछ तरीके भी सुझाए गए हैं। दूसरे पाठ में किसी स्थान की भौगोलिक स्थिति व उस स्थान के आस–पास के भवनों, पेड़–पौधों आदि का अध्ययन करके उन्हें रेखाचित्र व मानचित्र द्वारा दर्शाना है।

bl i:dj.k d ikBk dk dl‍ djk,¡ \

- बच्चों से मकान एवं घर के अंतर पर बात करें।
- चर्चा करें कि बच्चे अपने–अपने घरों को किस प्रकार सजाते हैं।
- बच्चों द्वारा देखे गए विभिन्न प्रकार के घरों के बारे में, उनको अपने अनुभव सुनाने के मौके दें।
- परिवेश में मकानों में पाई जाने वाली विविधताओं के कारणों को स्पष्ट करने के लिए विस्तार से बातचीत करें।
- किसी भी रूप में बच्चों के घरों की तुलना न करें।
- कविताओं या क्रियाकलापों द्वारा विभिन्न अवधारणाओं को स्पष्ट करें।
- चर्चा द्वारा स्पष्ट करें – घर की व आस–पास की सफ़ाई तथा कचरे का निपटारा क्यों ज़रूरी है।
- बच्चों द्वारा बनाए गए रेखाचित्रों व मानचित्रों को उसी रूप में स्वीकार करें, प्रतिकूल टिप्पणी न दें।
- विभिन्न प्रकार के आवासों के चित्र दिखाएँ।

पाठ 13 ejk ?kj gS cgqr I;kjk

35LI2C

सुबह से ही स्कूल में बहुत चहल–पहल है। आखिर क्यों न हो! आज गर्मी की छुट्टियों के बाद बच्चों का स्कूल में पहला दिन है। सभी छुट्टियों की बातें कर रहे हैं। तुम भी इन बच्चों की बातें सुनो।

dPp&iDd ?kj

xjnhi– मैं तो छुट्टियों में अपनी नानी के गाँव गया था। वहाँ रहने में बड़ा मज़ा आया। नानी के घर के आस–पास बहुत सारे मिट्टी और घास–फूस से बने घर थे। नानी ने बताया कि वे कच्चे घर हैं। मैंने भी अपनी बहन के साथ एक छोटा–सा कच्चा घर बनाया था। देखो, मेरे पास उसकी तस्वीर भी है।

fdj.k – वाह! यह तो एकदम असली घर लगता है। इसे तुमने किन चीज़ों से बनाया था ?

xjnhi – हमने यह मिट्टी, घास–फूस, लकड़ी व बोरी के टुकड़ों से बनाया था।

jthr – वाह! कितना मज़ा आया होगा, घर बनाने में।

xjnhi – बहुत मज़ा आया था। हमने तो इस घर से 'घर–घर' का खेल भी खेला था।

lkpk vkj fy[kk

- क्या तुमने कभी मिट्टी से बने घर देखे हैं ? यदि हाँ, तो कहाँ पर ?

____

- मिट्टी के अलावा, उन्हें और किन चीज़ों से बनाते हैं ?

____

ppk djk

- वर्षा होने पर कच्चे मकानों में क्या मुश्किलें आती होंगी ?
- कच्चे मकानों के फ़र्श व दीवारों को कैसे साफ़ किया जाता होगा ?

Åph bekjr

jithr – मंजु, तुम छुट्टियों में कहाँ गई थी ?

eit – मैं अपने चाचाजी के घर गुड़गाँव गई थी। मेरे चाचाजी वहाँ नौकरी करते हैं। पता है, उनका घर हमारे घर जैसा नहीं है।

jithr – अच्छा! फिर कैसा है ?

eit – उनका घर एक बहुमंज़लीय इमारत में था। उस इमारत में बारह मंज़िलें थीं। चाचाजी का घर पाँचवीं मंज़िल पर था। उन्होंने बताया कि इन घरों को 'फ़्लैट' कहते हैं। पाँचवीं मंज़िल पर चढ़ते–चढ़ते मेरी तो साँस ही फूल गई थी। मैं अपनी मर्ज़ी से सीढ़ियों से गई थी। वहाँ लिफ़्ट भी लगी थी। फ़्लैट की बालकनी से नीचे देखने पर गाड़ियाँ, मकान और लोग सब छोटे–छोटे दिखाई देते थे।

vè;kid d fy, l|dr : बच्चों को बताएँ कि स्थान की कमी, महँगी ज़मीन और बढ़ती जनसंख्या के कारण बहुमंज़लीय इमारतें बनाई जाती हैं। इन इमारतों में एक मंज़िल से दूसरी मंज़िल पर जाने के लिए सीढ़ियों और लिफ़्ट का प्रयोग किया जाता है।

irk djk vkj fy[kk

● ये घर किन–किन चीज़ों से बने हैं ?

कच्चा घर	पक्का घर	तुम्हारा घर
____________	____________	____________
____________	____________	____________
____________	____________	____________

dl&dl ?kj \

jtuh – मैं तो अपने भाई और माँ के साथ पिताजी से मिलने कश्मीर गई थी।

lbnk – तुम्हारे पिताजी तो फ़ौज में हैं न ?

jtuh – हाँ, आजकल वे कश्मीर में हैं। वहाँ जाने के लिए हमें ट्रेन से बहुत लंबा सफ़र करना पड़ा। रास्ते में मैंने बहुत–से पहाड़ी गाँव देखे। वहाँ के घर पत्थर और लकड़ी आदि से बने थे। छतें ढलवाँ थीं। सभी घर बहुत सुंदर दिखाई दे रहे थे।

lkpk vkj fy[kk

● पहाड़ी स्थानों पर घरों की छतें ढलवाँ क्यों होती हैं ?

____

vè;kid d fy, ldr : बच्चों को बताएँ कि पहाड़ों पर लकड़ी और पत्थर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होते हैं। इसीलिए घर बनाने में इनका इस्तेमाल किया जाता है।

,slk djk

- दिए गए बॉक्स में किसी पहाड़ी स्थान पर बने घर का चित्र बनाओ और उसमें रंग भरो।

uko eas ?kj

jtuh – बहुत दिनों के बाद पापा से मिलना बहुत अच्छा लगा। पापा हमें डल झील पर ले गए। वहाँ मैंने देखा कि कुछ लोगों ने नावों पर घर बना रखे थे। पापा ने बताया कि ऐसे घरों को हाउसबोट कहते हैं।

हाउसबोट

iquhr – मैं भी पिछले साल कश्मीर गया था। हमने डल झील पर शिकारे में सैर की थी।

jtuh – हाँ, शिकारे तो बहुत अनोखे थे।

शिकारा

lkpks vkSj fy[kks

- अगर तुम्हारे पास हाउसबोट हो, तो तुम उसका क्या नाम रखोगे ?

____

ppkZ djks

- सर्दियों में जब डल झील का पानी जम जाता है, तो हाउसबोट में रहने वाले लोग क्या करते होंगे ?

vè;kid d fy, ladsr : बच्चों को बताएँ कि अत्यधिक ठंड या बर्फ़ पड़ने पर डल झील का पानी अक्सर जम जाता है।

diMs ls cuk ?kj

jtuh – हम अपने मामाजी से भी मिलने गए थे। वे भी फ़ौज में हैं। मामाजी अपने साथियों के साथ एक तंबू में रह रहे थे।

iquhr – क्या वैसा ही तंबू, जैसा हम 'घर–घर' खेलने के लिए बनाते हैं ?

jtuh – हाँ, कुछ–कुछ वैसा ही। वे बहुत मोटे कपड़े से बने होते हैं जिससे बारिश का पानी अंदर न आने पाए। उसमें दरवाज़ा भी कपड़े का था।

vc crkvks

- टेंट या तंबू किन चीज़ों से बनता है ?
- क्या टेंट को एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकते हैं ?

ppkZ djks

- क्या तुमने कभी चादर, दुपट्टे या साड़ी से टेंट बनाकर कोई खेल खेला है ? यदि हाँ, तो उसके बारे में कक्षा में चर्चा करो।

pyrk&fQjrk ?kj

jtuh – मोहित, तुम कहाँ गए थे ?

eksfgr – मैं अपनी मौसी के घर उदयपुर गया था। मैं और मेरी मौसी का बेटा रोज़ाना पास वाले मैदान में क्रिकेट खेलने जाते थे। एक दिन हमने देखा कि उस मैदान में बहुत–से लोग रहने के लिए आ गए। उनके घर तो बहुत ही अजीब तरह के थे। उनका पूरा घर लोहे के एक गाड्डे में ही सिमटा हुआ था। वे उसी में रहते थे।

j t uh – वे ऐसा क्यों करते हैं ?

ekfgr – मौसी ने बताया कि वे घुमंतू या खानाबदोश परिवार हैं। वे काम की तलाश में एक जगह से दूसरी जगह घूमते रहते हैं। जब एक स्थान पर काम मिलना बंद हो जाता है, तो वे अपने गाड़ु लेकर दूसरे स्थान की ओर निकल पड़ते हैं।

feyku djk

1. घुमंतू परिवार
2. कपड़े से बना
3. पानी
4. बड़े शहर
5. गाँव

l tk;k viuk ?kj

ekfgr – ममता, तुम कहाँ गई थी ?

eerk – मैं तो कहीं नहीं गई, परंतु मैंने घर पर ही बहुत मज़े किए।

ekfgr – अच्छा! हमें भी तो बताओ, क्या मज़े किए ?

eerk – मेरी छोटी बहन का पहला

जन्मदिन था। बहुत से रिश्तेदार हमारे घर आए थे। हम सबने मिलकर घर को सजाया। मैंने भी घर को सजाने में मदद की। हमने आम के पत्तों की बंदनवार बनाकर घर के मुख्य द्वार पर लगाई।

lkpk vkj fy[kk

- तुम अपने घर की साफ़–सफ़ाई में किस प्रकार मदद करते हो ?

  _____

- क्या तुमने भी कभी अपना घर सजाया है, यदि हाँ, तो कब–कब ?

  _____

- तुम किन चीज़ों से अपना घर सजाते हो ?

  _____

- क्या तुमने कभी अपने हाथों से बनाई चीज़ों से अपने घर को सजाया है ? यदि हाँ, तो किन चीज़ों से ?

  _____

- इन चित्रों में दिखाए गए कामों में से जो काम तुम भी करते हो, उन पर (✓) का निशान लगाओ।

irk djk vkj fy[kk

- तुम्हारे घर का कूड़ा–कर्कट कहाँ डाला जाता है ?

_____

ppk djk

- अगर सारे कूड़े–कर्कट को खुले में फेंक दिया जाए, तो क्या होगा ?

vkvk ;s Hkh dj

1. नीचे एक घर का चित्र बना है। इसे अपने तरीके से सजाओ।

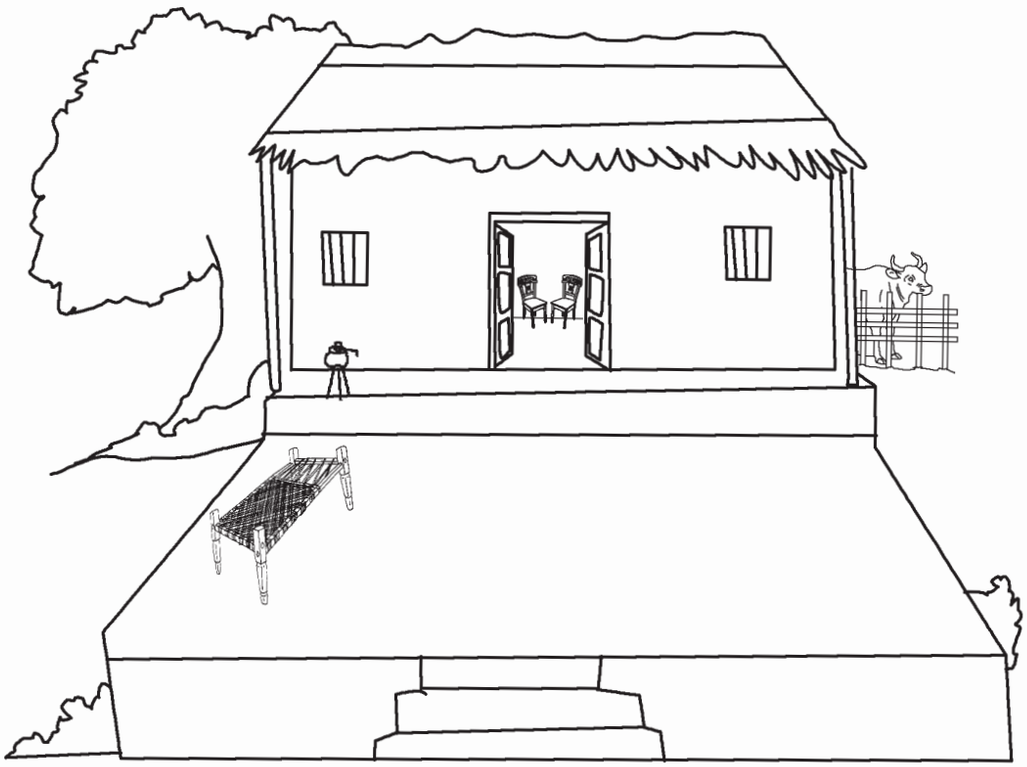

2. अपनी कल्पना से एक ऐसे मकान का चित्र बनाओ जिसमें पहिए लगे हों।

3. कागज़ से घर बनाओ :

– एक चौकोर कागज़ लो और उसे चित्र के अनुसार चार बराबर हिस्सों में बाँटो।

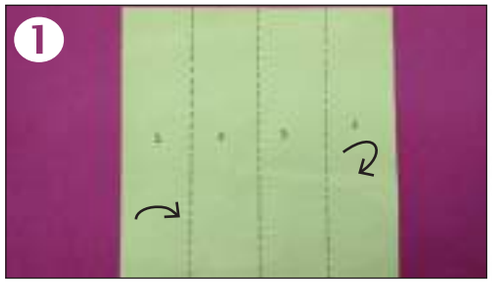

– पहले हिस्से को आगे की तरफ़ और चौथे हिस्से को पीछे की तरफ़ मोड़ो ।

– ऊपर और नीचे के चौथाई हिस्सों को बीच की तरफ़ मोड़ो।

– अब इसे घड़ी की दिशा में घुमाओ और किनारों पर 'क' और 'ख' लिखो।

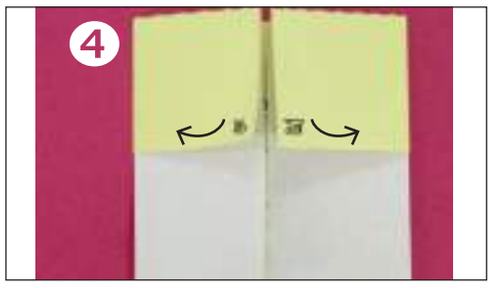

– 'क' और 'ख' कोनों को बाहर की तरफ़ खींचो।

– अब इसे पलट दो। लो, हो गया घर तैयार। इसमें दरवाज़ा और खिड़कियाँ पेन से बनाओ।

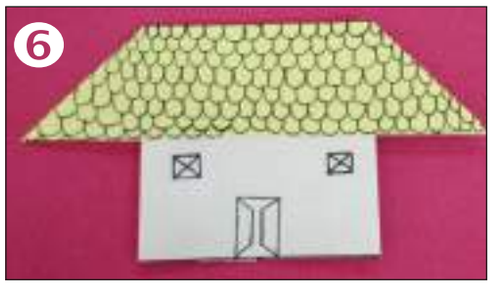

35VE3Z

पाठ 14 nk,¡&ck,¡] pkj fn'kk,¡

365A5H

j¦yh dh r¦;kjh

राहुल के स्कूल में आज 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरुआत की जानी है। सभी बच्चे रैली निकालने गाँव में जाएँगे। राहुल और उसके साथी रैली के लिए पोस्टर बना रहे हैं। कुछ बच्चों ने कागज़ पर नारे लिखे हैं।

अध्यापिका ने बताया कि रैली आधी छुट्टी के बाद निकाली जाएगी। रैली के लिए सब बच्चे स्कूल के दाईं ओर वाले रास्ते से जाएँगे।

dfork – मैडम, दाईं ओर का मतलब सीधा हाथ है न, जिससे हम लिखते हैं।

vè;kfidk – हाँ।

lhek – मैडम, मैं तो बाएँ हाथ से लिखती हूँ, तो क्या मैं बाईं तरफ़ जाऊँगी ?

vè;kfidk – चलो, रैली से पहले हम दाएँ व बाएँ को समझ लें।

अध्यापिका ने इकबाल को बुलाया। उसका एक हाथ श्यामपट्ट (ब्लैकबोर्ड) पर रखवाकर, उस हाथ का रेखाचित्र बनाया। फिर बच्चों को बताया कि यह इकबाल के दाएँ हाथ का चित्र है।

,lk djk

यहाँ एक हाथ का चित्र बना है। इस पर अपना हाथ रखो। अँगूठे पर अँगूठा और उँगलियों पर उँगलियाँ।

तुमने अपना जो हाथ चित्र पर रखा है, वह तुम्हारा दायाँ हाथ है।

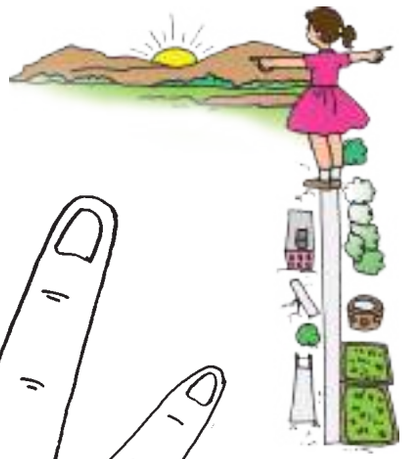

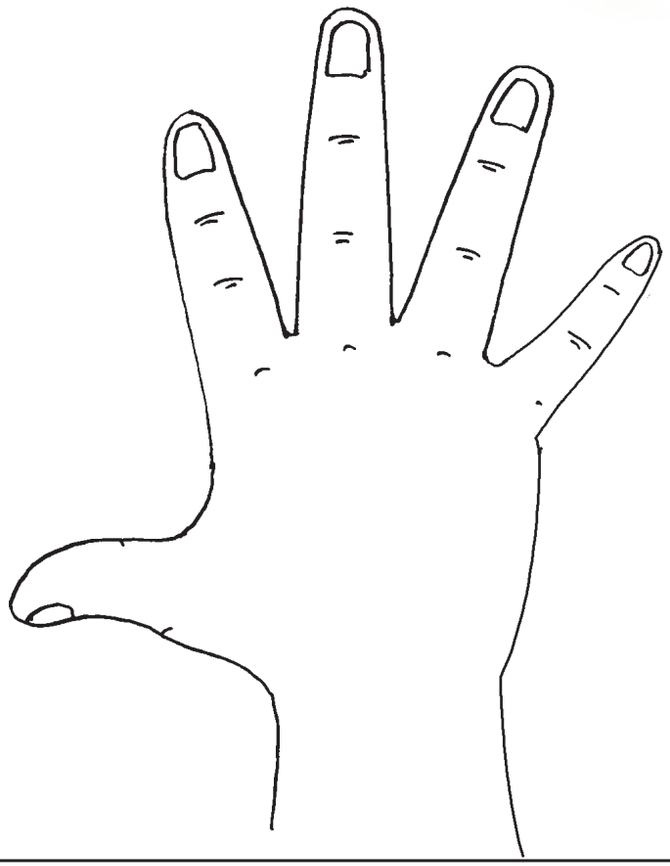

अब अपना दूसरा हाथ इस खाने में रखो। अपने दाएँ हाथ से उसके किनारे–किनारे पेंसिल चलाकर चित्र बनाओ–

यह तुम्हारा बायाँ हाथ है।

n[kk vkj fy[kk

- अपनी बाईं ओर बैठे बच्चे का नाम ।

  _____

- अपनी दाईं ओर बैठे बच्चे का नाम ।

  _____

- तुम्हारी अध्यापिका तुम्हारे किस ओर खड़ी हैं ?

  _____

vè;kfidk – दाएँ व बाएँ को समझने के बाद अब हम दिशाओं के बारे में जानेंगे। यदि हम उगते हुए सूरज की तरफ़ मुँह करके खड़े हों, तो हमारे सामने पूर्व दिशा, पीठ के पीछे पश्चिम दिशा, बाएँ हाथ की ओर उत्तर दिशा और दाएँ हाथ की ओर दक्षिण दिशा है।

fn'kk,¡

सूरज उगता रोज़ जिधर से,
पूर्व दिशा कहलाती।
ठीक हमारे पीछे वाली,
पश्चिम जानी जाती।
बाईं ओर हमारे उत्तर,
दक्षिण होती दाएँ।
चार दिशाओं की दुनिया में,
हम सब महिमा गाएँ।

–घमंडीलाल अग्रवाल

vè;kid d fy, l|dr : बच्चों को खुली जगह में लेकर जाएँ। उनका मुँह पूर्व दिशा की ओर करवाकर ऊपर दी गई कविता बुलवाएँ। दिशाएँ याद करवाने के लिए बच्चों को बताएँ –

n → दायाँ हाथ (सीधा हाथ) → दक्षिण दिशा

m → उलटा हाथ (बाँया हाथ) → उत्तर दिशा

lkpk vkj fy[kk

- यदि तुम्हारा मुँह उगते हुए सूरज की ओर है, तो तुम्हारे –

  सामने ..... दिशा है।

  पीछे ..... दिशा है।

  दाएँ..... दिशा है।

  बाएँ..... दिशा है।

सब बच्चे मिलकर कविता गा रहे थे। तभी आधी छुट्टी की घंटी बजी। बच्चे जल्दी–जल्दी बाहर जाने लगे।

अध्यापिका ने कहा – आधी छुट्टी खत्म होते ही सभी बच्चों को रैली के लिए जाना है। रैली के दौरान, रास्ते में आने वाली सभी जगहों, जैसे– कुआँ, अस्पताल, दुकानें, पार्क आदि पर भी ध्यान देना। कहाँ–क्या आया, यह भी याद रखना है।

रैली निकालते हुए बच्चे ज़ोर–ज़ोर से नारे लगा रहे थे। साथ ही, रास्ते में आने वाली सभी चीज़ों को ध्यान से देख भी रहे थे।

lkpk vkj fy[kk

- अपने घर से स्कूल तक के रास्ते में तुम जिन जगहों को देखते हो, उनकी सूची बनाओ।

1	5
2	6
3	7
4	8

pyk] cuk,¡ fp=

अगले दिन अध्यापिका ने पूछा– बच्चो, कल स्कूल के गेट से निकलकर हमने किस ओर से रैली शुरू की थी ?

bdcky – दाईं ओर से।

vè;kfidk – शाबाश! आगे चलने पर तुम्हारे बाईं ओर क्या आया था ?

eku – अस्पताल।

vè;kfidk – बहुत अच्छे। और दाईं तरफ ?

e t – बस स्टॉप।

vè;kfidk – बिलकुल ठीक! अब इन दोनों के चित्र ब्लैकबोर्ड पर बनाते हैं।

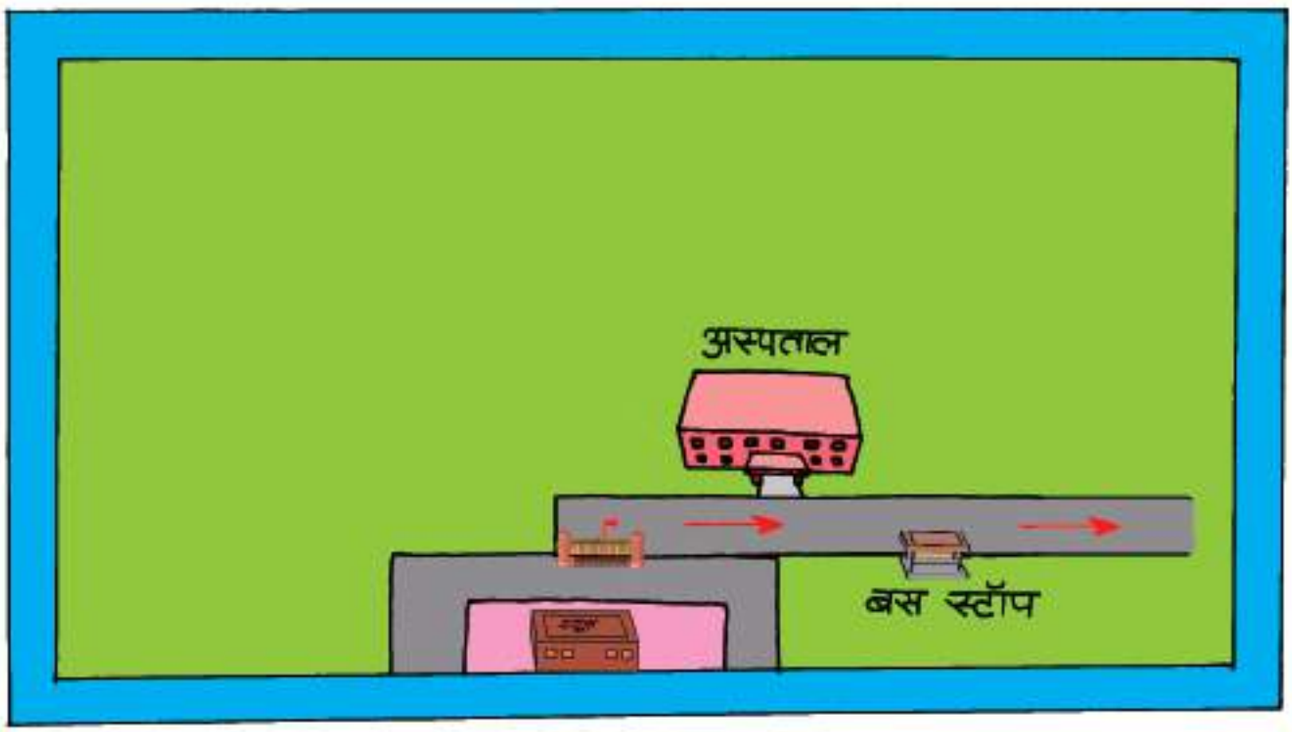

vè;kfidk – आगे जाकर, बाईं ओर मुड़ने पर और क्या–क्या आया था ?

eku – पहले पार्क आया था, फिर गोलू हलवाई की दुकान ।

lj'k – फिर बाएँ मुड़ने के बाद आए थे, बहुत से घर और एक कुआँ।

jtuh – उसके बाद हमने बैंक, डाकघर और बहुत से खेत देखे थे।

vè;kfidk – एकदम सही! और फिर आम के बाग से बाईं ओर मुड़कर हम वापस अपने स्कूल पहुँच गए थे।

आओ, अब इन सब को भी ब्लैकबोर्ड पर बनाते हैं।

vè;kfidk – लो ! यह बन गया हमारे स्कूल के आस–पास का चित्र!

n[kk vkj fy[kk

- ऊपर दिए गए चित्र में दर्शाए गए स्थानों की सूची बनाओ–

1	6
2	7
3	8
4	9
5	10

dl igpku txgk dk \

- अगर इन सभी स्थानों को चिह्नों द्वारा दिखाएँ, तो ऐसे चित्र को रेखाचित्र या नक्शा कहते हैं। आओ अब पहले बनाए चित्र का नक्शा बनाते हैं। पिछले चित्र में दिखाए गए सभी स्थानों के चिह्न इस तालिका में बनाए गए हैं।

rkfydk

oLr,@LFkku	fpgu
ndku	
cd	
Ldy	
ikd	
?kj	
[kr	

oLr,@LFkku	fpgu
vke dk ckx	
vLirky	
cl LVki	
Mkd?kj	
dvk	

- इनमें से कुछ स्थानों को उनके चिह्नों के द्वारा नीचे बने रेखाचित्र/नक्शे में दर्शाया गया है। शेष स्थानों को भी इनके चिह्नों द्वारा दर्शाओ और इस रेखाचित्र को पूरा करो।

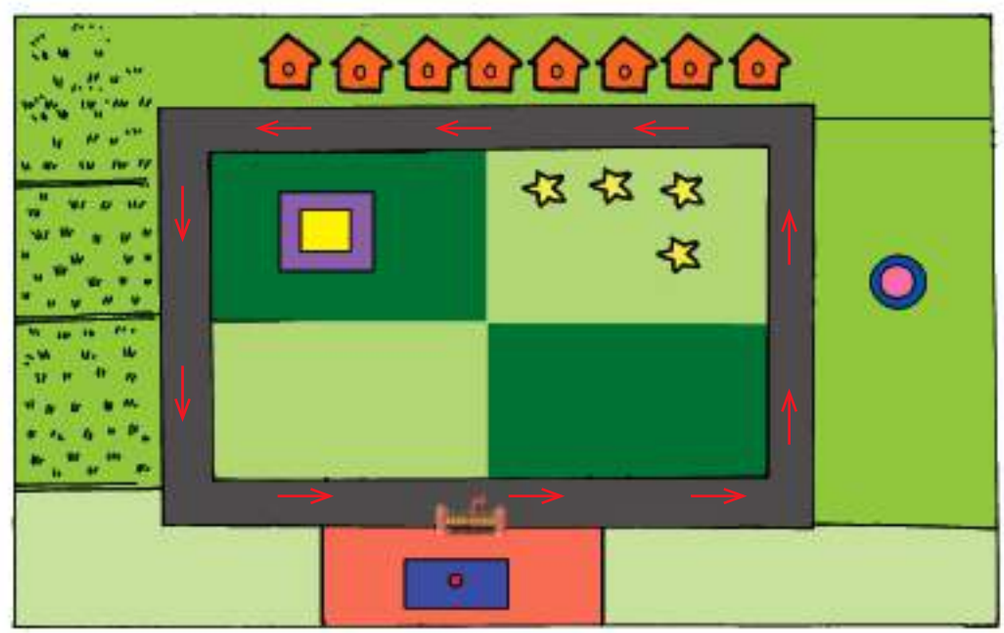

vkvk ;s Hkh djsa

1. दिशाएँ पहचानो और लिखो :

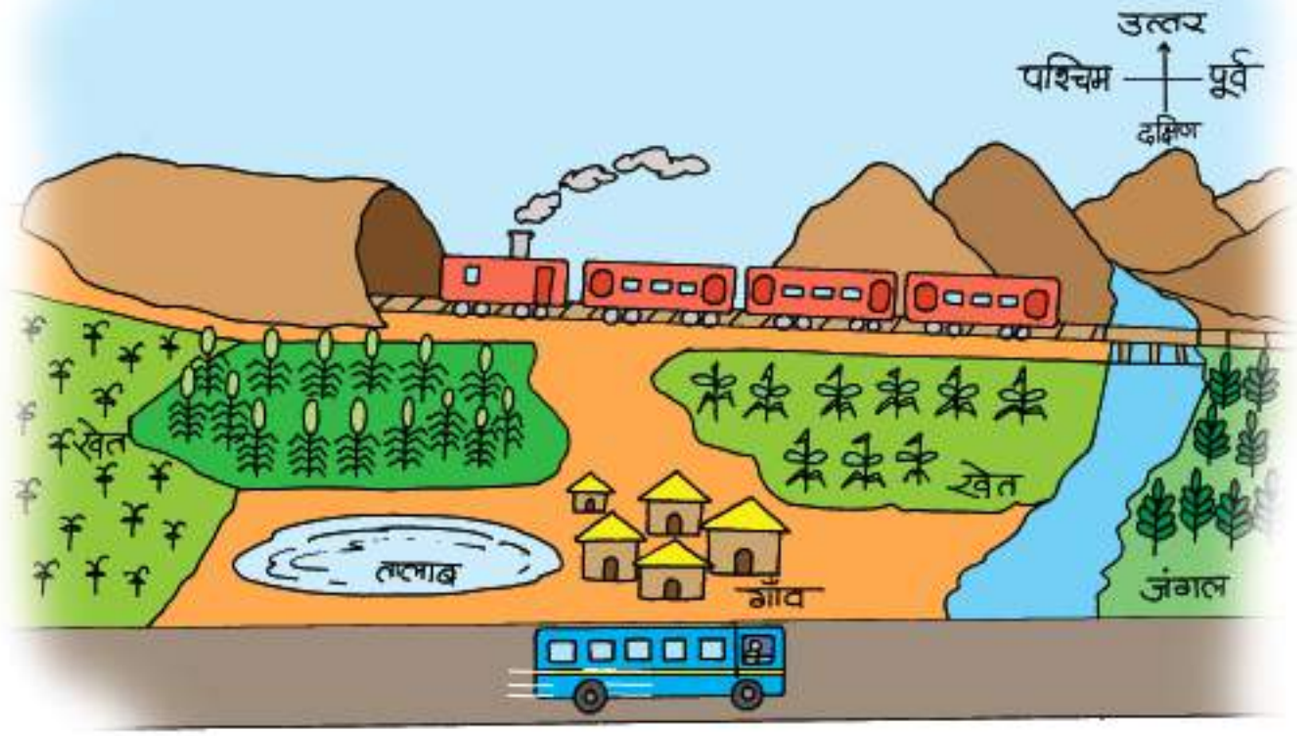

चित्र में दिए गए दिशा–संकेतक के अनुसार –

– रेलगाड़ी किस दिशा में जा रही है ?

_____

– बस किस दिशा में जा रही है ?

_____

– जंगल की किस दिशा में पहाड़ है ?

_____

– गाँव पहाड़ की किस दिशा में है ?

_____

_____

2. n[kk vkj fy[kk %

– खिड़की अध्यापिका के किस ओर है ?

_____

_____

– अध्यापिका के दाईं ओर वाले समूह में कितने बच्चे बैठे हैं ?

_____

– अध्यापिका के बाईं ओर वाले समूह में कितने बच्चे बैठे हैं ?

_____

– कक्षा के चित्र का रेखाचित्र दिए गए स्थान में बनाओ। इसके लिए तालिका में दिए गए चिह्नों का प्रयोग करो।

uke	fpgu
बच्चा	
अध्यापिका	
खिड़की	
ब्लैकबोर्ड	

3. तालिका में कुछ वस्तुओं और स्थानों के नाम दिए गए हैं। इनके लिए अपनी पसंद के चिह्न बनाओ–

uke	fpgu
दरवाज़ा	
पेड़	
गमला	
कुर्सी	
मेज़	
पानी पीने की जगह	
खिड़की	

vkvk ij[k&D;k lh[kk

1. उगते हुए सूरज को देखकर दिशाओं का पता कैसे लगाया जा सकता है?

_____

2. आजकल शहरों में बहुमंजलीय इमारतें क्यों बनाई जाने लगी हैं? कोई दो कारण लिखें।

_____

3. घर की साफ–सफाई के लिए किए जाने वाले कोई तीन कार्य लिखें।

_____

शिक्षक के लिए

प्रकरण : यातायात एवं संचार

यह प्रकरण क्यों ?

इस प्रकरण को पाठ्यक्रम में रखने का उद्देश्य बच्चों से यातायात एवं संचार के विभिन्न साधनों के बारे में चर्चा करके उनके अनुभव जानना है। यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने जीवन में यातायात एवं संचार के साधनों का अवलोकन करें तथा नई–नई जानकारियाँ व सूचनाएँ प्राप्त करें। भ्रमण के दौरान अपरिचित लोगों से बातचीत करके मेलजोल बढ़ाने में सक्षम हो सकें। संचार स्थापित करने में सांकेतिक भाषा का महत्त्व समझकर उसे प्रयोग करें। यातायात के नियमों को जानकर उन्हें व्यवहार में लाएँ।

इस प्रकरण में है क्या ?

इस प्रकरण में दो पाठ हैं। पहला पाठ यात्रा–वृत्तांत विधा पर आधारित है। प्रश्नोत्तरों तथा क्रियाकलापों द्वारा बच्चों में यातायात एवं संचार के साधनों की समझ विकसित करने की कोशिश की गई है। डाक द्वारा पत्र भेजने की संपूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराया गया है। बच्चों को संचार के लिए सांकेतिक भाषा समझने एवं उसे प्रयोग करने के समुचित अवसर दिए गए हैं।

इस प्रकरण के पाठों को कैसे कराएँ ?

- बच्चों को जिन वाहनों में बैठने का अनुभव है, उन पर उनसे बातचीत करें। प्रत्येक बच्चे को अनुभव सुनाने के अवसर दें।
- बच्चे जिन वाहनों में नहीं बैठे हैं, उनके चित्र दिखाएँ। यदि संभव हो, तो उन वाहनों को प्रत्यक्ष रूप से भी दिखाएँ।
- यातायात के साधनों के चित्र इकट्ठे करवाकर कॉपी में चिपकवाएँ।
- संचार से जुड़ी अवधारणा को बच्चों से जुड़े अनुभवों से शुरू करें। जैसे – घर के सदस्यों के साथ इशारों में बातचीत, कम सुनने वालों से बातचीत आदि।
- जिन क्रियाकलापों को पुस्तक में करने को कहा गया है, उन्हें वहीं कराएँ।
- यातायात के साधनों और संचार के साधनों में अंतर स्पष्ट करें और इनके उदाहरण बताने के लिए कहें।
- बच्चों से उनके द्वारा की गई किसी यात्रा का वृत्तांत संक्षेप में कॉपी में लिखवाएँ।
- यह समझ विकसित करें कि यातायात व संचार के साधनों से दूरियाँ कैसे कम हुई हैं ?
- खिलौना बस बनाने में बच्चों का मार्गदर्शन करें।

पाठ 15

de gbl nfj;k

36N28X

बच्चो, याद करो, पिछले एक साल में तुम्हें कहाँ–कहाँ घूमने का मौका मिला है ? वहाँ तुम किस–किस साधन से गए थे ? दिए गए चित्र में साधन पर (√) का निशान लगाओ।

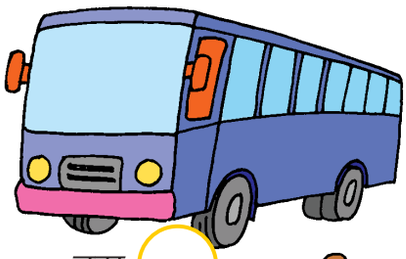

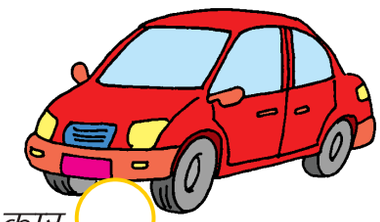

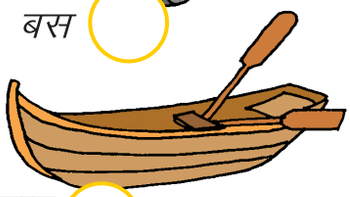

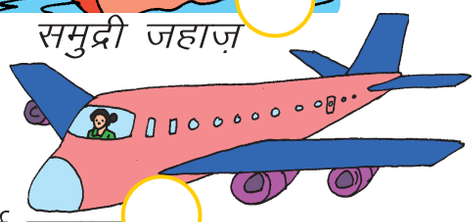

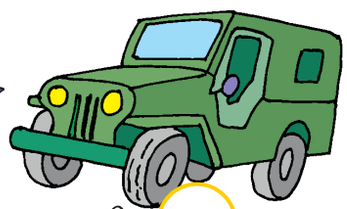

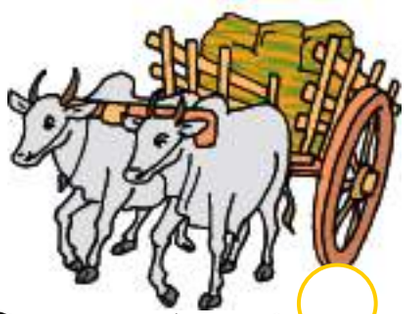

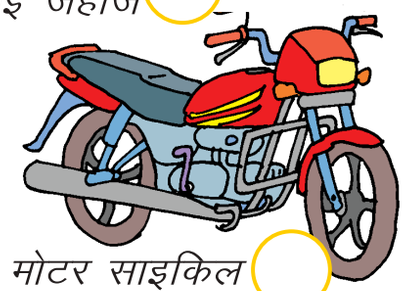

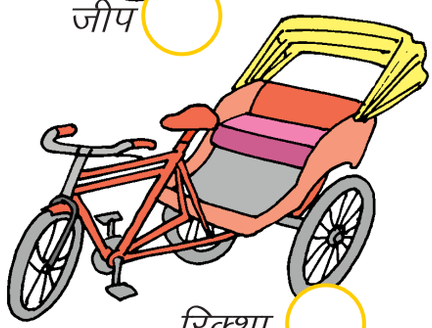

fp= n[kk vkj fy[kk

- अगर तुम्हें घर के पास किसी स्थान पर जाना हो, तो इनमें से किस साधन से जाओगे ?

_____

- अगर दूर गाँव या शहर में जाना हो, तो इनमें से किस साधन से जाओगे ?

_____

ppk djk

- किन–किन कारणों से लोगों को घर से दूर जाना पड़ता है ?

dkey d ekek dh ‘kknh

कोमल अपने मामा की शादी में बैंगलूरू गई। वह, उसके माता–पिता और छोटी बहन ऑटोरिक्शा से रोहतक बस–अड्डे गए। बस–अड्डे पर बहुत–सी बसें खड़ी थी। टिकट लेकर वे दिल्ली जाने वाली बस में बैठ गए।

lkpk vkj fy[kk

- क्या तुमने कभी बस से यात्रा की है ? यदि हाँ, तो कहाँ की ?

_____

_____

- तुम्हें बस से सफ़र करना कैसा लगा ?

____

- बस–अड्डे पर क्या देखा ?

____

- सफ़र करते हुए रास्ते में क्या देखा ?

____

लगभग एक घंटे बाद जब उनकी बस मुंडका पहुँची, तो उन्होंने वहाँ ऊँचे पुल पर चल रही मैट्रो ट्रेन देखी। दिल्ली बस–अड्डे पर पहुँच कर उन्होंने रेलवे स्टेशन के लिए ऑटोरिक्शा लिया। स्टेशन की टिकट खिड़की पर लंबी लाइन लगी थी। लेकिन कोमल के पापा ने तो पहले से ही आरक्षण करवा लिया था। वे अपने सामान सहित एक्सप्रेस ट्रेन में बैठ गए।

vè;kid d fy, l¦dr : बच्चों को आरक्षण के बारे में बताएँ।

igpk rk tkuk

- नीचे दर्शाए गए वाहनों को उनके ठहरने के सही स्थान पर पहुँचाओ और उस स्थान का नाम लिखो।

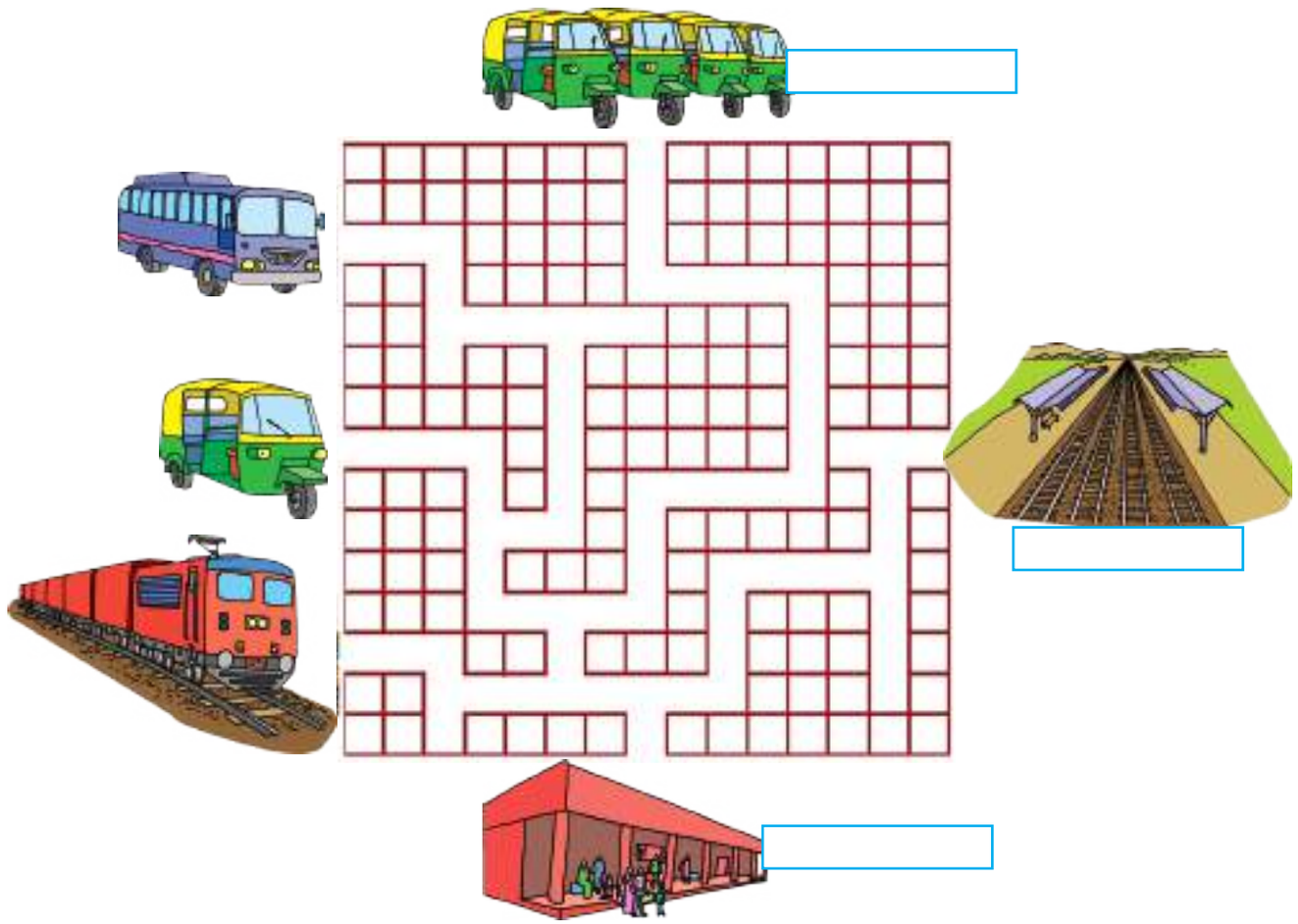

lQj jyxkMh l

नई दिल्ली से चलने के लगभग दो घंटे बाद उनके डिब्बे में टिकट चैकर आया और उसने सभी के टिकट देखे। रेलगाड़ी तेज़ी से जा रही थी। ऐसा लग रहा था, जैसे पेड़–पौधे, पहाड़, बिजली के खंभे आदि पीछे की ओर भाग रहे हैं। नदी पर बने पुल से गुज़रते समय धड़–धड़ की आवाज़ आने लगी। कोमल और उसकी बहन तो डर ही गईं थी। कोमल ने पापा से पूछा, वे बस से क्यों नहीं आए ? पापा ने बताया–नई दिल्ली से बैंगलूरू लगभग दो हज़ार किलोमीटर दूर है। इसलिए हम रेलगाड़ी से जा रहे हैं। यह बस से जल्दी पहुँचाती है। वैसे तो हम हवाई जहाज़ से भी जा सकते थे। वह रेलगाड़ी से भी जल्दी पहुँचाता है। लेकिन हवाई जहाज़ का किराया बहुत अधिक होता है।

lkpks vkSj fy[kks

- यातायात के इन साधनों को धीमी गति से तेज़ गति के क्रम में लिखो–

1. हवाई जहाज़ 2. मोटरसाइकिल 3. ऑटोरिक्शा
4. साइकिल 5. रेलगाड़ी 6. बैलगाड़ी

1. ____________ 2. ____________ 3. ____________
4 ____________ 5. ____________ 6. ____________

बैंगलूरू स्टेशन पर कोमल के मामा उन्हें कार से लेने आए थे। कुछ देर बाद वे नानाजी के घर पहुँचे। उसके मामा की शादी बैंगलूरू के पास एक गाँव में तय हुई थी। यह गाँव समुद्र के किनारे पर है। उन्हें वहाँ बारात में जाना था। गाँव जाते समय रास्ते में उन्होंने छोटी–बड़ी नाव और समुद्री जहाज़ देखे। शादी के बाद कुछ दिन बैंगलूरू घूमकर वे घर वापस आ गए।

vkvks ;s Hkh djsa

1. अपने घर से नाना के घर तक कोमल ने आने–जाने (यातायात) के कौन से साधन देखे ? लिखो।

____

____

2. चित्र में रंग भरो–

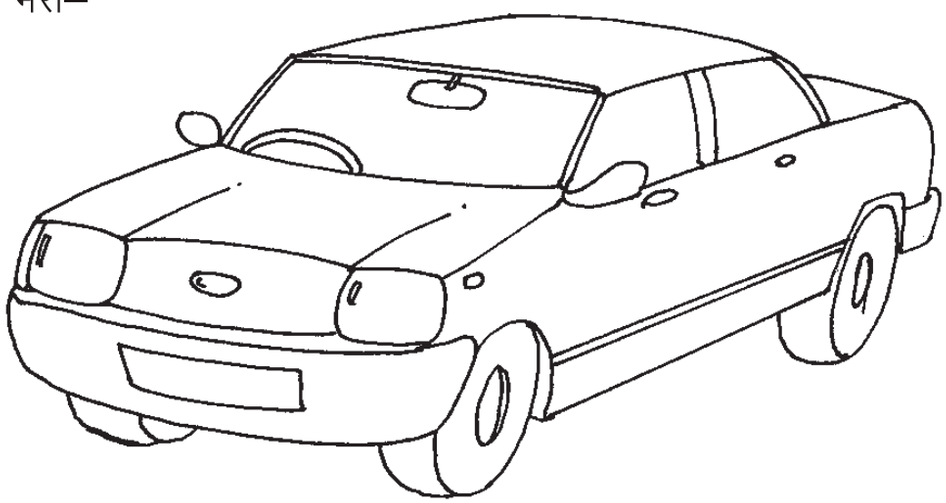

3. वाहनों के अधिक शोर को रोकने के लिए क्या किया जा सकता है? कोई दो तरीके कॉपी में लिखो।

4. अपनी खिलौना बस बनाओ।

– गत्ते का एक डिब्बा लो।

❶

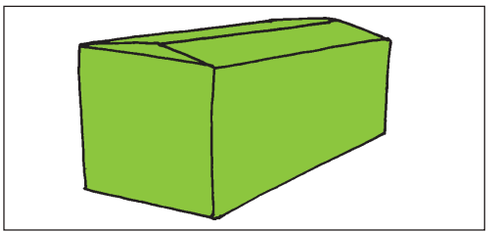

– इसके चारों ओर कागज़ चिपकाओ।

❷

– काले रंग के स्कैच पेन से डिब्बे पर बाईं ओर तीन तथा दाईं ओर पाँच एक जैसी खिड़कियाँ बनाओ।

❸

– डिब्बे के बाईं तरफ़ खिड़कियों के आगे स्कैच पेन से एक दरवाज़ा बनाओ। दरवाज़े के आगे एक और खिड़की बनाओ।

❹

– डिब्बे के सामने वाले भाग पर दो चौकोर खाने बनाओ। जैसा कि चित्र में दिखाया गया है।

❺

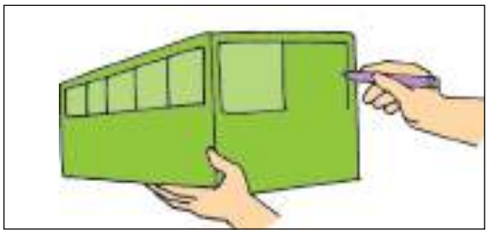

– दाएँ खाने में बसचालक का चित्र बनाओ।

❻

– एक मोटा गत्ता (शीट) लेकर उसमें से चार गोले (पहिए) काटो। प्रत्येक गोले के बीच में एक छेद करो।

❼

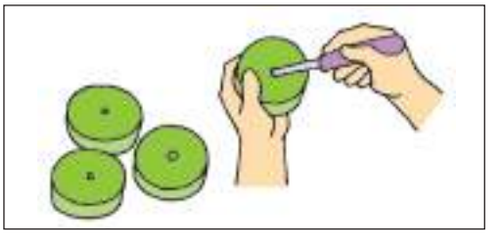

– डिब्बे की चौड़ाई से थोड़े बड़े आकार के सरकंडे के दो टुकड़े लो।

8

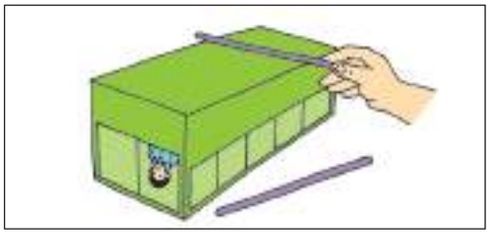

– एक टुकड़े को डिब्बे के अगले भाग से और दूसरे को पिछले भाग से आर–पार करो।

9

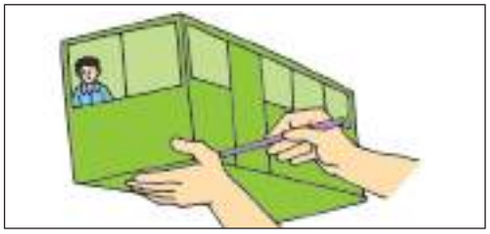

– अब सरकंडों के दोनों सिरों में मोटे गत्ते से बने पहिए डालो।

10

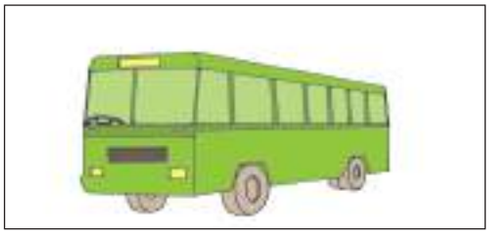

5. यातायात के कुछ साधनों के चित्र इकट्ठे करो और उन्हें दिए गए स्थान पर चिपकाओ। प्रत्येक के नीचे उसका नाम भी लिखो।

6. बड़ों से पता करो कि पेट्रोल की बचत के लिए हम क्या कर सकते हैं। उनकी सूची बनाओ।

36WXAK

पाठ 16

dN dgh] dN vudgh

रक्षाबंधन का त्योहार नज़दीक था। अनुराधा की मम्मी ने राखी भेजने के लिए लिफ़ाफ़े में राखियाँ और पत्र डाले। लिफ़ाफ़ा अनुराधा के पापा को दिया और कहा– इसे आज ही डाक से भेज देना।

मनोज– मम्मी, आप अभी भी चिट्ठी भेजती हो; अब तो आप मोबाइल फ़ोन से मैसेज और ई–मेल कर सकती हो।

मम्मी ने कहा–राखी तो नहीं जाएगी न ई–मेल से।

n[kks vkSj fy[kks

- दिए गए चित्र में से तुमने जिन चीज़ों को देखा हुआ है, उनके नाम लिखो।

  ____

- तुम्हारे घर में इनमें से कौन सी चीज़ें हैं ?

  ____

- तुमने इनमें से किन साधनों का प्रयोग किया है ?

  ____

- चित्र में दिए साधनों के अलावा तुमने बातचीत करने का और कौन–सा साधन देखा है ? लिखो।

  ____

vè;kid d fy, lad r : संचार का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए बच्चों से आस–पास उपलब्ध संचार के साधनों पर चर्चा करें।

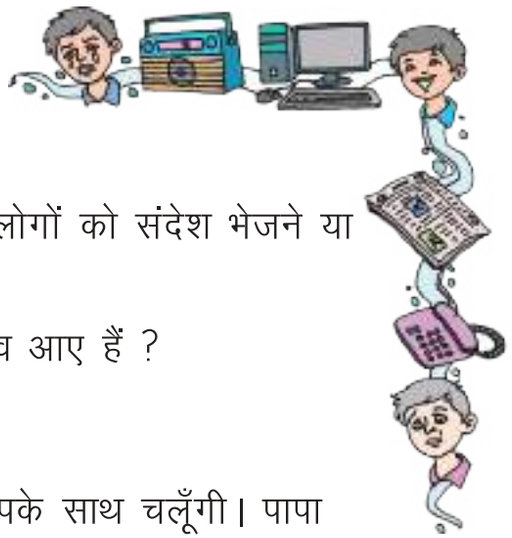

irk djk

- घर के बड़ों से पता करो कि वे अपने समय में दूर रहने वाले लोगों को संदेश भेजने या प्राप्त करने के लिए क्या तरीके अपनाते थे ?
- उनके समय के तरीकों और आजकल के तरीकों में क्या बदलाव आए हैं ?

dl s igq¡prh g S fpëh

अनुराधा के पापा डाकघर जाने लगे तो अनुराधा ने कहा– मैं भी आपके साथ चलूँगी। पापा बोले– ठीक है, चलो।

डाकघर पहुँच कर अनुराधा ने देखा कि अलग–अलग केबिन में बैठे कर्मचारी काम कर रहे थे। किसी केबिन पर टिकट लिखा था, तो किसी पर मनीऑर्डर। हर केबिन के सामने लोगों की लाइन लगी थी। एक केबिन में पत्रों की छँटनी हो रही थी। दूसरे में पत्रों पर मोहर लगाई जा रही थी।

उसके पापा ने बताया कि पत्रों को एक जगह से दूसरी जगह भेजने के लिए सबसे पहले इन्हें पत्र–पेटी (लैटर–बॉक्स) में डाला जाता है। फिर डाकिया

vè;kid d fy, l dr : बच्चों को डाकघर ले जाकर वहाँ की कार्य प्रणाली दिखाएँ व उसके बारे में कक्षा में चर्चा करें।

लैटर–बॉक्स का ताला खोल कर सभी पत्रों को एक थैले में रखता है। इसके बाद वह पत्रों को उनके पते के अनुसार छाँटकर, डाकगाड़ी में रख देता है। दूसरी जगह पहुँचने पर वहाँ का डाकिया पत्रों को, उन पर लिखे पतों पर पहुँचा देता है।

अनुराधा ने भी राखी वाला लिफ़ाफ़ा लैटर–बॉक्स में डाल दिया।

,lk djk

- चित्र में दिखाए गए अंतर्देशीय पत्र पर प्रेषक (भेजने वाले) की जगह अपना नाम व पता तथा प्रेषित (जिसको भेजा जाना है) की जगह अपने मित्र का नाम व पता लिखो।
- डाकघर से घर तक चिट्ठी पहुँचने के क्रम को लिखो।

1. ______________
2. ______________
3. ______________
4. ______________

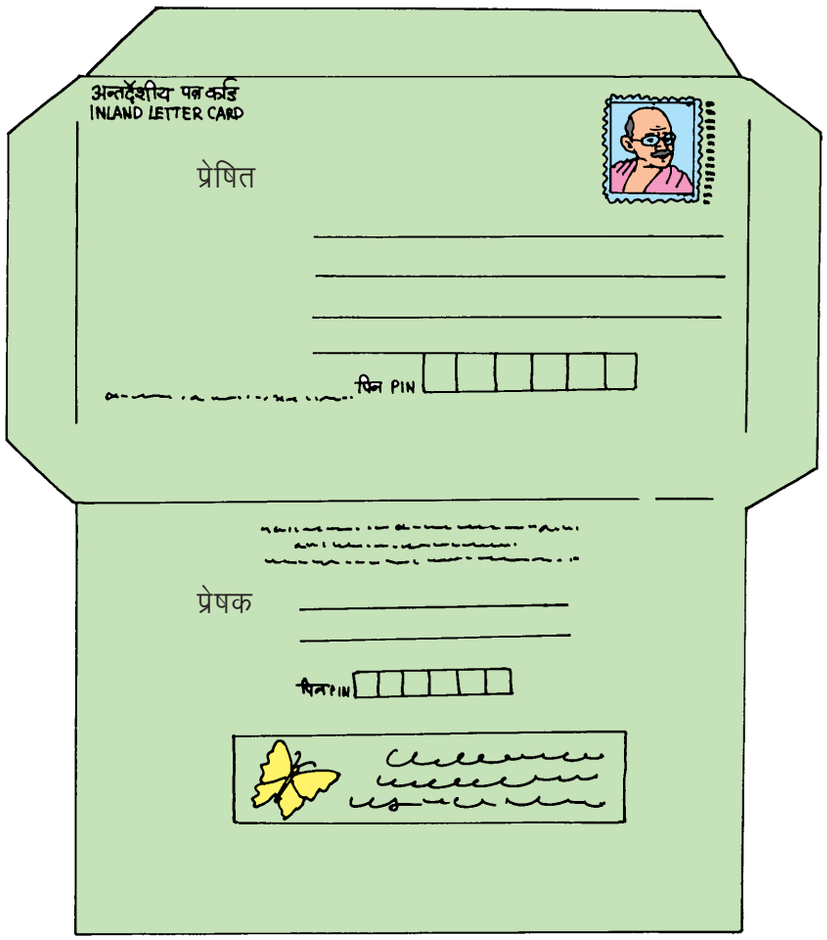

ckr b’kkjk e

हम बिना बोले भी एक दूसरे की बात समझ सकते हैं, जानते हो कैसे ? इशारों और चेहरे के हाव–भाव से।

कई बार अध्यापिका मुँह पर उँगली रखकर इशारा करती है, तो तुम समझ जाते हो कि वे चुप रहने को कह रही हैं।

नृत्य में भी इशारों और चेहरे के हाव–भाव से बात समझाई जाती है। इन्हें मुद्राएँ कहते हैं।

n[kks] lkpks vkSj fy[kks %

- दिए गए चित्रों में मुद्राओं और इशारों को पहचानो और उनके नाम लिखो।

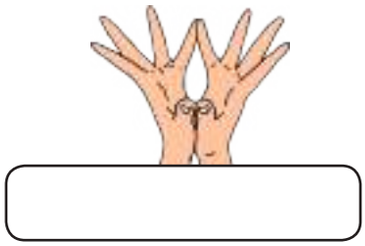

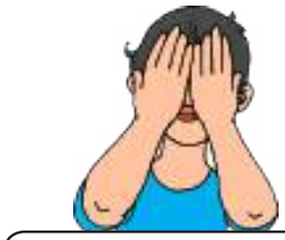

vkvks ;s Hkh djs

1. यहाँ भिन्न–भिन्न भावों को दिखाते कुछ चेहरे दिए गए हैं। इनके भावों को पहचानो और नीचे दिए गए बॉक्स में लिखो। तुम भी अपने चेहरे पर ऐसे भाव दिखाओ।

vè;kid d fy, lidr : कक्षा में बच्चों को दो टीमों 'ए' व 'बी' में बाँटें। अध्यापक टीम 'ए' के बच्चे के कान में कोई वाक्य कहे। उसे उस वाक्य को टीम 'बी' के बच्चे को इशारों व हाव–भाव से समझाने के लिए कहें। इशारों व हाव–भाव को समझकर टीम 'बी' का बच्चा बताए कि टीम 'ए' का बच्चा इशारों से क्या समझा रहा है। इसी प्रकार यह गतिविधि टीम 'बी' से भी कराएँ।

2. तुम भी कभी अपने रिश्तेदार के घर गए होगे। अपनी यात्रा के बारे में बताने के लिए मित्र को चिट्ठी लिखो।

3. चित्रों में रंग भरो–

	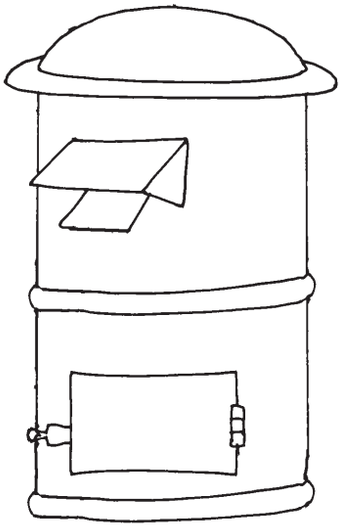
टेलीफ़ोन	पत्र–पेटी

4. बातचीत करने के कुछ साधनों के चित्र इकट्ठे करो और उन्हें चार्ट पर लगाओ। प्रत्येक के नीचे उसका नाम भी लिखो और कक्षा में लगाओ।

vkvk ij[k&D;k lh[kk

1. हम अक्सर एक स्थान से दूसरे स्थान पर किन कारणों से जाते है?

_____

2. हम अपने विचारों को, दूसरों तक किन–किन साधनों से पहुँचा सकते हैं?

_____

3. पुराने समय में जब यातायात के साधन नहीं थे तब लोग एक स्थान से दूसरे स्थान पर कैसे जाते होंगे? उन्हें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता होगा?

_____

_____

37FPDV

f'k{kd d fy,

idj.k % vkl&ikl fufer oLr,

;g idj.k D;k \

इस प्रकरण को पाठ्यक्रम में शामिल करने का मुख्य उद्देश्य बच्चों में यह समझ बनाना है कि मनुष्य बदलते समय के अनुसार, संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करता रहा है। बच्चों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे आधुनिक जीवन–शैली में आ रहे बदलावों की जानकारी प्राप्त करें। उन्हें इस बात से भी अवगत कराना है कि पुराने समय में मिट्टी के बर्तन किस तरह बनाए जाते थे। प्रकरण का उद्देश्य अलग–अलग क्षेत्रों तथा अवसरों पर पहनी जाने वाली पोशाकों की विविधता की सराहना का भाव पैदा करना है। उनमें यह समझ पैदा हो कि रंगने और डिज़ाइन बनाने से कपड़ों की सुंदरता बढ़ जाती है। अपने हाथों से काम करने का अभिप्राय उनमें सृजनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना है।

bl idj.k e g D;k \

प्रकरण में दो पाठ हैं। पहले पाठ में अनाज भंडारण में प्रयोग किए जाने वाले बर्तनों की चर्चा की गई है। बच्चों को मिट्टी से तरह–तरह के बर्तन व खिलौने बनाने के मौके देकर सृजनात्मकता के अवसर दिए गए हैं। दूसरे पाठ में बिना सिले तथा सिले हुए कपड़ों की विविधता संबंधी जानकारी दी गई है। मौसम के अनुसार पहने जाने वाले वस्त्रों, उनको रंगने व उन पर डिज़ाइन बनाने को भी पाठ में शामिल किया गया है।

bl idj.k d ikBk dk d l djk, \

- बच्चों से बर्तन तथा खिलौने बनाने व वस्त्रों से जुड़े उनके अपने अनुभव सुनें। इस विषय में वे अपने बड़े बुजुर्गों से जो जानकारी प्राप्त करते हैं, उस पर कक्षा में चर्चा करें। परस्पर अनुभव बाँटने से विषय की समझ व्यापक होगी।
- यदि संभव हो, तो मिट्टी से बर्तन बनाने की तथा कपड़ा रंगने की प्रक्रिया प्रत्यक्ष रूप से दिखाएँ। इन कार्यों से जुड़े लोगों को स्कूल में भी आमंत्रित किया जा सकता है।
- बच्चों को चर्चा करने व प्रश्न पूछने के पर्याप्त अवसर दें।
- बच्चों द्वारा बनाई चीज़ों व चित्रों की सराहना अवश्य करें। इससे उन्हें खुशी और रुचि के साथ काम करने की प्रेरणा मिलती है।
- भिन्न–भिन्न प्रकार की पोशाकें अथवा उनके चित्र दिखाकर, उनका मौसम के अनुसार पहनने वाले कपड़ों में वर्गीकरण कराएँ।
- कपड़ों व कागज़ों पर अलग–अलग डिज़ाइन बनवाकर, अभिव्यक्ति के अवसर दें। वे ये डिज़ाइन अपने साथियों को दिखाएँ।
- बर्तन न होने के कारण, खाना बनाने में आने वाली कठिनाइयों पर चर्चा करें।

पाठ 17

thou d jx] feêh d lix

nknh dh eVdh

''दादी मक्खन कब निकालोगी ?'' रमेश ने पूछा। दादी बोली – ''बेटा, मटकी तो टूट गई है।'' शाम को तुम्हारे दादाजी कुम्हार के घर से नई मटकी लाएँगे। अच्छा, मैं भी दादाजी के साथ जाऊँगा।

रमेश अपने दादाजी के साथ कुम्हार के घर गया। बंसी चाचा चाक तेज़ी से घुमा रहे थे। वहाँ मिट्टी से बनी कई प्रकार की चीज़ों का ढेर लगा हुआ था।

n[kk vkj fy[kk

- चित्र में मिट्टी से बनी वस्तुओं को पहचान कर उनके नाम लिखो।

  ____

  ____

- तुमने मिट्टी से बनी और कौन–सी चीज़ें देखी हैं, उनके नाम लिखो ?

  ____

- तुम्हारे घर में मटके को और क्या कहते हैं ?

  ____

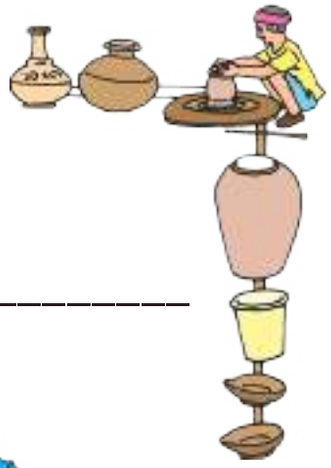

irk djk

- मटका बनाने के लिए कुम्हार को किन चीज़ों की ज़रूरत पड़ती है ?

____

crl u d l&d l

रमेश ने बंसी चाचा से पूछा– आप बर्तन किससे और कैसे बनाते हो ? चाचा ने बताया कि बर्तन चिकनी मिट्टी से बनाए जाते हैं।

1. मिट्टी गूंथते हुए

2. चाक पर बर्तन बनाते हुए

रमेश ने देखा कि पहिए जैसी किसी चीज़ से बहुत सुंदर बर्तन बन रहे थे। रमेश ने चाचा से पूछा कि यह पहिए जैसी चीज़ क्या है ? चाचा ने कहा–यह चाक है। रमेश ने फिर पूछा–चाचा, ये बर्तन तो अभी कच्चे हैं, टूट नहीं जाएँगे क्या ? चाचा ने कहा– हाँ, इन बर्तनों को पहले धूप में सुखाया जाता है। फिर इनको आग में पकाते हैं। इससे बर्तन मज़बूत हो जाते हैं।

3. बर्तन धूप में सुखाते हुए

4. बर्तनों पर चित्रकारी करते हुए

दादाजी ने बंसी चाचा को पैसे दे कर मटकी ली। दोनों घर की ओर चल दिए। रास्ते में रमेश ने पूछा–दादाजी, पुराने समय में जब बर्तन नहीं होते थे, तब लोग खाना कैसे पकाते और खाते होंगे ?

दादाजी ने कहा–पुराने समय में लोग या तो पेड़–पौधों के पत्ते, फल व फूल खाते थे या फिर पशुओं को मार कर खाते थे। बर्तन न होने के कारण लोगों को खाना पकाने और सामान

vè;kid d fy, ldr : बच्चों को बताएँ कि मिट्टी एक महत्त्वपूर्ण संसाधन है, जिसमें फ़सलें उगती हैं, पेड़–पौधे उगते हैं। मिट्टी के विभिन्न उपयोगों के बारे में चर्चा करें।

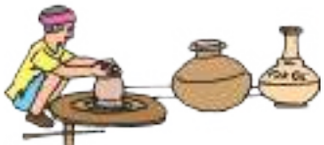

रखने के लिए बहुत मुश्किल होती थी। धीरे–धीरे कोशिश करने के बाद, वे बर्तन बनाना सीख गए। सबसे पहले उन्होंने पत्थर और मिट्टी के बर्तन बनाए। लोगों ने यह भी खोज की कि आग में पकाने से मिट्टी के बर्तन मज़बूत हो जाते हैं।

lkpk vkj fy[kk

- यदि तुम्हें मिट्टी के बर्तन या खिलौने बनाने के लिए कहा जाए, तो तुम कौन से बर्तन और खिलौने बनाना चाहोगे ? उनके नाम लिखो।

crlu	f[kykSu
______________	______________
______________	______________
______________	______________
______________	______________

feêh d f[kykSu

अगले दिन कक्षा में अध्यापक ने कहा – आज हम गीली मिट्टी से कुछ चीज़ें बनाएँगे। यह रही गीली मिट्टी। सब थोड़ी–थोड़ी मिट्टी लो और अपनी पसंद की कोई चीज़ बनाओ।

सभी बच्चे खुशी से झूम उठे। रमन बोला– मैं गिलास बनाऊँगा। नगमा बोली–मैं चिड़िया बनाऊँगी। सैमसन ने कहा– मैं दीया बनाऊँगा। थोड़ी देर में बच्चों ने मिट्टी से कई चीज़ें बनाईं। बच्चों ने अपनी–अपनी बनाई हुई चीज़ें सूखने के लिए धूप में रख दीं।

थोड़ी देर बाद महेश और दिनेश जैसे ही अपने खिलौने उठाने लगे, वे टूट कर नीचे गिर गए, क्योंकि खिलौने अभी गीले थे।

रमेश ने दिनेश को बताया कि तुमने खिलौनों को पूरी तरह सूखने नहीं दिया। वे गीले थे, इसलिए टूट गए।

अगले दिन सब बच्चे अपने बनाए हुए खिलौने उठा लाए, क्योंकि अब वे सूख चुके थे।

vè;kid d fy, lidr : बच्चों को मिट्टी के प्रकार बताएँ। अगर संभव हो तो उनको कुम्हार के पास ले जाएँ और बर्तनों का बनना दिखाएँ।

,slk djk

- दिए गए चित्रों में अपनी पसंद के रंग भरो और उन्हें सजाओ। उनके नाम भी लिखो–

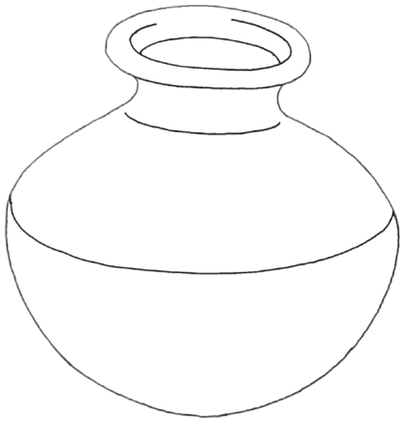

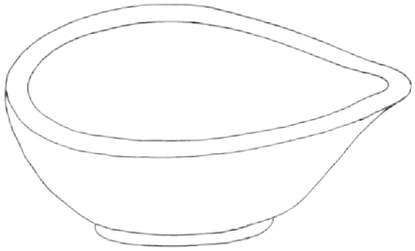

_____________________ _____________________

vukt lqjf{kr j[kus dgk¡ \

रमेश स्कूल से घर वापस आया। वह अपना खिलौना सबसे पहले दादी को दिखाना चाहता था। दादी मिट्टी से बने किसी बड़े बर्तन में से गेहूँ निकाल रही थी। रमेश ने पूछा– दादी, आप क्या कर रही हैं ? दादी ने कहा–मैं कुठले से गेहूँ निकाल रही हूँ।

रमेश ने पूछा– दादी, यह कुठला क्या होता है ? दादी ने बताया कि साल भर के खाने के लिए हमें जितने गेहूँ की ज़रूरत होती है, उसे कुठले में सुरक्षित रख देते हैं और ज़रूरत के अनुसार निकालते रहते हैं।

vc crkvks

- क्या तुम्हारे घर में भी साल भर के लिए अनाज रखा जाता है ? यदि हाँ, तो किन बर्तनों में ?
- महीने भर का आटा या अनाज किस बर्तन में रखा जाता है ?

vkvk ;s Hkh djs

1. दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरो :

मटका	चाक	खिलौना	दीये

– कुम्हार मटका बनाने के लिए ———————— का प्रयोग करता है।

– दीवाली पर लोग ———————— जलाते हैं।

– ———————— पानी को ठंडा रखता है।

2. ठीक उत्तर पर (✓) चिह्न लगाओ।

– मिट्टी के बर्तनों को सुखाने के बाद मज़बूत बनाया जाता है ?

(क) रंगकर (ख) पकाकर (ग) गीला करके (घ) चमका कर

– बहुत पहले अनाज रखने के लिए यह भी काम आता था–

(क) टंकी (ख) ड्रम (ग) मिट्टी का कुठला (घ) बाँस की टोकरी

– मिट्टी से बनने वाली चीज़ों पर गोलदायरा लगाओ–

3. विकास को गुल्लक लेने के लिए कुम्हार तक पहुँचाओ–

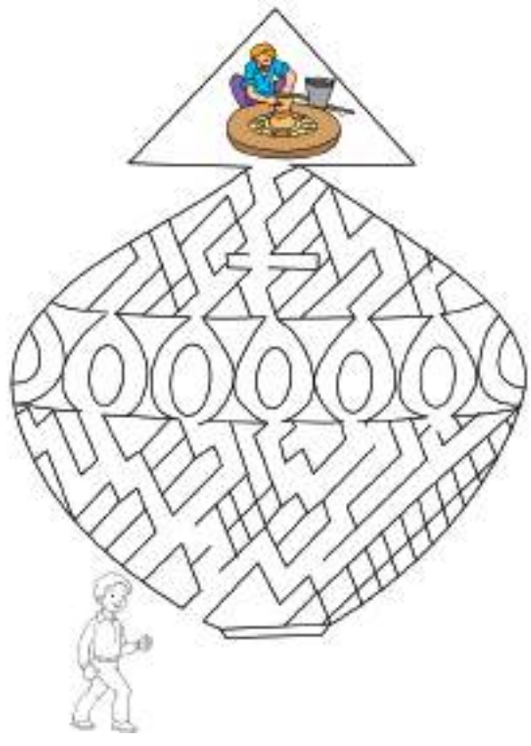

37YGH6

पाठ 18

jx&fcjxh ejh ik'kkd

388CIT

छुट्टी का दिन था। माँ ने मुझसे कहा–अपने सामान वाला संदूक बाहर निकालकर साफ़ कर लो। मैंने जब अपना संदूक खोला, तो पुराने सामान से मेरा बनाया हुआ रूमाल निकला। मुझे वे दिन याद आ गए, जब मैं तीसरी कक्षा में पढ़ता था। मुझे अपने आप हँसी आ गई। स्कूल के वार्षिक–उत्सव में हमारी कक्षा ने समूह गान में भाग लिया था, जिसके बोल मुझे अब भी याद हैं–

हिंद देश के निवासी, सभी जन एक हैं,
रंग, रूप, वेश–भूषा चाहे अनेक हैं।

उस दिन कक्षा के सभी बच्चों ने हमारे देश के अलग–अलग राज्यों की वेशभूषाएँ पहनी थीं। मैंने अपने राज्य का धोती–कुरता पहना था। राघव ने कश्मीर का फिरन, नेहा ने पंजाब का सलवार–कमीज़ और गोपी ने राजस्थानी लहंगा–चुनरी।

याद आया, रोहन घर से जो लुंगी लेकर आया था, वह मिल नहीं रही थी। वह रोने लगा था– अब मैं क्या पहनूँ ? अध्यापिका ने तुरंत माली चाचा का अँगोछा मँगवाया और बन गई थी लुंगी।

vè;kid d fy, ldr : बच्चों को विभिन्न राज्यों की वेशभूषाओं के चित्र दिखाएँ और चर्चा करें कि राज्य विशेष में ऐसी वेशभूषा क्यों पहनी जाती है।

n[kks] Lkkpk vkj fy[kks

- दिए गए चित्र में कौन से राज्यों की वेशभूषा दिखाई गई है ?

____

____

- यदि तुम्हारे स्कूल में वेशभूषा प्रतियोगिता हो, तो तुम कौन–सी वेशभूषा पहनना पसंद करोगे ?

____

- तुम्हारे राज्य में कौन–सी वेशभूषाएँ पहनी जाती हैं ?

____

- लुंगी बनाने के लिए अँगोछे के अतिरिक्त और कौन से कपड़े इस्तेमाल में लाए जा सकते थे ?

____

igpkuk vkj uke fy[kk

- दिए गए चित्रों में पोशाकों को पहचान कर उनके नाम लिखो–

___________ ___________ ___________ ___________

___________ ___________ ___________ ___________

tlk ekle ol diM

वह दिन मैं कैसे भूल सकता हूँ। समारोह खत्म होते–होते ज़ोरदार बारिश होने लगी थी। पंडाल भीग गया था। सड़कों पर पानी भर गया था। घर जाता तो कैसे ? न बरसाती थी, न छाता।

मैं घर पहुँचा तो देखा मेरी माँ गुलगुले बना रही थी।

अरे वाह! गुलगुले। मैं अपनी प्लेट में गुलगुले लेकर टी. वी. देखने लगा। समाचारों में दिखा रहे थे कि पहाड़ों पर बर्फ़बारी और बारिश हुई थी। वहाँ पर लोग मोटी जैकेट, दस्ताने, बूट, टोपी, मोटे चश्मे पहने हुए थे। बर्फ़ के गोले बना–बना कर खेल रहे थे।

मुझे याद आया, मैंने माँ से पूछा था– राघव तो फिरन में ही पसीना–पसीना हो गया था और ये लोग मोटे–मोटे गर्म कपड़े पहने हुए हैं। माँ ने बताया था–सर्दी से बचने के लिए गर्म कपड़े पहनना ज़रूरी है। इसलिए हम सर्दियों में ऊनी कपड़े पहनते हैं जैसे– स्वेटर, टोपी, दस्ताने, आदि।

माँ ने मुझे गर्मी के मौसम और उसमें पहने जाने वाले कपड़ों के बारे में भी बताया था।

dl cuk diMk \

उस दिन माँ करीने से अलमारी में सामान रख रही थी, तो मुझे भी मदद के लिए बुलाया था। ओ हो ! तरह–तरह के इतने सारे कपड़े। किसी पर फूल, किसी पर हाथी, किसी पर लाइनें बनी थीं। मैंने माँ से पूछा था–

vè;kid d fy, ldr : बच्चों से अलग–अलग मौसम में पहने जाने वाले कपड़ों पर चर्चा करें।

इतने सारे कपड़े किसने बनाए ? कैसे बनाए ? माँ ने बताया था–कुछ कपड़े हाथों से बनाए जाते हैं तो कुछ मशीनों द्वारा कारखानों में बनाए जाते हैं।

irk djk vkj fy[kk

- तुम्हारे घर में ऐसे कौन–से कपड़े हैं;
  - जो हाथों से बुने गए हैं ?
    __________ __________ __________ __________
  - जो मशीनों से बुने गए हैं ?
    __________ __________ __________ __________

dgk ls vk;k diMk \

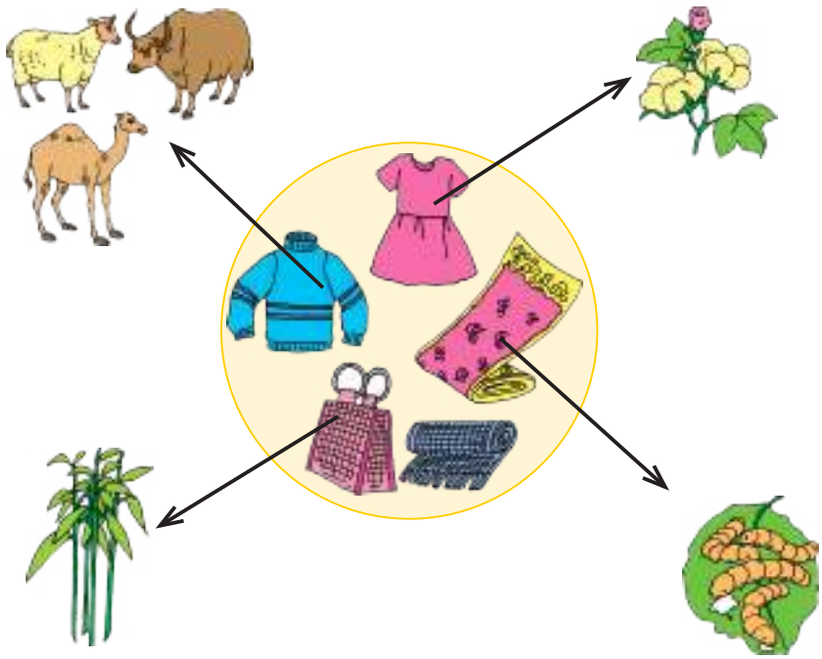

इतने सारे कपड़ों में से मैंने अपनी लाल स्वेटर को उठाकर माँ से पूछा था–माँ, यह स्वेटर किस चीज़ से बना है ? माँ ने बताया था – बेटा, यह ऊन से बना है। ऊन भेड़ों से मिलती है।

मैं हैरान रह गई थी। मैंने पूछा–भेड़ों से!

माँ ने बताया था कि हमें कपड़ा बनाने के लिए रेशा पौधों और जंतुओं से मिलता है। ऊन भेड़, याक और ऊँट से मिलती है। रेशम के कीड़े से रेशम मिलता है। कपास के पौधों से सूत और पटसन के पौधों से सन मिलता है।

jax fcjaxs diMs

माँ की बातें सुनकर मैं हैरान रह गया था। मैने माँ से पूछा– माँ, रूई तो सफ़ेद होती है, फिर कपड़ों में ये इतने रंग कैसे आए ? माँ ने बताया था– जैसे हम कागज़ पर बनी तस्वीरों में रंग भरते हैं, वैसे ही कपड़ों को भी रंगा जाता है।

vè;kid d fy, ladr : बच्चों को कपड़ा प्राप्त होने के अलग–अलग स्रोतों के विषय में बताएँ। यह भी चर्चा करें कि किसी विशेष स्रोत से धागा व कपड़े कैसे प्राप्त किया जाता है।

मैंने पूछा था– क्या मैं अपने मोमी रंगों (क्रेयॉन) से कपड़े रंग सकती हूँ ? माँ हँसने लगी और बोली– नहीं बेटा, कपड़े रंगने के लिए कुछ रंग हमें पेड़–पौधों से मिलते हैं जैसे– ऐसे ही हल्दी, नील, चुकंदर, गुलाब और गुड़हल से भी रंग प्राप्त होते हैं। कुछ रंग कई चीज़ों को मिलाकर भी बनाए जाते हैं।

,lk djk

- काँच के चार गिलास लो। उनमें समान मात्रा में थोड़ा–थोड़ा पानी डालो। एक गिलास में हल्दी, दूसरे में नील, तीसरे में चुकंदर का रस और चौथे में मेहँदी का पाउडर समान मात्रा में डालो। प्रत्येक को चम्मच से हिलाओ। देखो, किस गिलास में कौन–सा रंग बना ?
- पेंटिंग ब्रुश की सहायता से दी गई पोशाकों में अपने बनाए गए रंग भरो।

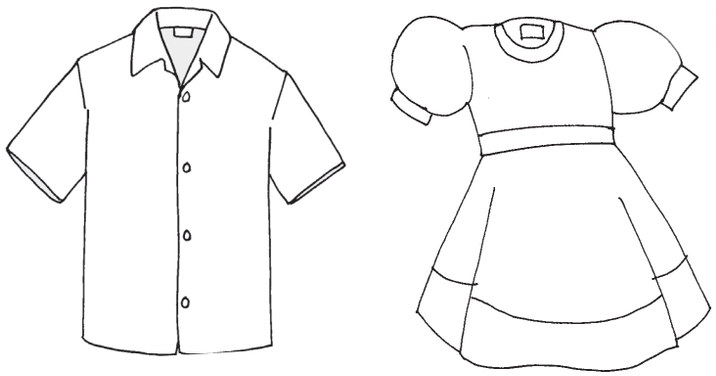

u,&u, fMtkbu

माँ, फिर ये इतने सारे डिज़ाइन कैसे बने ? माँ ने बताया था – जिस प्रकार कागज़ पर तस्वीरें बनाते समय हम गोलदायरा बनाने के लिए चूड़ी का प्रयोग करते हैं, हाथ बनाने के लिए हाथ रखते हैं, उसी प्रकार कपड़े पर डिज़ाइन बनाने के लिए हाथ से डिज़ाइन बनाते हैं या फिर ठप्पों का प्रयोग करते हैं। कपड़ों पर डिज़ाइन बनाने के लिए मशीनों का प्रयोग भी किया जाता है।

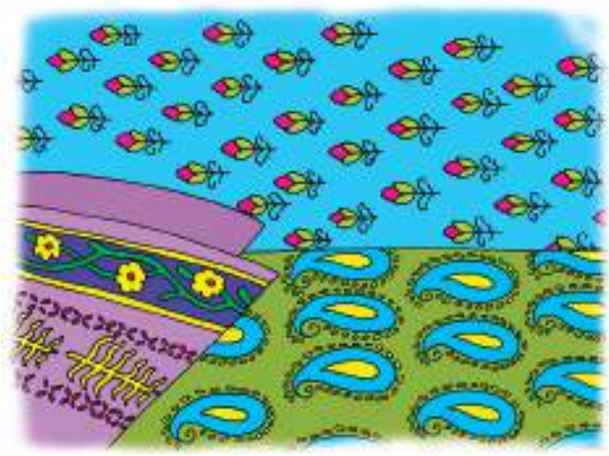

कपड़ों पर कुछ डिज़ाइन 'ब्लॉक' या 'बंधेज' का इस्तेमाल करके भी बनाए जाते हैं। 'ब्लॉक' में लकड़ी के एक टुकड़े पर बने डिज़ाइन को रंग में डुबो कर कपड़े पर छापा जाता है।

vè;kid dfy, laldr : अगर संभव हो तो कक्षा में बच्चों को बंधेज और ब्लॉक डिज़ाइन वाले वस्त्र दिखाएँ।

'बंधेज' में कपड़े में स्थान–स्थान पर चने या मोठ का एक–एक दाना बाँध कर कपड़े को रंग में डुबो देते हैं। बँधा हुआ कपड़ा बिना रंगा रह जाता है और बाकी कपड़ा रंग जाता है।

irk djk vkj fy[kk

- अपनी दादी या पड़ोस के बड़ों से पूछो कि उनके समय में खेस या रज़ाई के गिलाफ़ किस प्रकार रंगे जाते थे ?

_____

_____

;g Hkh djk

- उभरी हुई छाप वाली कुछ वस्तुएँ लो जैसे– 5 रुपये का सिक्का। उन्हें अलग–अलग रंग में डुबो कर नीचे दिए स्थान पर डिज़ाइन बनाओ ।

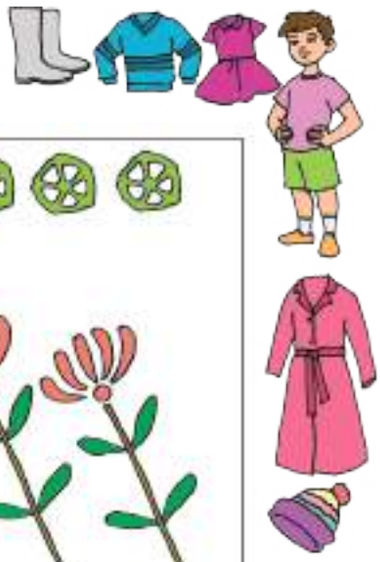

मेरा रूमाल

माँ ने कहा– आओ, हम भी कुछ डिज़ाइन बनाएँ। फिर हमने प्याज़ और भिंडी के टुकड़ों को अलग–अलग रंगों में डुबो कर यह रूमाल बनाया था। इस रूमाल से मेरे बचपन की यादें जुड़ी हुईं हैं।

आओ ये भी करें

1. दी गई पोशाक की तस्वीर में भिंडी के टुकड़ों का प्रयोग करके रंग भरो।

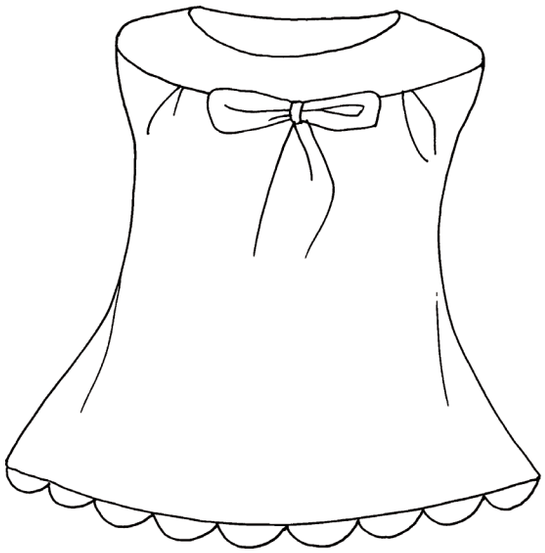

2. सही उत्तर पर (√) का निशान लगाओ :

– हम स्वेटर किस मौसम में पहनते हैं ?

☐ सर्दी ☐ गर्मी ☐ बरसात

– यह एक बिना सिली पोशाक है।

☐ फ्रॉक ☐ साड़ी ☐ पैंट

– गर्मी के मौसम में पहनते हैं।

☐ स्वेटर ☐ ऊनी टोपी ☐ फ्रॉक

– बरसाती पहनते हैं।

☐ बरसात के मौसम में ☐ सर्दी में ☐ गर्मी में

3. नीचे कुछ कपड़ो के चित्र हैं। इनका उचित मौसम से मिलान करो–

1.

2.

3.

4.

5.

4. नीचे एक वर्ग पहेली दी गई है। इसमें विभिन्न पोशाकों के नाम ढूँढ़ो और दिए गए स्थान पर लिखो –

ब	टो	पी	ची	ल	ब
खू	गा	ती	सा	ड़ी	र
नो	फ्रॉ	क	मी	ज़	सा
धो	ती	पैं	सो	क्ष	ती
कू	स्वे	ट	र	दू	मा
नी	छ	जु	रा	ब	ली

____

____

____

____

____

____

____

38H8KG